खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 16 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-165

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को फ्रांस का समर्थन

विदेश मंत्री ने सराहा, कई अहम मुद्दों पर हुई बात

दोनों पक्ष होरिजोन 2047 रोडमैप को लागू करने पर भी सहमत हुए

पेरिस, 15 जून (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने फ्रांस दौरे पर फ्रांस के राष्ट्रपति से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में फ्रांस के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। अपने दौरे पर विदेश मंत्री ने भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी की पुष्टि भी की। विदेश मंत्री 11-14 जून तक फ्रांस दौरे पर रहे।

विदेश मंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। इस मुलाकात में विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी का संदेश राष्ट्रपति मैक्रों को दिया, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में फ्रांस के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया गया था। दोनों पक्ष होरिजोन 2047 रोडमैप को लागू करने पर भी सहमत हुए। साथ ही रक्षा उद्योग को लेकर भी सहमति बनी। बयान में कहा गया कि भारत-फ्रांस के रिश्तों में अब विश्वास, साझा महत्वकांक्षाएं दिखाई देती हैं। विदेश मंत्री ने फ्रांस के विदेश मंत्री नोएल बैरट से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात में भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी में आई तेजी को सराहा गया।

भारत, फ्रांस के साथ रक्षा, अंतरिक्ष, आतंकवाद निरोधी अभियान और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग कर रहा है। दोनों देशों में तकनीक, इनोवेशन, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, जीवन विज्ञान, शिक्षा, म्यूजियम सहयोग और लोगों के लोगों से रिश्ते मजबूत करने पर ध्यान दिया जा रहा है। दोनों देशों के नेताओं की बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों जैसे हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों पर भी बात हुई। विदेश मंत्री जयशंकर ने मार्शिले में आयोजित हुए भूमध्य सागर रायसीना डायलॉग में हिस्सा लिया और कार्यक्रम को संबोधित भी किया। विदेश मंत्री ने फ्रांस में आर्मेनिया के विदेश मंत्री से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फ्रांस की अपनी चार दिवसीय यात्रा पूरी की। साथ ही पेरिस में रणनीतिक मामलों से जुड़े विशेषज्ञों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वैश्विक स्तर पर हो रहे संतुलन बदलाव, डेटा, तकनीक और ऊर्जा के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोप के बीच मजबूत साझेदारी की बड़ी संभावनाएं हैं। जयशंकर ने इस मुलाकात को सुखद अनुभव बताया और इसे दोनों पक्षों के बीच विचार-विमर्श और सहयोग को आगे बढ़ाने वाला बताया।जयशंकर ने पेरिस में फ्रांस की राष्ट्रीय पुस्तकालय का दौरा कर वहां मौजूद भारतीय पांडुलिपियों का अवलोकन किया और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण में सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने मार्से में आयोजित पहले मेडिटेरेनियन रईसिना डायलॉग में हिस्सा लिया और वैश्विक भू-राजनीतिक मुद्दों पर विचार साझा किए।जयशंकर ने कहा कि यह दौरा फ्रांस में इंडोलॉजी (भारतीय अध्ययन) की गहराई का परिचायक है। उन्होंने पुस्तकालय के अध्यक्ष गिल्स पेको से मुलाकात कर सांस्कृतिक विरासत संरक्षण में सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की।

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल गिरा

25 से ज्यादा लोगों के बहने की आशंका

मुंबई, 15 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पुणे जिले के मावल तालुका स्थित कुंडमाला क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में इंद्रायणी नदी पर बने पुल का आधा हिस्सा अचानक टूटकर गिर गया, जिससे उस वक्त पुल पर खड़े कई लोग नदी में गिर गए। घटना के समय मौके पर भारी भीड़ थी और शुरुआती जानकारी के मुताबिक 20 से 25 लोग लापता हैं और उनके नदी में बहने की आशंका जताई जा रही है।

आधिकारिक तौर पर इस घटना में पांच लोगों के मरने की पुष्टि की गयी है जबकि कई के बहने की आशंका जताई गई है। वहीं रेस्क्यू टीम ने पांच से छह लोगों को बचाया है। बताया जाता है कि यह दुर्घटना रविवार अपराह्न लगभग 3:40 बजे की है। जब पुल का एक हिस्सा टूटा, तो कुछ लोग नीचे मौजूद पत्थरों पर जा गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं। वहीं कई लोग सीधे नदी की तेज धारा में बह गए। नदी में बहाव काफी तेज होने के कारण राहत कार्य में भी दिक्कतें आ रही हैं। ये वही पुल था जिससे कुंडमाला क्षेत्र को पार किया जाता था। पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत आने वाली तलेगांव दाभाड़े पुलिस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय गोताखोरों को भी राहत और बचाव कार्य के लिए बुलाया गया है। रविवार को छुट्टी होने की वजह से बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक कुंडमाला क्षेत्र घूमने आए थे। कुछ लोग उस समय पुल पर खड़े होकर फोटो ले रहे थे और दृश्य का आनंद ले रहे थे,

▶10 पर

हैदराबाद के 5 श्रद्धालु गोदावरी नदी में डूबे, मौत

निर्मल (तेलंगाना), 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पांच श्रद्धालु रविवार को मंदिर नगर बसर में गोदावरी नदी में पवित्र स्नान करते समय डूब गए। श्रद्धालुओं के शव नदी से बरामद कर लिए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि श्रद्धालुओं की पहचान हैदराबाद के दिलसुखनगर के चिंतलबाजार निवासी राकेश (17), विनोद (18), मदन (18), रूत्विक और भरत (24) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार रविवार को तेलंगाना के निर्मल जिले में गोदावरी नदी में पांच युवक डूब गए। यह घटना मंदिर नगर बासर में हुई, जब वे पवित्र स्नान के लिए नदी में गए थे। मृतक एक ही परिवार के थे और हैदराबाद के निवासी थे। मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले इस परिवार के कुल 18 सदस्य सरस्वती मंदिर में दर्शन और नदी में पवित्र स्नान के लिए बासर गए थे। मंदिर में दर्शन से पहले वे अनुष्ठान के लिए नदी में गए थे। युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,

▶10 पर

अहमदाबाद प्लेन हादसा

विजय रूपाणी के शव की पहचान हुई

राजकोट में आज होगा अंतिम संस्कार

अब तक 31 शवों की शिनाख्त, 22 परिजन को सौंपे गए

अहमदाबाद, 15 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व सी एम विजय रूपाणी के शव की पहचान हो गई है। रविवार को उनका डीएनए मैच हो गया। परिवार के मुताबिक, राजकोट में सोमवार दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा।

12 जून को हुए प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंच गया है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 230 परिवारों से अबतक संपर्क किया जा चुका है। आज सुबह तक 248 शवों के डीएनए सैंपल लिए गए। इनमें से 31 की शिनाख्त हो गई है, 22 शव परिजन को सौंपे गए हैं। उनके डेथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए गए।एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके गृहनगर पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए 230 टीमें बनाई गई हैं, जो मृतकों के परिजनों के सीधे संपर्क में हैं। 192 एम्बुलेंस और वाहन स्टैंडबाय पर हैं। हादसे में जान गंवाने वाले विदेशी नागरिकों में से 11 के परिजन आज अहमदाबाद पहुंच सकते हैं।

▶10 पर

अमेरिकी नेवी के पूर्व पायलट ने किया खुलासा

अहमदाबाद प्लेन क्रैश RAT की वजह से हुआ!

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार (12 जून, 2025) को एयर इंडिया का बोइंग-787 जहाज उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद क्रैश हो गया था। इसकी जांच के लिए केंद्र सरकार ने एक पैनल गठित किया है, जो 3 महीन के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। वहीं अमेरिकी नेवी के पूर्व पायलट और जाने माने नेविगेशन एक्सपर्ट कैप्टन स्टीव ने प्लेन क्रैश के वीडियो के विश्लेषण करते हुए इसमें RAT (ram air turbine) एक्टिवेशन की बात कही है। उन्होंने प्लेन क्रैश के 3 संभावित कारण बताए हैं।

▶10 पर

मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में साइप्रस पहुंचे

साइप्रस, 15 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में आज साइप्रस पहुंचे जहां राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स ने स्वयं हवाई अड्डे पर श्री मोदी का स्वागत किया।

श्री मोदी का विशेष विमान भारतीय समयानुसार करीब पांच बजे साइप्रस के लार्नाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा जहां उनकी अगवानी के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स मौजूद थे। हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग भी मौजूद थे।

साइप्रस के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर श्री मोदी 15-16 जून को यहां की आधिकारिक यात्रा पर आए हैं।

श्री मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, साइप्रस में पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के विशेष भाव के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स को मेरा आभार व्यक्त किया है। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, साझा मूल्यों और आकांक्षाओं से युक्त एक विश्वसनीय साझीदारी।

▶10 पर

उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में सात लोगों की मौत

रूद्रप्रयाग/देहरादून, 15 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में रविवार को एक हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पायलट सहित उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गयी।

हेलीकाप्टर बाबा केदारनाथ के दर्शन करा कर पांच श्रद्वालुओं और मंदिर समिति के एक कर्मचारी को वापस ला रहा था कि मौसम खराब होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे पायलट सहित उसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक 23 महीने की बच्ची भी है। श्रद्वालु परिवार महाराष्ट्र के निवासी थे।

हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि आज सुबह करीब सुबह 5.30 बजे आर्यन एविएशन कंपनी का हेलिकॉप्टर वीटीबीकेए/बीईएलएल 407 गौरीकुंड क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर गौरी माई खर्क से ऊपर जंगल में गिरा है। दुर्घटना की वजह खराब मौसम है। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहा था। गौरीकुंड के ऊपर घास काट रही नेपाली मूल की महिलाओं ने इसके दुर्घटनाग्रस्त होने और गुबार उठने की सूचना दी थी। रूद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर केदारनाथ से प्रातः 5:21 बजे गुप्तकाशी के लिए रवाना हुआ था एवं 5:24 बजे इसे वेली प्वाइंट के पास देखा गया। उस समय क्षेत्र में अत्यधिक कोहरा था जिससे दृश्यता शून्य हो गई थी। 6:13 बजे हेलीकॉप्टर के गुप्तकाशी न पहुँचने की जानकारी हेलीकॉप्टर कंपनी द्वारा दी गई। इसके पश्चात तत्काल कार्रवाई करते हुए खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि तत्पश्चात आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों को सक्रिय किया गया। जिसमें जिला आपदा मोचन बल की टीम के साथ एसडीआरएफ की छह टीमें, एनडीआरएफ की आठ टीम और 22 पुलिसकर्मी शामिल थे। ये सभी राहत एवं बचाव दल घटनास्थल गौरीकुंड से लगभग पांच किलोमीटर ऊपर स्थित गौरी में खड़क नामक

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 24^0

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पटरी पर लौट रहा टूरिज्म

पहलगाम, 15 जून (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के करीब दो महीने बाद पर्यटन कारोबार धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है और ईद की छुट्टियों के बाद स्थानीय लोगों और पंजाब से कुछ लोगों ने चरवाहों की घाटी में आना शुरू कर दिया है। ईद के तीसरे दिन घाटी के अन्य भागों से बड़ी संख्या में कश्मीरी पहलगाम पहुंचे, जिससे यहां पर्यटन व्यापार से जुड़े लोग काफी खुशी हैं। यह पर्यटन स्थल श्रीनगर से 100 किलोमीटर दूर है।

श्रीनगर के एक युवा नबील भट ने बताया, हम हर साल पहलगाम जाते रहे हैं, भले ही वहां पर्यटकों की भीड़ हो या नहीं। इस साल भी कुछ अलग नहीं था। हालांकि, इस बार हमारा ज्यादा सत्कार किया गया।भट पहलगाम के स्थानीय लोगों द्वारा पर्यटकों पर दिए जाने वाले विशेष ध्यान तथा अधिकांश सेवाओं की बेहद कम कीमतों का उल्लेख कर रहे थे।यहां से छह किलोमीटर दूर बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में पर्यटन गतिविधियां थम गयी थीं। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय सेवा प्रदाता शामिल था।

▶10 पर

ऑस्ट्रेलिया में पुलिस अधिकारी ने घुटने से दबा कर मार डाला भारतीय नागरिक को!

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में पुलिस के एक अधिकारी द्वारा गिरफ्तार करने का प्रयास करते समय गर्दन को कथित तौर पर घुटने से दबाने की वजह से लगी चोट के बाद अस्पताल में भर्ती 42 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत हो गई। रविवार को जारी मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली। 'सेवेनन्यूज ऑस्ट्रेलिया' की खबर के अनुसार, एडिलेड के मोडबरी नॉर्थ में रहने वाले गौरव कुंदी की बृहस्पतिवार को मौत हो गई। कुंदी को कुछ दिन पहले दिमागी चोट के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिसकर्मी ने रॉयस्टन पार्क में पेनहैम रोड पर कुंदी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया था। पुलिसकर्मी ने आरोप लगाया था कि उसने कुंदी और एक महिला के बीच 'झगड़ा' होते हुए देखा था। घटना से जुड़े एक वीडियो में पुलिसकर्मी को कुंदी से साथ जबरदस्ती करते हुए

देखा जा सकता है जबकि वह और उनकी पत्नी अमृतपाल कौर पुलिस की इस हरकत का चीख-चीखकर विरोध कर रहे थे। कुंदी चिल्ला-चिल्लाकर कह रहे थे, मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। वहीं कौर इस पूरी घटना का वीडियो बना रही थीं और बोल रही थीं कि पुलिस अनुचित तरीके से कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तारी के प्रयास के दौरान कुंदी की हालत बिगड़ने और 'बेसुध' होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

▶10 पर

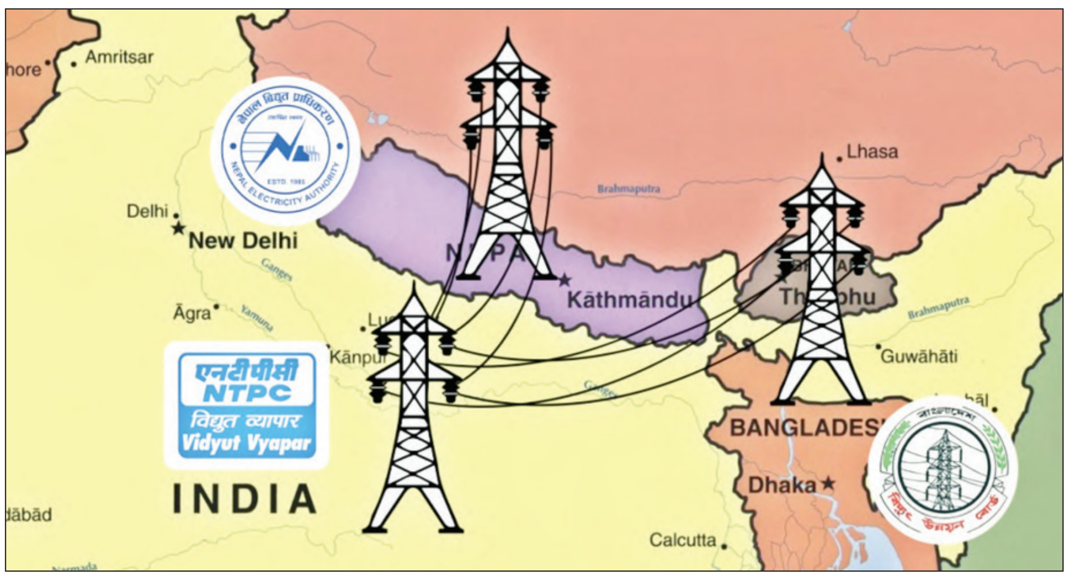

नेपाल भारत के रास्ते बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा

काठमांडू, 15 जून (एजेंसियां)। **नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते के तहत भारत के रास्ते नेपाल ने बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली के निर्यात करने का काम शुरू किया है।**

पिछले वर्ष हुए इस समझौते के बाद 15 नवंबर को आखिरी दिन बिजली निर्यात का सफल परीक्षण किया गया था। इसकी औपचारिक शुरुआत की गई है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात की शुरुआत की गई।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक हितेंद्र शाक्य के मुताबिक 15 नवंबर तक प्रतिदिन बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात की जाएगी। भारत के रास्ते यह बिजली बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्र तक निर्यात की जा रही है।

नेपाल से निर्यात की गई बिजली बिहार के मुजफ्फरपुर से होते हुए बांग्लादेश के बहरामपुर भेडमारा 400 ट्रांसमिशन लाइन के जरिए भेजा जा रहा है। नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने कहा कि अब तक सिर्फ भारत को ही निर्यात की जा रही बिजली अब बांग्लादेश में भी शुरुआत होना नेपाल के ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते के मुताबिक हर वर्ष 15 जून से 15 नवंबर तक नेपाल, भारत के रास्ते बांग्लादेश को बिजली निर्यात कर सकता है। नेपाल से विद्युत खरीद के लिए बांग्लादेश प्रति यूनिट 6.4 सेंट के दर से पैसे भुगतान कर रहा है। भारत के प्रसारण लाइन का प्रयोग करने पर उसे अलग से भुगतान करना पड़ेगा।

नेपाल सरकार ने 2035 तक 28000 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर 10000 मेगावाट बिजली भारत को, 5000 मेगावाट बिजली बांग्लादेश तथा 3000 मेगावाट बिजली नेपाल में खपत के लिए प्रयोग में लाने का लक्ष्य रखा है।

न्यूज ब्रीफ

कोई भी शराब सेहत के लिए पूरी तरह सुरक्षित नहीं

लंदन। भारत में 15 से 49 वर्ष की उम्र के 22.4 प्रतिशत पुरुष और 0.7 प्रतिशत महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक, यह प्रतिशत अलग-अलग राज्यों में भिन्न है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश, गोवा और तेलंगाना में पुरुषों द्वारा शराब पीने की दर सबसे अधिक पाई गई है। जब समाज का एक बड़ा वर्ग शराब का सेवन कर रहा हो, तो यह जानना भी जरूरी हो जाता है कि शराब के कौन-से प्रकार स्वास्थ्य की दृष्टि से अपेक्षाकृत कम नुकसानदायक हो सकते हैं। हालांकि कोई भी शराब पूरी तरह सुरक्षित नहीं है, फिर भी एल्कोहॉल कंटेंट के आधार पर कुछ विकल्प तुलनात्मक रूप से 'बेहतर' माने जा सकते हैं। बीयर को एल्कोहॉल की मात्रा कम होने के कारण एक हल्का विकल्प माना जाता है। इसमें कुछ खनिज और विटामिन्स भी होते हैं, लेकिन ज़्यादा मात्रा में सेवन से वजन बढ़ सकता है और लीवर को नुकसान हो सकता है। साइडर, जो सेब से बनती है और 4-7 प्रतिशत एल्कोहॉल युक्त होती है, स्वाद में हल्की और फाइबर युक्त होती है। इन दोनों विकल्पों को कभी-कभार सीमित मात्रा में पीने पर कम हानिकारक माना जाता है। वाइन, खासकर रेड वाइन, 11-13 प्रतिशत एल्कोहॉल कंटेंट के साथ आती है और इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स जैसे रेस्वेराट्रॉल दिल की सेहत के लिए थोड़ा फायदेमंद हो सकता है। लेकिन इसे भी सीमित मात्रा, यानी एक ग्लास तक ही सीमित रखना चाहिए। इसके विपरीत वोडका और व्हिस्की में एल्कोहॉल की मात्रा 35-50 प्रतिशत के बीच होती है, जो कि स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल सकती है। ये केवल संयम में ही पीनी चाहिए, और विशेषकर नियमित रूप से नहीं।

ठीक से नहीं सोए तो बढ सकता है दिल की बीमारियों का खतरा

स्टॉकहोल्म। अगर कोई व्यक्ति लगातार तीन रातों तक ठीक से नहीं सोता है, तो उसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। यह खुलासा हुआ है स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए ताजा अध्ययन में। नींद की कमी से शरीर में सूजन की मात्रा बढ़ जाती है, जो हृदय रोगों का कारण बन सकती है। यह रिसर्च खास तौर पर स्वस्थ और जवान लोगों पर किया गया, जिससे यह पता चला कि नींद का दिल के स्वास्थ्य पर प्रभाव जीवन के शुरुआती दौर से ही महत्वपूर्ण होता है। अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता डॉ. जोनाथन सेडरनेस ने बताया कि पहले किए गए ज्यादातर शोध अधेड़ उम्र के लोगों पर केंद्रित थे, जो पहले से ही दिल की बीमारियों के जोखिम में होते हैं। लेकिन इस बार पूरी तरह स्वस्थ और जवान पुरुषों को तीन रातों तक कम नींद दी गई, जिससे उनके शरीर में सूजन और हृदय से जुड़ी अन्य बायोमार्कर्स की मात्रा बढ़ी। अध्ययन में 16 स्वस्थ पुरुषों को शामिल किया गया, जिनका वजन और नींद का सामान्य पैटर्न था।

एआई की मदद से पता कर सकते हैं टाइप 1 डायबिटीज का खतरा

सिडनी। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा अत्याधुनिक उपकरण विकसित किया है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

(एआई) की मदद से व्यक्ति के स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण करके यह अनुमान लगा सकता है कि उसे भविष्य में टाइप 1 डायबिटीज होने का कितना खतरा है। यह दावा किया है ऑस्ट्रेलिया के वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने। यह उपकरण केवल संभावित खतरे की पहचान नहीं करता, बल्कि यह भी बताने में सक्षम है कि मरीज के शरीर पर इलाज का किस प्रकार असर होगा। शोधकर्ताओं ने इस उपकरण में 'डायनेमिक रिस्क स्कोर फॉर क्लीनिकल केयर' (डीआरएस4सी) नामक प्रणाली का इस्तेमाल किया है, जो माइक्रो आरएनए आधारित तकनीक पर काम करती है। इसमें खून से प्राप्त बेहद छोटे आरएनए अंशों के विश्लेषण के ज़रिए यह पता लगाया जाता है कि व्यक्ति में टाइप 1 डायबिटीज विकसित होने की कितनी संभावना है। जानकारी के मुताबिक, यह उपकरण विशेष रूप से बच्चों के लिए उपयोगी हो सकता है, क्योंकि उनमें यह बीमारी तेजी से फैलती है और जीवन प्रत्याशा को औसतन 16 साल तक घटा सकती है। ऐसे में समय रहते खतरे की पहचान होने पर इलाज जल्द शुरू किया जा सकता है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने गोली मारकर और जलाकर की 100 लोगों की हत्या

अबुजा, 15 जून (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश नाइजीरिया के एक गांव में बंदूकधारियों ने भयावह हमले करते हुए 100 से ज्यादा लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी है।

बंदूकधारियों ने बेन्यू राज्य के येलेवाटा गांव में इस घटना को अंजाम दिया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल नाइजीरिया ने इसकी पुष्टि की है।

शुक्रवार देर रात गांव में पहुंचे बंदूकधारी शनिवार सुबह तक लोगों को ढूंढ-ढूंढकर उनकी हत्या करते रहे। इससे पूरा गांव किसी खुले कब्रिस्तान में बदल गया, जहां चारों ओर लाशें बिखरी थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, येलेवाटा में हुए इस भीषण हमले के बाद कई लोग लापता हैं। उनके या तो बच निकलने या फिर अपहरण किए जाने की आशंका है। वहीं दर्जनों लोग घायल हैं। इनको उचित चिकित्सा देखभाल भी नहीं मिल पा रही है। बेन्यू राज्य में हालिया समय में इस तरह के नरसंहार के मामले लगातार देखे गए हैं। मुस्लिम और ईसाई आबादी वाले देश नाइजीरिया में बढ़ते हमलों को लेकर एमनेस्टी इंटरनेशनल ने चिंता जताई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है, हमलावरों ने कई परिवारों को उनके घरों में बंद कर जिंदा जला दिया। ये जुल्म की इंतहा है। हम बेन्यू राज्य में हमलों के खतरनाक बढने का दस्तावेजीकरण कर रहे हैं, जहां बंदूकधारी बिना किसी डर के लोगों को मार रहे हैं।

उसने कहा, ये हमले बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन रहे हैं। इस तरह की हिंसा से वहां की खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है क्योंकि ज्यादातर पीड़ित किसान हैं।

नाइजीरिया का बेन्यू राज्य देश के मध्य में है। इस क्षेत्र में लंबे समय से हरीभरी जमीन की तलाश करने वाले चरवाहों और खेती करने वाले किसानों के बीच हिंसा होती रहती है।

भूमि के विवाद अक्सर बढ़ते हुए जातीय और धार्मिक तनाव का कारण बन जाते हैं।

इन हमलों के लिए अधिकतर फुलानी चरवाहों को दोषी ठहराया जाता है। ये पारंपरिक खेती वाले इलाकों में मवेशियों को चरवाते हैं। किसान इनपर खेतों को नष्ट करने का आरोप लगाते हैं।इस क्षेत्र में पिछले महीने भी संदिग्ध चरवाहों ने ग्वेर पश्चिम जिले में कम से कम 42 लोगों की हत्या कर दी थी।

एसबीएम इंटेलिजेंस के अनुसार, 2019 से इस तरह की झड़पों में 500 से अधिक लोग मारे गए हैं और करीब 22 लाख लोग अपने घरों से भागने को मजबूर हुए हैं।

नाइजीरियाई सरकार ने बेन्यू राज्य में शांति स्थापित करने के लिए कई प्रयास किए हैं, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली है।

पुतिन ने की इजराइल-ईरान युद्ध रोकने की मांग, ट्रंप से भी हुई चर्चा

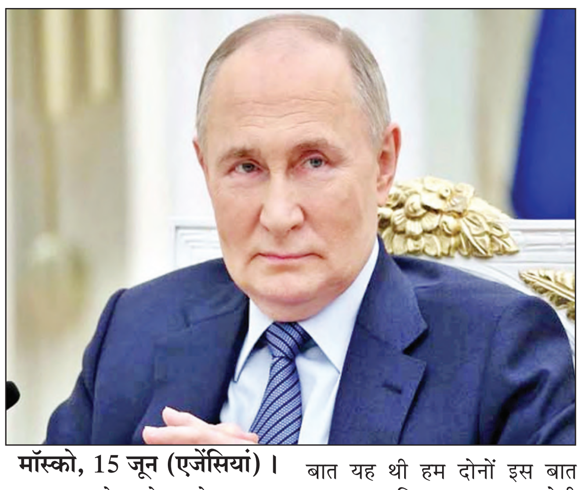

मॉस्को, 15 जून (एजेंसियां)। मध्यस्थ देश ओमान ने इस बात की पुष्टि की है कि अमेरिका और ईरान के बीच इस सप्ताह के अंत में प्रस्तावित छठे दौर की परमाणु वार्ता को रद्द कर दिया गया है। वहीं, ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीयर स्टारमर और ट्रंप दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि संकट का समाधान कूटनीति और संवाद के माध्यम से किया जाना चाहिए। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन पर बातचीत कर इस बात पर सहमति जताई कि यह युद्ध अब समाप्त होना चाहिए। ट्रंप ने यह जानकारी शनिवार को ट्रुथ सोशल पर दी और बताया कि पुतिन ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देने के साथ-साथ ईरान-इजरायल संकट पर लंबी बातचीत की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, पुतिन ने मुझे फोन किया, उन्होंने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। लेकिन इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी हम दोनों इस बात सहमत हुए कि यह युद्ध खत्म होनी चाहिए। आपको बता दें कि रूसी राष्ट्रपति खुद युक्रेन के खिलाफ करीब तीन वर्षों से युद्ध लड़ रहे हैं। भारत और अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों ने उनसे युद्ध समाप्त करने की अपील की है।इजरायल ने अपनी सैन्य कार्रवाई के तहत ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिनमें ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी और सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी की मौत हो गई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन हमलों को ईरानी परमाणु खतरे को पीछे धकेलने की कार्रवाई बताया और दावा किया कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम इस स्तर पर पहुंच चुका था कि वहां से वापस नहीं आया जा सकता था। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश बलपूर्वक जवाब देगा और इसके बाद ईरान ने तेल अवीव सहित कई ठिकानों पर मिसाइल हमले किए।

मिनेसोटा में 'नो किंग्स' रैलियां रद्द, दो विधायकों पर हमले के बाद प्रशासन सतर्क

मिनेसोटा में 'नो किंग्स' आंदोलन के तहत शनिवार को होने वाली सभी रैलियां उस वक्त रद्द कर दी गईं जब दो डेमोक्रेटिक सांसदों और उनके जीवनसाथियों पर जानलेवा हमला हुआ। राज्य पुलिस की ओर से सुरक्षा कारणों से लोगों से प्रदर्शन में शामिल न होने की अपील की गई थी। राज्य पेट्रोल की कर्नल क्रिस्टिना बोगोयेविक ने कहा कि अत्यधिक सतर्कता के दृष्टिकोण से लोगों को रैलियों से दूर रहने की सलाह दी गई। राजनीतिक हिंसा की आशंका के चलते आयोजकों ने लिया फैसला उन्होंने बताया कि भले ही पुलिस के पास इस बात के कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हैं कि प्रदर्शन लक्षित हो सकते हैं, लेकिन संदिग्ध की कार से 'नो किंग्स' से जुड़े फ्लायर बरामद हुए हैं। शनिवार तड़के ब्रुकलिन पार्क स्थित अपने घर में मिनेसोटा की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं, एक अन्य राज्य सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी पर भी चैंपलिन स्थित उनके घर में गोलियां चलाई गईं, जिससे वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने इन घटनाओं को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। 'नो किंग्स' अभियान के आयोजकों ने राज्यभर में प्रस्तावित सभी प्रदर्शन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पुलिस की सिफारिश और आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

दुबई की गगनचुंबी इमारत टाइगर टॉवर में लगी भीषण आग करीब 4 हजार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

दुबई, 15 जून (एजेंसियां)।

दुबई के मरीना क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध टाइगर टॉवर (मरीना पिनेकल) में देर रात भीषण आग लग गई। घटना के वक्त इमारत में लगभग 4,000 लोग मौजूद थे। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से 3,800 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और एक बड़े हादसे को टाल दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें अचानक ऊपरी मंजिलों तक फैल गईं। दमकल विभाग, रेस्क्यू टीम और पुलिस ने मिलकर रातभर बचाव और कूलिंग ऑपरेशन चलाया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि आग देर रात टाइगर टॉवर की ऊपरी मंजिलों पर लगी थी। इस बीच प्रशासनिक अमले ने तत्परता दिखाते हुए करीब 3,800 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। बताया जा रहा है कि कूलिंग ऑपरेशन अभी भी जारी है। आग लगने के कारणों की जांच चल रही है। पूरी स्थिति नियंत्रण में है।

प्रशासन की तत्परता ने बचाई जानें - दुबई सिविल डिफेंस विभाग की तत्परता और समन्वय से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। टॉवर से सटे इलाकों को भी एहतियातन खाली कराया गया। स्थानीय पुलिस और अधिकारी स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

तीसरी बड़ी आग की घटना - पिछले दो वर्षों में दुबई की गगनचुंबी इमारतों में आग की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 2023 और 2024 में भी मरीना और डाउनटाउन क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। फिलहाल, अग्निकांड की वजह और नुकसान के सही आंकलन के लिए प्रशासन की टीम जांच में जुटी है। टाइगर टॉवर के निवासियों को फिलहाल पास के होटलों और राहत केंद्रों में ठहराया गया है।

इजरायइल-ईरान युद्ध पर 2 खेमों में बंटी दुनिया, किस की तरफ है भारत

वॉशिंगटन, 15 जून (एजेंसियां)। इजरायल और ईरान के बीच चल रहे मौजूदा संघर्ष को लेकर पूरी दुनिया दो धड़ों में बंट गई है। इजरायल का दावा है कि उसकी यह कार्रवाई दुनिया के अस्तित्व को बचाने के लिए है। ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है और इसे रोकना जरूरी था। इजरायल की कार्रवाई पर अमेरिका, फ्रांस, यूके, जर्मनी और इटली जैसे देश खुलकर उसके समर्थन में हैं, वहीं चीन, यमन, इराक विरोध में हैं। वहीं, भारत ने शनिवार को कहा कि उसने इजरायल-ईरान के संघर्ष पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बयान पर चर्चा में भाग नहीं लिया। इस दौरान भारत ने तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने अपने बयान में कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को अपने ईरानी समकक्ष के साथ इस मामले पर चर्चा की और घटनाक्रम पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की गहरी चिंता से अवगत कराया। एमईए ने कहा, एससीओ ने 13

जून को इजरायल और ईरान के बीच हाल के घटनाक्रमों पर बयान जारी किया। इसमें संगठन ने ईरान पर हमले के लिए इजरायल की निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि हम आग्रह करते हैं कि बातचीत और कूटनीति के माध्यमों का उपयोग तनाव कम करने की दिशा में काम करने के लिए किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की स्थिति से अन्य एससीओ सदस्यों को अवगत करा दिया गया है। दरअसल, ईरान एससीओ का सदस्य है। बयान में कहा गया कि एससीओ सदस्य देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी स्थिति का शांतिपूर्ण, राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से समाधान करने की दृढ़ता से वकालत करते हैं। इसमें इजरायल के हमले की निंदा करने के लिए आग्रह किया गया था। हालांकि, भारत ने अब इस पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।

इटली: इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने बातचीत का आह्वान किया है। बयान में कहा कि तजानी ने ईरान से इजरायल के साथ संघर्ष में सैन्य वृद्धि से बचने का आह्वान किया, जो पूरे क्षेत्र के लिए बेहद खतरनाक होगा।

पाकिस्तान: पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स पर लिखा है कि ईरान पर अनुचित इजरायली हमलों की कड़ी निंदा करता हूं। पाकिस्तान ईरान की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है।

तुर्किये: इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हवाई हमला दिखाता है कि इजरायल नहीं चाहता कि मुद्दों को कूटनीतिक तरीकों से सुलझाया जाए।

फ्रांस: फ्रांस ने सभी पक्षों से आगे की स्थिति को और खराब करने से बचने का आग्रह किया है। विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने एक्स पर पोस्ट किया कि पेरिस ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को लेकर चिंता में है और इजरायल के साथ है।

कतर: कतर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजरायली उल्लंघनों को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार कतर इजरायली हमले की कड़ी निंदा करता है और इसे ईरान की संप्रभुता व सुरक्षा का घोर उल्लंघन मानता है।

यूके: ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टारमर ने कहा कि ईरान पर इजरायल के हमले चिंताजनक हैं और सभी पक्षों को पीछे हटकर तनाव कम करने की जरूरत है।

चीन: विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने चीन इस अभियान के गंभीर परिणामों को लेकर बहुत चिंतित है। बीजिंग करीबी नजर रख रहा है और ईरान की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने वाली कार्रवाइयों का विरोध करता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन जा रहे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जल्द ही चीन का दौरा करेंगे, इस दौरान शंघाई सहयोग संगठन यानी (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। हाल के दिनों में भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार कोशिशें जारी हैं। हालांकि, एलएसी पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव अभी भी कम नहीं हुआ है। ऐसे में राजनाथ सिंह का ये दौरा अहम माना जा रहा। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी शामिल होंगे। चर्चा ये भी है कि क्या राजनाथ सिंह की पाकिस्तान के रक्षामंत्री से भी कोई बात होगी, देखना दिलचस्प होगा।

राजनाथ सिंह 24-25 जून को एससीओ की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस दौरान उनकी चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जून के साथ द्विपक्षीय वार्ता की भी संभावना है। रक्षा मंत्री के तौर पर राजनाथ

सिंह का यह पहला चीन दौरा होगा। एक अधिकारी ने बताया कि अभी फाइनल प्लानिंग पर काम किया जा रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी एससीओ की बैठक में भाग लेंगे। यह बैठक भारत और पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई के बीच हुई सैन्य झड़प के बाद हो रही है।

भारत और पाकिस्तान दोनों 2017 में एससीओ के पूर्ण सदस्य बने थे। इस संगठन में रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस भी शामिल हैं। चीन के साथ 3488 किलोमीटर लंबी एलएसी पर अभी भी तनाव कम नहीं हुआ है। पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक में पिछले साल अक्टूबर में सैनिकों के पीछे हटने के बाद भी स्थिति सामान्य नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन एलएसी पर अपनी सैन्य स्थिति और बुनियादी ढांचे को लगातार मजबूत कर रहा है। पी एल ए के सैनिक भारी हथियारों के साथ बड़ी संख्या में तैनात हैं। पाकिस्तान और चीन के बीच गहरी सैन्य दोस्ती ऑपरेशन सिंदूर के दौरान साफ दिखाई दी। पाकिस्तान ने भारत के साथ लड़ाई में कई चीनी हथियारों का इस्तेमाल किया। इनमें जे-10 लड़ाकू विमानों से लेकर पी एल -15 मिसाइलें और एचक्यू-9 एयर डिफेंस मिसाइल बैटरी शामिल थीं।

पाकिस्तान चीन से कम से कम 40 जे -35ए पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ जेट और एचक्यू-19 लंबी दूरी की एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम भी खरीदने वाला है। भारत और चीन के बीच संबंध सुधारने की कोशिशें जारी हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि एलएसी पर शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा था कि दोनों देशों को एक-दूसरे की चिंताओं का सम्मान करना चाहिए।

हालांकि, एलएसी पर स्थिति अभी भी सामान्य नहीं है। ऐसे में राजनाथ सिंह का चीन दौरा महत्वपूर्ण है। इस दौरान वह चीनी रक्षा मंत्री के साथ बातचीत कर सकते हैं और एलएसी पर तनाव कम करने के उपायों पर चर्चा कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच एलएसी पर शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है। इससे ही दोनों देशों के बीच विश्वास का माहौल बन सकता है। पाकिस्तान का इस बैठक में शामिल होना भी महत्वपूर्ण है।

ईरान-इजराइल टकराव तेज़

दोनों देशों ने एक-दूसरे पर मिसाइलें दागीं, ईरान में कश्मीरी छात्र घायल

तेहरान/तेल अवीव, 15 जून (एजेंसियां)।

ईरान और इजराइल के बीच चल रहे तनाव ने शनिवार देर रात हिंसक रूप ले लिया जब दोनों देशों ने एक-दूसरे पर मिसाइल हमले किए। यह झड़प बीते तीन दिनों से लगातार जारी है और अब तक दोनों ओर जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आई डी एफ) ने बयान जारी कर कहा है कि ईरान के हथियार कारखानों और उनसे सटे इलाकों में रह रहे नागरिकों को तुरंत स्थान खाली करने की चेतावनी दी गई है। आई डी एफ के कर्नल अविचाय अद्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि इन ठिकानों के पास रहना ईरानी नागरिकों के लिए खतरे से खाली नहीं है।

इजराइल ने तेहरान और बुशहर में स्थित ऑयल डिपो, गैस रिफाइनरी और अन्य सामरिक ठिकानों पर हमला किया है। इजराइल का दावा है कि उसने तेहरान में ईरान के रक्षा मंत्रालय को भी निशाना बनाया है। इन हमलों में अब तक ईरान के 138 नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें 9 न्यूक्लियर वैज्ञानिक और 20 से अधिक सैन्य कमांडर शामिल हैं। इसके अलावा 350 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

इजराइल ने रविवार दोपहर तेहरान स्थित हुजत दोस्त अली हॉस्टल को भी निशाना बनाया, जिसमें कुछ कश्मीरी छात्र घायल हुए हैं। घायल छात्रों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

जवाबी कार्रवाई में ईरान ने इजराइल पर 150 से अधिक मिसाइलें दागी हैं। इन हमलों में अब तक 14 इजराइली नागरिकों की मौत हो चुकी है और लगभग 380 लोग घायल हुए हैं। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई उसके सैन्य ठिकानों पर हुए इजराइली हमलों के जवाब में की गई है।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए दोनों देशों की सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और संयुक्त राष्ट्र समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने तत्काल संयम बरतने और बातचीत के माध्यम से तनाव कम करने की अपील की है।

क्षेत्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह संघर्ष जल्द नहीं रुका, तो इससे पूरे पश्चिम एशिया में अस्थिरता फैल सकती है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। भारत सरकार और अन्य देशों ने अपने नागरिकों को ईरान और इजराइल की यात्रा न करने की सलाह दी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

ब्रिटिश फाइटर जेट की तिरुवनंतपुरम में इमरजेंसी लैंडिंग

तिरुवनंतपुरम, 15 जून (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के रॉयल एयर फोर्स के 'एफ-35 फाइटर जेट' को तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है। शनिवार को हिंद महासागर के ऊपर एक नियमित मिशन के दौरान ईंधन कम होने के चलते इस फाइटर जेट को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हवाई अड्डे और रक्षा सूत्रों के अनुसार, शनिवार रात फिफ्थ-जनरेशन का स्टील्थ एयरक्राफ्ट हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात एक ब्रिटिश एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भर रहा था। इस बीच एयरक्राफ्ट को वापस उतरने में कठिनाई हुई।

पायलट ने कैरियर पर उतरने के कई प्रयास किए, लेकिन खराब समुद्री परिस्थितियों और अशांत हवाओं के कारण यह लैंडिंग के लिए असुरक्षित था। तेजी से घटते फ्यूल लेवल को देखते हुए, पायलट ने इंडियन एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से संपर्क किया, और नजदीकी नागरिक हवाई क्षेत्र में उतरने की आपातकालीन अनुमति मांगी। ऐसे में केरल के दक्षिणी तट पर स्थित तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे को सबसे बेहतर विकल्प माना गया। सूचना मिलने पर, एयरपोर्ट अथॉरिटी ने प्रोटोकॉल के अनुसार तुरंत फुल-स्केल इमरजेंसी की घोषणा की और सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं को सक्रिय किया। मेडिकल यूनिट्स के साथ-साथ फायर और रेस्क्यू टीम को स्टैंडबाय पर रखा गया, जबकि एक रनवे को फाइटर एयरक्राफ्ट के खास उपयोग के लिए खाली कर दिया गया। एफ-35 ने रात करीब 9.30 बजे एयरपोर्ट पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस एयरक्राफ्ट में हथियार नहीं थे। इससे सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं था। इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) और नागरिक उड्डयन अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया, जिन्होंने फ्यूल भरने के साथ सिक्योरिटी क्लीयरेंस सहित ग्राउंड एग्रीमेंट को लेकर कॉर्डिनेट किया।

मथुरा हादसा : एक साथ ढहे 6 मकान, 3 की दर्दनाक मौत

12 लोग अब भी मलबे में दबे

मथुरा, 15 जून (एजेंसियां)।

शहर के गोविंद नगर इलाके में रविवार को एक भयानक हादसा हुआ जिसने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। मिट्टी का टीला ढहने से उस पर बने 6 मकान अचानक भरभराकर गिर गए, जिसमें अब तक 3 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 10 से 12 लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ, जब इलाके में एक बड़े मिट्टी के टीले पर बने मकानों के पास जेसीबी से खुदाई की जा रही थी। खुदाई के दौरान मिट्टी की सतह अचानक धंस गई, जिससे पूरा टीला अस्थिर हो गया और एक के बाद एक 6 मकान ढहकर मलबे में तब्दील हो गए।

स्थानीय निवासी श्याम लाल वर्मा ने मीडिया वालों को बताया, हम सोच भी नहीं सकते थे कि यह हादसा इतना भयानक होगा। अचानक ज़मीन कांपी, मकान गिरने की तेज़ आवाज़ आई और धूल का गुबार चारों तरफ छा गया। कुछ लोग सोचने लगे कि शायद भूकंप आ गया है। भागने का भी मौका नहीं मिला।

तीन की मौत, जिनमें दो मासूम बहनें भी शामिल

अब तक मलबे से तीन शव निकाले जा चुके हैं। मृतकों की पहचान इस प्रकार हुई है। तोताराम (38 वर्ष), यशोदा (6 वर्ष), काव्या (3 वर्ष)। यशोदा और काव्या सगी बहनें थीं और हादसे के समय अपने घर में खेल रही थीं।

जैसे ही हादसे की सूचना मिली, मौके पर पुलिस, नगर निगम, प्रशासन, एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमें तत्काल पहुँच गईं। जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम तेजी से चल रहा है। मौके पर एम्बुलेंस और मेडिकल टीमें भी तैनात हैं।

ए डी एम सिटी मथुरा ने बताया : हमारी प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना है। हम सभी संसाधनों के साथ मौके पर मौजूद हैं। स्थानीय लोगों की भी मदद ली जा रही है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि जिस टीले पर ये मकान बने थे, वहां स्थानीय भू-माफिया द्वारा अवैध निर्माण कराया गया था।

जेसीबी से की जा रही खुदाई भी कथित रूप से अनधिकृत थी, जिसके कारण मिट्टी खिसकने की घटना हुई।

यह हादसा नहीं, प्रशासन की लापरवाही और अवैध निर्माण का परिणाम है। पहले भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

प्रशासन ने अब तक 4 लोगों को जीवित मलबे से बाहर निकाल लिया है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं 10 से 12 लोग अब भी दबे होने की आशंका जताई जा रही है। रेस्क्यू टीमों को उम्मीद है कि और लोगों को सुरक्षित निकाला जा सकता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रशासन को निर्देश दिया है कि प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत दी जाए। घायलों का समुचित इलाज सुनिश्चित किया जाए। घटना की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

फिर हुई आतंकी घुसपैठ की कोशिश नाकाम

जम्मू, 15 जून (ब्यूरो)।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान करारी मात खाने के बावजूद पाकिस्तान की तरफ से राजौरी जिला के केरी सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ का प्रयास किया गया, जिसे सतर्क जवानों ने विफल कर दिया। इसके बाद एलओसी पर सतर्कता बढ़ाते हुए सेना ने बड़ा तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद एलओसी पर घुसपैठ का यह पहला दुस्साहस है।

केरी सेक्टर में देर रात एलओसी पर तैनात सेना के जवानों ने कुछ हलचल देखी।

घुसपैठ की आशंका को देखते हुए जवान सतर्क हो गए और उन्होंने आसपास की चौकियों पर तैनात जवानों को भी अलर्ट कर दिया।

बताया जा रहा है कि आतंकियों का एक दल एलओसी पार करने का प्रयास कर रहा था। जवानों ने आतंकियों को ललकारा तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने भी इसका करारा जवाब दिया। इसके बाद आतंकी वापस भाग गए।

दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को सीमावर्ती पुंछ जिले में कई जगहों पर आतंकवाद विरोधी छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि सौजियां और आसपास के इलाकों में आठ जगहों पर छापेमारी चल रही है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त करने और पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा भोले-भाले युवाओं को विध्वंसक गतिविधियों के लिए प्रेरित करने के लिए अपने संपर्कों का इस्तेमाल करने के प्रयासों को विफल करने के लिए एक साथ छापेमारी की। इस महीने की शुरुआत में पुलिस ने सीमावर्ती इलाकों में पांच दर्जन से अधिक जगहों पर इसी तरह की छापेमारी की थी।

कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर रवाना हुआ पहला जत्था

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं को दी गई विदाई

गाजियाबाद, 15 जून (ब्यूरो)।

पांच वर्षों के बाद एक बार फिर उत्तर प्रदेश से कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा का शुभारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की सनातन परंपराओं को सहेजते हुए रविवार को इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को भव्य आयोजन के बीच रवाना किया गया। इस जत्थे में दो लाइजनिंग अधिकारियों सहित कुल 39 यात्री शामिल हैं। शुरुआत में 46 यात्रियों का पंजीयन किया गया था, किंतु कुछ स्वास्थ्य कारणों से कुछ यात्री शामिल नहीं हो सके।

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री माननीय जयवीर सिंह ने सांसद अतुल गर्ग, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, आचार्य प्रमोद कृष्णम, प्रमुख सचिव धर्मार्थ कार्य एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम, जिलाधिकारी दीपक मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बस को हरी झंडी दिखाकर तीर्थयात्रियों को विदा किया।

कैलाश यात्रा की रवानगी के अवसर पर विशेष शैव आराधना का आयोजन हुआ, जिसमें डमरू, मृदंग, तुरही, ढोलक आदि पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज ने शिवमय वातावरण बना दिया। उपस्थित यात्रियों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साह के साथ हर हर महादेव का जयघोष किया।

मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन संस्कृति को पुनर्स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इसे गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि पांच साल बाद प्रदेश से कैलाश यात्रियों को भेजा जा रहा है। यह योगी सरकार की धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सांसद अतुल गर्ग ने यात्रियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं, जबकि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी विधानसभा में स्थित कैलाश भवन से यात्रा की शुरुआत होना गौरव की बात है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि मोदी-योगी युग में सनातनियों में नवचेतना का संचार हुआ है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम, निदेशक धर्मार्थ कार्य संजय सिंह, उत्तर प्रदेश पर्यटन निगम की एमडी सुश्री सान्या छाबड़ा, श्री काशी धाम मंदिर न्यास के सीईओ विश्व भूषण मिश्र सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से सभी कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रियों को विशेष उपहार देने की घोषणा की गई है। मंदिर न्यास के सीईओ एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि सभी यात्रियों को लौटने पर एक विशेष रुद्राक्ष माला और सुगम दर्शन के लिए क्यूआर कोड युक्त कार्ड भेंट किया जाएगा। यह कार्ड एक वर्ष तक वैध रहेगा और इसके जरिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन हेतु तीर्थयात्रियों व उनके चार परिजनों को प्राथमिकता मिलेगी। हालांकि, विशेष पर्वों जैसे महाशिवरात्रि, सावन सोमवार, रंगभरी एकादशी आदि पर यह सुविधा मान्य नहीं होगी। यह योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सनातन उत्थान और श्रद्धालु सुविधा के उद्देश्य से प्रेरित है, जिससे अन्य राज्यों से आने वाले तीर्थ यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। इस घोषणा से तीर्थयात्रियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया और सभी ने हर हर महादेव के उद्घोष से आभार प्रकट किया। ज्ञातव्य है कि माननीय मुख्यमंत्री योगी जी द्वारा उत्तर प्रदेश निवासी कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रियों को तीर्थ यात्रा में रुपए 1 लाख की सहयोग राशि प्रदान की जा रही है

यूपी की वार्षिक वन्यजीव गणना का काम पूरा, जल्द आएगी रिपोर्ट

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)।

वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव विहारों और इनके बफर क्षेत्र में वार्षिक वन्य जीव गणना समपन्न हो गई है। वार्षिक वन्य जीव गणना का परिणाम इस माह के ही अंत तक जारी किया जाएगा। ये वन्य जीव गणना 26 मई से शुरू होकर 14 जून को सम्पन्न हुई है।

इस वर्ष वन्य जीव गणना में विशेष रूप से बारहसिंघा, काला हिरण, चिंकारा, गैंडा, घड़ियाल के साथ भालू और तेंदुए की भी गणना की जा रही है। इसके साथ ही अन्य शाकाहारी जीवों हिरण, सांभर, चीतल, नीलगाय, पाड़ा, बंदर और लंगूर की भी गणना कराई गई है। प्रदेश में वन्य जीव गणना का कार्य मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक के निर्देशन में सभी मण्डल के मुख्य संरक्षकों के सुपरविजन में कराया गया है।

उत्तर प्रदेश वन एवं वन्य जीव विभाग प्रतिवर्ष प्रदेश के सभी राष्ट्रीय उद्यानों, वन्य जीव विहारों और इनके बफर क्षेत्र में वन्य जीवों की गणना करवाता है। वन्य जीव गणना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में वन्य जीवों की संख्या और स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी प्राप्त करना है। जिसके आधार पर आगामी वर्षों में वन्य जीवों के संरक्षण के लिए व्यापक योजनाओं का निर्माण किया जाता है। वन्य जीव गणना के संबंध में बताते हुए प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनुराधा वेमुरी ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश में वन्य जीवों की गणना का कार्य 26 मई 2025 से शुरू हुआ था जो कि 14 जून 2025 को सम्पन्न हुआ है। इस गणना का परिणाम इस माह के ही अंत तक जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी मण्डलों के मुख्य वन संरक्षकों के पास से उनके जोनों की गणना रिपोर्ट संकलित की जा चुकी है।

विभाग के संबंधित अधिकारी इन रिपोर्टों का वैज्ञानिक विधि से विश्लेषण कर फाइनल रिपोर्ट पेश करेंगे।

प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा इस वर्ष वन्य जीव गणना में विशेष रूप से बारहसिंघा, काला हिरण, चिंकारा, गैंडा, घड़ियाल के साथ भालू और तेंदुए की भी गणना कराई गई है। इसके साथ ही अन्य शाकाहारी जीवों हिरण, सांभर, चीतल,नीलगाय,पाड़ा, बंदर और लंगूर की भी गणना कराई गई है। प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि वन्य जीव गणना का कार्य मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी मंडलों के मुख्य वन संरक्षकों के सुपरविजन में सम्पन्न हुआ है। उन्होंने बताया कि वन्य जीव गणना के लिए वन्य जीव कर्मियों के साथ स्थानीय प्रशिक्षित युवकों की मदद से बनाई गई प्रगणक टीमों द्वारा करवाया गया। प्रदेश व्यापी गणना कार्य 26 मई, 02 जून और 09 जून को तीन बार कराया गया। इन तीन प्रगणकों के औसत की गणना 16 जून तक सभी क्षेत्रीय वन अधिकारियों द्वारा अपने प्रभागीय वन अधिकारियों को भेजी जाएगी। जिनके वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर वन्य जीवों की वास्तविक संख्या जारी की जाएगी।

सशक्त अभिनय और जादुई पार्श्वगायन से सिने प्रेमियों को दिवाना बनाया सुरैया ने

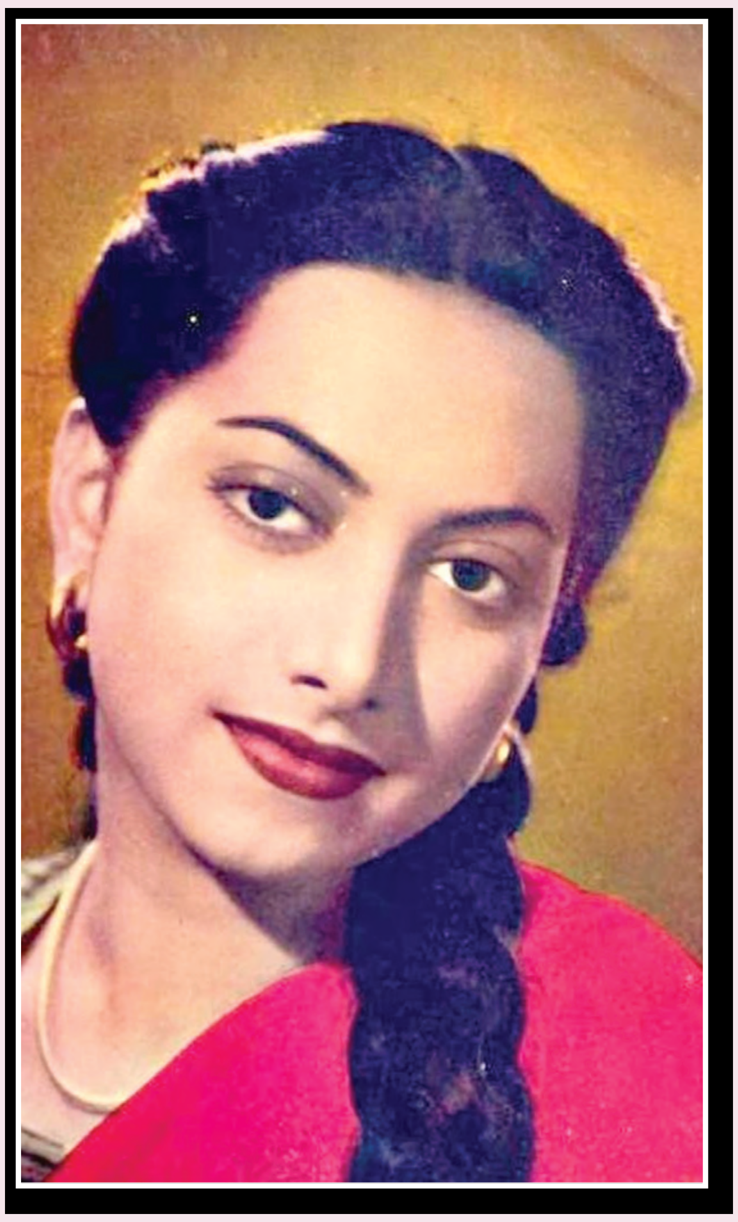

बॉलीवुड में सुरैया को ऐसी गायिका-अभिनेत्री के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने अपने सशक्त अभिनय और जादुई पार्श्वगायन से सिने प्रेमियों को अपना दीवाना बनाया। 15 जून 1929 को पंजाब के गुजरांवाला शहर में एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मी सुरैया का रूझान बचपन से ही संगीत की ओर था और वह पार्श्वगायिका बनना चाहती थी। हालांकि उन्होंने किसी उस्ताद से संगीत की शिक्षा नहीं ली थी लेकिन संगीत पर उनकी अच्छी पकड़ थी। सुरैया अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। सुरैया ने प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के न्यू गर्लस हाई स्कूल से पूरी की । इसके साथ ही वह घर पर ही कुरान और फारसी की शिक्षा भी लिया करती थी। बतौर बाल कलाकार वर्ष 1937 में उनकी पहली फिल्म ..उसने सोचा था..प्रदर्शित हुई। सुरैया को अपना सबसे पहला बड़ा काम अपने चाचा जहूर की मदद से मिला जो उन दिनों फिल्म इंडस्ट्री में बतौर खलनायक अपनी पहचान बना चुके थे।वर्ष 1941 में स्कूल की छुटियों के दौरान एक बार सुरैया मोहन स्टूडियो में फिल्म ..ताजमहल.. की शूटिंग देखने गई। वहां उनकी मुलाकात फिल्म के निर्देशक नानु भाई वकील से हुई, जिन्हें सुरैया में फिल्म इंडस्ट्री का एक उभरता हुआ सितारा दिखाई दिया । उन्होंने सुरैया को फिल्म के किरदार..मुमताज महल के लिये चुन लिया। आकाशवाणी के एक कार्यक्रम के दौरान संगीत सम्राट नौशाद ने ज सुरैया को गाते सुना तब वह उनके गाने के अंदाज से काफी प्रभावित हुए। नौशाद के संगीत निर्देशन में पहली बार कारदार साह की फिल्म... शारदा .. में सुरैया को गाने का मौका मिला।

इस बीच सुरैया को वर्ष 1946 मे महबू खान की ..अनमोल घड़ी ..में भी काम करने का मौका मिला। हांलाकि सुरैया इस फिल्म मे सह अभिनेत्री थी लेकिन फिल्म के एक गाने .. सोचा था क्या क्या हो गया .. से वह बतौर पार्श्वगायिका श्रोताओं के बीच अपनी पहचान बनाने में काफी हद तक सफल रही। इस बीच निर्माता जयंत देसाई की फिल्म ..चंद्रगुप्त ..के एक गाने के रिहर्सल के दौरान सुरैया को देखकर के.एल.सहगल काफी प्रभावित हुये और उन्होंने जयंत देसाई से सुरैया को फिल्म ..तदबीर ..में काम देने की सिफाशि की। वर्ष 1945 मे प्रदर्शित फिल्म ..तदबीर में के .एल. सहगल के साथ काम करने के बाद धीरे धीरे उनकी पहचान फिल्म इंडस्ट्री में बनती गयी।वर्ष 1949-50 मे सुरैया के सिने कैरियर मे अभूतपूर्व परिवर्तन आया। वह अपनी प्रतिद्वंदी अभिनेत्री नरगिस और कामिनी कौशल से भी आगे निकल गयी । इसका मुख्य कारण यह था कि सुरैया अभिनय के साथ साथ गाने भी गाती थी। प्यार की

जीत.बड़ी बहन और दिल्लगी 1950 जैसी फिल्मों की कामयाबी के बाद सुरैया शोहरत की बुलंदियो पर जा पहुंची ।

सुरैया के सिने कैरियर मे उनकी जोड़ी फिल्म अभिनेता देवानंद के साथ खूब जमी। सुरैया और देवानंद की जोड़ी वाली फिल्मों में विद्या जीत, शायर, अफसर, नीली और दो सितारे जैसी फिल्में शामिल हैं। वर्ष 1950 में प्रदर्शित फिल्म अफसर के निर्माण के दौरान देवानंद का झुकाव सुरैया की ओर हो गया था। एक गाने की शूटिंग के दौरान देवानंद और सुरैया की नाव पानी में पलट गई। देवानंद ने सुरैया को डूबने से बचाया। इसके बाद सुरैया देवानंद से बेइंतहा मोहब्बत करने लगी लेकिन सुरैया की नानी की इजाजत न मिलने पर यह जोड़ी परवान नहीं चढ़ सकी।वर्ष 1954 मे देवानंद ने उस जमाने की मशहूर अभिनेत्री कल्पना कार्तिक से शादी कर ली । इससे आहत सुरैया ने आजीवन कुंवारी रहने का फैसला कर लिया। वर्ष 1950 से लेकर 1953 तक सुरैया के सिने कैरियर के लिए बुरा वक्त साबित हुआ, लेकिन वर्ष 1954 मे प्रदर्शित फिल्म मिर्जा गालिब और वारिस की सफलता से सुरैया एक बार फिर से फिल्म इंडस्ट्री मे अपनी पहचान बनाने में सफल हो गई। फिल्म मिर्जा गालिब को राष्ट्रपति के गोल्ड मेडल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। फिल्म को देख तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू इतने भावुक हो गए कि उन्होंने सुरैया को कहा... तुमने मिर्जा गालिब की रूह को जिंदा कर दिया। वर्ष 1963 मे प्रदर्शित फिल्म रूसतम सोहराब के प्रदर्शन के बाद सुरैया ने खुद को फिल्म इंडस्ट्री से अलग कर लिया। लगभग तीन दशक तक अपनी जादुई आवाज और अभिनय से दर्शको का दिल जीतने वाली सुरैया ने 31 जनवरी 2004 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

मुझे पसंद है आशुतोष का काम, वह हर किरदार को लगन और प्रतिभा के साथ निभाते हैं : रेणुका शहाणे

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता-निर्देशक रेणुका शहाणे नई स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं और इसकी जानकारी उन्होंने खुद दी। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह अभिनेता, पति आशुतोष राणा की फैन हैं। शहाणे का मानना है कि वह लगन के साथ काम करते हैं, जिसे देखकर उन्हें गर्व होता है। रेणुका ने कहा, मैं एक स्क्रिप्ट लिख रही हूं। उम्मीद है, एक दिन मैं कैमरे के पीछे और आशुतोष उसके सामने होंगे। रेणुका ने हालिया फिल्म 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में आशुतोष के निभाए किरदार की तारीफ की। राणा ने चंद बरदाई की भूमिका निभाई थी।

रेणुका ने उनकी एक्टिंग को सराहते हुए कहा, मुझे आशुतोष का काम पसंद है। वह एक गजब के अभिनेता और व्यक्तित्व हैं। वह हर किरदार को पूरी लगन और प्रतिभा के साथ निभाते हैं। मुझे उनकी एक्टिंग देखना हमेशा अच्छा लगता है। उनकी पत्नी होने के नाते मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं।

उन्होंने कहा कि 'चंद बरदाई' का किरदार एक कथावाचक की तरह है, जो कहानी का हिस्सा होने के बजाय उसे बयां करता है। रेणुका को उनका लुक और अभिनय बहुत पसंद आया। आशुतोष ने भी एक हालिया इंटरव्यू में बताया था कि वह रेणुका के साथ ऑन-स्क्रीन काम करना चाहते हैं, लेकिन खास तौर पर उनके निर्देशन में।

'संघर्ष' फेम अभिनेता ने कहा था, अब तक लोग हमें केवल पति-पत्नी के रूप में देखते आए हैं। मैं चाहता हूं कि रेणुका मुझे निर्देशित करें, क्योंकि वह एक शानदार अभिनेत्री, लेखिका और निर्देशक हैं। मैं उनके निर्देशन में अभिनय करने के लिए उत्सुक हूं।

रेणुका के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके निर्देशन में तैयार मराठी एनिमेटेड शॉर्ट फिल्म 'लूप लाइन' का न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में 21 जून को प्रीमियर होगा। यह फिल्म पारंपरिक, पितृसत्तात्मक परिवारों में भारतीय गृहिणियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार और उपेक्षा को दिखाती है।

रजनीकांत की कुली में नजर आएंगे आमिर खान, बोले

मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं

सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म कुली में अब आमिर खान भी नजर आएंगे। आमिर ने खुद एक इंटरव्यू में इस बात की पुष्टि की है कि वह फिल्म में कैमियो कर रहे हैं और इसके पीछे की वजह है- रजनीकांत के प्रति उनका जबरदस्त सम्मान और दीवानगी।

आमिर ने दिए इंटरव्यू में जब एक फैन ने आमिर से 'कुली' में उनके कैमियो को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने खुलकर जवाब दिया- मैंने इसे बहुत एन्जॉय किया। मैं रजनी सर का बहुत बड़ा फैन हूं... बेहद बड़ा। जब लोकेश (कनागराज) ने कहा कि यह रजनी सर की फिल्म है और उन्हें मेरे कैमियो की जरूरत है, मैंने कहा- हो गया! स्क्रिप्ट नहीं सुनी, सिर्फ कहा कि जो भी रोल हो, मैं कर रहा हूं।

फिल्म 'कुली' एक तमिल एक्शन-थ्रिलर है जिसका निर्देशन लोकेश कनागराज कर रहे हैं और निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और उनके साथ नजर आएंगे नागार्जुन, श्रुति हासन, सौबिन शाहिर, सत्यराज और उपेंद्र जैसे बेहतरीन कलाकार। स्टारकास्ट की यह शानदार फेहरिस्त फिल्म को और भी खास बना रही है।फिल्म का टीज़र पहले ही दर्शकों के बीच सनसनी मचा चुका है। इसमें रजनीकांत को एक फैक्ट्रीनुमा सेटअप में विलनों से लड़ते हुए दिखाया गया है। टीज़र को खास तौर पर मोनोक्रोम और गोल्ड टोन में दिखाया गया, जो इसकी स्टाइलिंग को अलग बनाता है। दर्शकों ने इस पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। तकनीकी रूप से भी 'कुली' बेहद मजबूत नजर आ रही है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी का जिम्मा गिरीश गंगाधरन ने संभाला है और एडिटिंग फिलोमिन राज द्वारा की जा रही है। यह फिल्म 2025 में दुनियाभर में खच-द और स्टैंडर्ड फॉर्मेट में रिलीज की जाएगी।

हाल ही में आमिर खान ने बताया कि 'सितारे ज़मीन पर' को मिली ठंडी प्रतिक्रिया ने उन्हें भावनात्मक रूप से झकझोर दिया। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने निर्देशक आर.एस. प्रसन्ना से फिल्म के लिए फरहान अख्तर को कास्ट करने की भी सिफारिश की थी।लाल सिंह चड्ढा के बाद मैं डिप्रेशन में चला गया था। वो झटका मेरे लिए बहुत बड़ा था क्योंकि मुझे खुद फिल्म पसंद आई थी। मुझे लगा लोग भी पसंद करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।आमिर खान और रजनीकांत जैसे दो दिग्गजों का एक साथ स्क्रीन पर आना दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। 'कुली' अब और भी ज्यादा चर्चित हो गई है और फिल्म प्रेमियों को इस मेगा प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार रहेगा।

फादर्स डे पर बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों ने शेयर की खूबसूरत यादें

फादर्स डे पर बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने भावुक पोस्ट शेयर किए हैं। रकुल प्रीत, सोहा अली खान और बिपाशा बसु जैसी बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने इंस्टाग्राम के जरिए पिता के साथ बिताए पलों को याद किया है। अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपने दिवंगत पिता मंसूर अली खान पटौदी की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हम आपको बहुत याद करते हैं, हम आपसे बहुत प्यार करते हैं। तस्वीर में अभिनेत्री अपने पिता के साथ नजर आ रही हैं, साथ में ही उन्होंने अपनी बेटी और पिता की तस्वीर भी शेयर की है। सोहा के पिता मंसूर अली खान पटौदी, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पटौदी रियासत के नौवें नवाब भी थे। अभिनेत्री के पिता का निधन 22 सितंबर, 2011 को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में हुआ था।

वहीं रकुल ने अपने पिता और ससुर की क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, पापा, आप मेरा पहला घर हैं, आपने मुझे मजबूत बनना, बड़े सपने देखना और दिल से जीना सिखाया। वहीं आपने मुझे जीवन में बड़ी चुनौतियों का सामना करने में मदद की। जीवन ने मुझे एक और अच्छे पिता (ससुर) का तोहफा दिया, जिन्होंने जीवन का नया अध्याय शुरू करने में मेरी मदद की। हमारी पहली बातचीत से ही, आपने मुझे परिवार जैसा महसूस कराया। मैं आपके प्यार, आपकी बुद्धिमत्ता और जिस तरह से आपने मुझे अपना माना है, उसके लिए बहुत आभारी हूं।

बिपाशा ने भी अपने पिता के साथ तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, हैप्पी फादर्स डे पापा, देवी (बिपाशा की बेटी) अब मुझसे पूछती हैं कि किसके पापा दुनिया के सबसे अच्छे पापा हैं। तस्वीर में अभिनेत्री और उनके पिता कैमरे की तरफ देखते नजर आ रहे हैं।

टीवी सीरियल अभिनेत्री डिंपल झंगियानी ने भी फादर्स डे पर अपने पिता के साथ तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, हैप्पी फादर्स डे उस इंसान को जिसने मुझे मजबूत, दयालु और निडर बनना सिखाया। मैं आपकी बेटी होने के नाते खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं।

बात करें उनके करियर की तो अभिनेत्री ने सोनी एंटरटेनमेंट पर कुछ इस तारा में कन्या की भूमिका निभाने के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। टेलीविजन सीरियल के अलावा डिंपल एक छोटी टेलीफिल्म, तेरी मेरी लव स्टोरीज में भी दिखाई दी थीं।

रणदीप हुड्डा को याद आया पापा का त्याग, बोले

मेरी फिल्म के लिए बेच दी थी प्रॉपर्टी

फादर्स डे के मौके पर बात करते हुए बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने बताया कि जब वह काफी बीमार थे और पैसों की तंगी से जूझ रहे थे, तो उस समय उनके पापा डॉ रणबीर हुड्डा ने भरपूर साथ दिया था। उनका हौसला बढ़ाया और उस कठिन दौर से बाहर निकलने में मदद की। रणदीप हुड्डा ने एक इंटरव्यू में बताया, ''एक समय ऐसा था जब मैं मेलबर्न में पढ़ाई ठीक से नहीं कर पा रहा था। उसी समय मेरे मन में एक्टर बनने का ख्याल आया। मेरे पापा ने पहले ही कह दिया था- 'अगर तुम ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई करके अपनी जिंदगी बिगाड़ रहे हो, तो बेहतर है कि वापस आ जाओ।' यहीं से एक्टिंग करियर की बात शुरू हुई।

शुरुआत में मेरे पापा ने मुझे एक्टिंग में जाने से बहुत रोका, जो आमतौर पर सभी के मां-बाप करते हैं, खासकर वो, जो फिल्म इंडस्ट्री से नहीं हैं। लेकिन जब पापा ने देखा कि मेरे अंदर एक्टिंग के प्रति कितना जुनून है, तो वह मेरे सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम बन गए। उन्होंने मुझे सलाह दी कि किसी पर निर्भर रहने के बजाय, खुद एक्टिंग की सही ट्रेनिंग लेकर स्किल्स सीखो।''

रणदीप हुड्डा ने आगे बताया कि जब वह फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' बना रहे थे, जिसमें वह न केवल एक्टिंग कर रहे थे, बल्कि खुद ही इसे डायरेक्ट और प्रोड्यूस भी कर रहे थे, तब उनके साथ एक हादसा हुआ। उस हादसे के बाद उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई। उस वक्त उन्हें सेहत और पैसों की बड़ी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। वह एक ऐसे मोड़ पर खड़े थे, जहां उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आगे क्या करें। उस मुश्किल वक्त में फिर से उनके पिता ने उनका साथ दिया।

उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया और रणदीप की मुंबई में मौजूद एक प्रॉपर्टी बेच दी ताकि फिल्म पूरी हो सके। अभिनेता ने इस कदम को अपने जीवन का अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि इस मदद ने उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत और ताकत दी।

सुनील शेट्टी ने फादर्स डे पर अपने 'पहले हीरो' को

फादर्स डे के अवसर पर, सुनील शेट्टी ने अपने दिवंगत पिता वीरप्पा शेट्टी को याद किया। अभिनेता ने उन्हें 'पहले हीरो' का टैग दिया। दिल की बात बेहद कम शब्दों में लिखी। अभिनेता सुनील शेट्टी ने बचपन की एक तस्वीर शेयर करते हुए, कैप्शन में लिखा, कोई बड़ी पोस्ट नहीं। कोई दिखावटी शब्द नहीं। बस दिल से धन्यवाद कहना चाहूंगा उस इंसान को जिसने कभी बदले में कुछ नहीं मांगा। हैप्पी फादर्स डे, मेरे पहले हीरो। पिता को याद करते हुए अभिनेता ने अपने बचपन की एक प्यारी सी झलक दिखाई। बचपन की तस्वीर में अभिनेता अपने पिता की गोद में बैठे

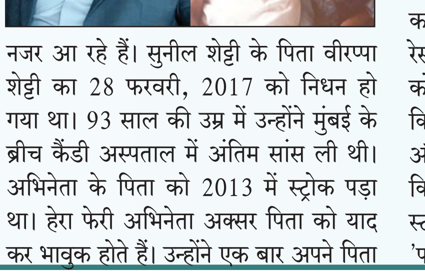

नजर आ रहे हैं। सुनील शेट्टी के पिता वीरप्पा शेट्टी का 28 फरवरी, 2017 को निधन हो गया था। 93 साल की उम्र में उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली थी। अभिनेता के पिता को 2013 में स्ट्रोक पड़ा था। हेरा फेरी अभिनेता अक्सर पिता को याद कर भावुक होते हैं। उन्होंने एक बार अपने पिता वीरप्पा के बारे में बात करते हुए कहा था कि उनके असली हीरो वही हैं। सुनील ने याद किया कि कैसे उनके पिता ने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू किया और लगन से जीवन को संवारा। पिता के शुरुआती संघर्ष को याद करते हुए बताया था कि कैसे उन्होंने एक रेस्टोरेंट में वेटर की नौकरी की और जूठी प्लेट्स को धोने का काम किया। उन्हें यह भी याद है कि कैसे उनके पिता सरसों के बोरे पर सोते थे और दूसरे बोरे को तकिए की तरह इस्तेमाल किया करते थे। अथिया शेट्टी ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में सुनील शेट्टी की फोटो लगाकर 'फादर्स डे' की शुभकामनाएं दीं।

भद्र राजयोग में पांच राशियों पर रहेगा शिवजी का आशीर्वाद, काम धंधे में अच्छी कमाई के योग

सोमवार 16 जून को भद्र राजयोग के प्रभाव और भगवान शिव के आशीर्वाद से मिथुन और तुला सहित 5 राशियों के लिए तरक्की के योग बन रहे हैं। आपकी करियर से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी और कारोबार में बड़ी डील होने की उम्मीद है। आपको अचानक से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है या फिर कहीं से नौकरी का कोई बड़ा ऑफर आपको मिल सकता है। आपका दिन सम्मान और तरक्की से भरा होगा।

मेष राशि– मेष राशि वालों का दिन शुभ है और आपकी वाणी में विशेष मिठास रहेगी जिससे संबंधों में सौहार्द बढ़ेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठों और सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा, जिससे अधूरे कार्यों में तेजी आएगी। आज आप किसी संस्था या प्रतिष्ठान से सम्मानित हो सकते हैं। पुराने मित्रों का साथ मिलेगा और कोई रुका हुआ शुभ समाचार मिलने की संभावना है। संतान से प्रसन्नता मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा परंतु अत्यधिक भागदौड़ से बचें। रात्रि का समय आनंद और आत्मिक संतोष में बीतेगा।

वृषभ राशि –वृषभ राशि दिन अत्यधिक व्यस्तताओं से भरा रहेगा। भागदौड़ के कारण थकान हो सकती है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता आर्थिक दृष्टि से आपको लाभ पहुंचा सकती है। रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी, खासकर जमीन-जायदाद या बैंक से जुड़े मामलों में प्रगति होगी। सामाजिक रूप से आपकी छवि मजबूत होगी। विवाह या मांगलिक आयोजन में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है। शाम के समय मन हल्का होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और आराम भी करें।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के लोगों के लिए दिन वित्तीय दृष्टि से थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अनावश्यक खर्चे बढ़ सकते हैं, विशेषकर विलासिता की वस्तुओं पर। यदि आप किसी रोग से पीड़ित हैं तो तकलीफ थोड़ी बढ़ सकती है। सामाजिक दायरे में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, परंतु अचानक लाभ के योग भी बनेंगे। धर्म-कर्म या आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर झुकाव बढ़ेगा। संतान की ओर से शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है, जिससे घर का माहौल सकारात्मक रहेगा। संगीत, कला या रचनात्मक गतिविधियों में मन लगेगा।

कर्क राशि –कर्क राशि वालों का दिन सौभाग्यदायक रहेगा। भाग्य के साथ के कारण आप जिस भी कार्य में हाथ डालेंगे उसमें सफलता के संकेत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों के लिए प्रमोशन या मान-सम्मान का योग है। व्यापारियों को भी लाभ होगा। पारिवारिक दृष्टि से दिन अच्छा है, माता-पिता से विशेष आशीर्वाद और सहयोग मिलेगा। आप शान-शौकत में खर्च करेंगे, जिससे समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। संतान पक्ष से संतोष मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा परंतु रक्तचाप या पाचन से जुड़ी समस्या को नज़रअंदाज़ न करें। ननिहाल पक्ष से कोई सुखद समाचार मिल सकता है।

सिंह राशि –सिंह राशि के लोगों को थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। मानसिक रूप से थोड़ी अशांति, चिड़चिड़ापन और उदासी महसूस हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अपेक्षित परिणाम न मिलने के कारण मन में असंतोष रहेगा। माता-पिता का सहयोग और मार्गदर्शन राहत देगा। घर या वाहन संबंधी खर्च संभव है। ससुराल पक्ष से संबंधों में थोड़ी तल्खी आ सकती है, अतः वाणी में संयम और मधुरता बनाए रखें। कार्यों में स्थिरता लाने के लिए ध्यान और शांत रहना लाभदायक होगा।

कन्या राशि – कन्या राशि के लोगों को आत्मविश्वास और निर्भीकता से कार्यों को पूरा करेंगे। कठिन से कठिन कार्यों में भी साहसपूर्वक निर्णय लेंगे, जिससे सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। व्यर्थ के खर्चों में बढ़ोतरी होगी, जिससे बजट पर प्रभाव पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी सोच को सराहा जाएगा, लेकिन कुछ लोग आपकी भावना को स्वार्थ समझ सकते हैं। व्यापार में अच्छे लाभ के संकेत हैं। संतान से भी सहयोग और आनंद मिलेगा।

तुला राशि– तुला राशि का दिन शुभ संकेत दे रहा है। आपके अधिकारों और संपत्ति में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आप दूसरों के भले की सोचेंगे और सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे जिससे मान-सम्मान बढ़ेगा। आपके लिए भाग्योदय का संकेत है। आप अपने गुरु, बुजुर्गों और शिक्षकों का सम्मान करें। उनका आशीर्वाद चमत्कारी सिद्ध हो सकता है। नए व्यवसाय या निवेश के लिए दिन शुभ है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं और आपको लाभ होगा।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लोगों के लिए मन थोड़ा अशांत और अस्थिर रह सकता है, जिससे निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। व्यापार में लगे लोग आज उम्मीद के मुताबिक लाभ न मिलने से परेशान हो सकते हैं। दोपहर के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आएगा। यदि कोई वाद-विवाद या कानूनी मामला लंबित है तो उसमें सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। शत्रु पक्ष पर विजय संभव है। आज अनावश्यक बातों में समय न गंवाएं। संतान के व्यवहार से थोड़ा चिंतित हो सकते हैं, परंतु धैर्य रखें, समाधान निकलेगा।

धनु राशि –धनु राशि के लोगों का दिन शिक्षा, ज्ञान और धर्म के क्षेत्र में प्रगति देने वाला रहेगा। यदि आप किसी परीक्षा या साक्षात्कार की तैयारी कर रहे हैं तो सफलता के संकेत हैं। धार्मिक क्रियाकलापों में भागीदारी होगी, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। भाग्य का साथ मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। सामाजिक रूप से सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का भी योग बन रहा है जो लाभकारी होगी। आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी और आपके धन में वृद्धि योग हैं।

मकर राशि – मकर राशि के लोगों का दिन शुभ है और दिन की शुरुआत अच्छे समाचारों से हो सकती है। किसी बहुमूल्य वस्तु या प्रॉपर्टी की प्राप्ति संभव है। वहीं कुछ अनचाहे खर्चे भी सामने आ सकते हैं जिन्हें टालना मुश्किल होगा। व्यवसाय में लाभ की स्थिति बनेगी और रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान-सम्मान मिलेगा। कोई बड़ा निर्णय लेना पड़े तो आत्मविश्वास बनाए रखें। यदि कोई नया निवेश करना हो तो समय अनुकूल है। जीवनसाथी से भी सकारात्मक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा परंतु तनाव से बचें।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के लोगों का दिन सुख से भरा होगा। दिन विवेक और विश्लेषणात्मक सोच में बीतेगा। आप किसी नई खोज या रचनात्मक कार्य में लगे रहेंगे। व्यर्थ खर्चों से बचें और आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। पारिवारिक स्तर पर थोड़ा अविश्वास का वातावरण बन सकता है, अतः संवाद में स्पष्टता रखें। सांसारिक सुख-सुविधाएं उपलब्ध होंगी। दफ्तर में अधीनस्थों और नौकर-चाकरों से सहयोग मिलेगा। संध्या के बाद किसी छोटी यात्रा के योग है, जो लाभकारी साबित होगी। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं।

मीन राशि –मीन राशि के लोगों को करियर में लाभ के योग बने हैं। पारिवारिक मामलों में राहत दिलाने वाली है। लंबे समय से चला आ रहा कोई संतान संबंधी विवाद सुलझ सकता है। आपका व्यवहार इतना सौम्य रहेगा कि आसपास के लोग आपके साथ संबंध बनाने को प्रेरित होंगे। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक दृष्टि से दिन ठीक-ठाक है, परंतु निवेश सोच-समझकर करें। प्रियजनों के साथ हंसी-खुशी और मेल-मिलाप में बीतेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

शनि मीन राशि में होंगे वक्री, इस जातक की चमकेगी किस्मत

शनि देव मीन राशि में 18 जुलाई 2025 से वक्री होकर मेष राशि के द्वादश भाव में गोचर करेंगे। यह भाव मेष राशि के जातकों के आत्मचिंतन, एकांत, विदेशी संबंधों, खर्च और मोक्ष से जुड़ा होता है। इस समय करियर में रुकावटें और भावनात्मक दूरी आपकी धैर्यता की परीक्षा ले सकती हैं। विदेश यात्रा, नींद की समस्याएं और पुराने स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी होगा। यह समय सेवा, संयम और आध्यात्मिक साधना का है।

परिचय: 18 जुलाई से 30 नवंबर 2025 तक शनि देव मीन राशि में वक्री होकर मेष राशि के द्वादश भाव में स्थित रहेंगे। यह भाव आत्मनिरीक्षण, कर्मों की शुद्धि, विदेश, खर्च और मोक्ष से जुड़ा होता है। शनि का यह गोचर आपके भीतर के डर, अधूरे कर्म और आध्यात्मिक प्रगति को समझने का अवसर देता है। भले ही गति धीमी हो, लेकिन भीतर से खुद को पुनः व्यवस्थित करने का यह श्रेष्ठ समय हो सकता है।

करियर: करियर को लेकर भ्रम या अकेलापन महसूस हो सकता है। विदेश से संबंधित नौकरी प्रस्तावों में देरी हो सकती है या वर्तमान काम में संतुष्टि की कमी रह सकती है। शोधकर्ता, चिकित्सक, या आध्यात्मिक कार्यों से जुड़े लोग इस दौरान बेहतर कर सकते हैं। यह समय करियर को दीर्घकालिक लक्ष्य से जोड़ने का है। बदलावों को लेकर जल्दबाजी न करें। वरिष्ठों या विदेशी संपर्कों से अनावश्यक विवाद से बचें।

फाइनेंस: इस समय खर्चों में वृद्धि हो सकती है, विशेषकर इलाज, विदेश यात्रा या दान-पुण्य से जुड़े मामलों में। शनि की दृष्टि द्वितीय भाव (धन), षष्ठ भाव (ऋण) और नवम भाव (भाग्य) पर है। पुराने कर्ज चुकाने की जरूरत हो सकती है, इसलिए समझदारी से बजट बनाएं और किसी भी तरह की सट्टा प्रवृत्ति से दूर रहें। अपनी बचत की रणनीति की समीक्षा करें और पहले की वित्तीय गलतियों को सुधारें।

स्वास्थ्य: नींद की दिक्कतें, थकावट या पुराने रोग फिर से उभर सकते हैं। शनि आपको शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक उपचार पर ध्यान देने की ओर प्रेरित करेंगे। भावनाओं को दबाना नुकसानदेह हो सकता है। विशेषकर पैरों और आंखों की देखभाल ज़रूरी है। नियमित दिनचर्या, प्राणायाम और सात्त्विक भोजन से मानसिक शांति बनी रह सकती है।

परिवार:आप परिवार से भावनात्मक या शारीरिक रूप से थोड़ा दूर महसूस कर सकते हैं। बुज़ुर्ग परिजनों को आपकी देखभाल की जरूरत पड़ सकती है। ससुराल पक्ष या घरेलू स्टाफ से विवाद की संभावना है। समझदारी से बात करें और अत्यधिक नियंत्रणकारी रवैये या दूरी बनाने से बचें। शनि इस दौरान रिश्तों में परिपक्वता सिखाते हैं।

शिक्षा:जो विद्यार्थी परीक्षा या विदेश शिक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए प्रगति धीमी हो सकती है। कभी-कभी मानसिक अवरोध का भी अनुभव होगा। पर यह आत्म-चिंतन, अध्ययन और सीखने का उपयुक्त समय है। आप आध्यात्मिकता या दर्शन जैसे विषयों पर ध्यान दे सकते हैं। रिसर्च में लगे छात्रों को स्थिरता से लाभ मिलेगा। दूसरों से तुलना करना बंद करें और अपनी गति को समझें।

निष्कर्ष:मेष राशि में शनि का वक्री होकर द्वादश भाव में स्थित होना आत्म-विश्लेषण और आध्यात्मिक विश्राम का आह्वान है। हालांकि देरी और अंदरूनी तनाव हो सकता है, यह समय पुराने बोझों को हल्का करने, रुकने और खुद को सहेजने का अवसर भी है। यह समय पुराने ऋण। चाहे वे भावनात्मक हों या आर्थिक। चुकाने का है। जब शनि मार्गी होंगे, आप पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरेंगे।

उपाय: रोजाना ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः मंत्र का जाप करें, विशेष रूप से शनिवार को।

हर शनिवार की रात पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

जरूरतमंदों को काले तिल या कंबल दान करें।

कृतज्ञता डायरी लिखें। इससे अव-चेतन मन के बोझ हल्के होंगे।

प्रतिदिन कम से कम 10 मिनट ध्यान करें, विशेषकर जल तत्व के साथ ध्यान करना उपचारदायक रहेगा।

तुलसी के उपायों से दूर होगा पारिवारिक कलह

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद पूजनीय माना जाता है । मान्यता है कि अगर तुलसी के पौधे आपके घर में रहे तो इससे आपकी भाग्य चमकता है, इसके साथ ही घर के वास्तु दोष भी दूर होते हैं । तुलसी भगवान विष्णु का प्रिय है, इसलिए तुलसी पूजनीय और बेहद चमत्कारिक है । वहीं, स्वास्थ्य के लिहाज से भी तुलसी का सेवन करना काफी लाभदायक होता है । पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इसके अलावा तंत्रशास्त्र की मानें तो तुलसी के कुछ विशेष उपाय से किस्मत चमक ही उठती है ।

तंत्र शास्त्र के अनुसार प्रतिदिन रोसोई घर में कुछ तुलसी के पत्ते प्रतिदिन रख दें। ऐसा करने में परिवार में कलह का अंत हो जाएगा। तंत्र शास्त्र के अनुसार यह उपाय करने पर घर में सुख शांति रहती है। वहीं, सदस्यों के बीच रिश्ते में मिठास बढ़ती है । इसके अलावा घर के सभी सदस्य नहाने के दौरान पानी में तुलसी के कुछ पत्ते डाल दें। इससे प्रेम भाव बढ़ता है और कलह से मुक्ति मिलती है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि अगर आपके घर के छोटे बच्चों को अक्सर बुरी नजर लग जाती है या फिर कोई सदस्य मानसिक रूप से परेशान रहता हो तो तुलसी के कुछ पत्तों और सात काली मिर्च को अपनी मुट्ठी में लेकर 21 बार उसके शरीर पर ऊपर से नीचे तक वार लें । साथ ही ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः का जाप करें । इसके बाद तुलसी पत्ता और काली मिर्च को उस व्यक्त को खाने के लिए दे दें, फिर उसे उल्टा करके पांव के तलवों को किसी कपड़े से 7 बार झाड़ लगा दें. इससे सभी कष्ट दूर हो जाते है।

धन की कमी को दूर करने का उपाय

तुलसी मंगल ग्रह के साथ जुड़ी हुई है । ऐसे में आप अपने पर्स या फिर आलमारी में एक तुलसी का पत्ता हमेशा रख लें, इससे पैसा आपकी ओर आकर्षित होने लगेगा । इसके अलावा आप जहां पैसा का लेखा जोखा रखते हैं, वहां भी कुछ तुलसी के पत्ते रख दें. ऐसा करने से धन की कमी नहीं होती है ।

नौकरी छूटने का डर करें कम

बाजार की मंदी के कारण नौकरी छूट जाने का डर सता रहा है या फिर आपका प्रमोशन पिछले कई दिनों से रूका है । गुरुवार को तुलसी के पौधे को पीले कपड़े में बांधकर अपने कार्यस्थल पर रख दें । इसके अलावा सोमवार के दिन सुबह-सुबह सफेद कपड़े में तुलसी के 16 बीजों को ऑफिस की मिट्टी में दबा दें । इस उपाय से आपके नौकरी छूट जाने का डर दूर होगा, साथ ही आपके प्रमोशन के चांस बढ़ जाएगा।

व्यापार में नहीं होगा कभी घाटा

व्यापार में हमेशा आपको घाटा हो रहा है तो आप तुलसी के कुछ पत्तों को तीन दिनों तक पानी में रख दें। इसके बाद इस पानी को अपने कार्य'स्थल पर छिड़क दें । ऐसा करने से व्यापार में फायदा पहुंचता है।

आषाढ़ अमावस्या के दिन इन स्थानों पर दीपक जलाने से मिलेगी सुख-समृद्धि

आषाढ़ महीने की अमावस्या तिथि का विशेष महत्व है। इसे आषाढ़ी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। यह दिन पितृ तर्पण और उनकी शांति के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ अमावस्या 25 जून को मनाई जाएगी। वहीं, इस दिन कुछ विशेष स्थानों पर दीपक जलाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है ।

आषाढ़ अमावस्या पर दीपक से करें ये उपाय

घर के मुख्य द्वार पर – आषाढ़ अमावस्या की शाम को घर के मुख्य द्वार पर दीपक जरूर जलाएं। मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती और सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है। साथ ही इससे घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है।

तुलसी के पौधे के पास – अगर आपके घर में तुलसी का पौधा है, तो आषाढ़ अमावस्या की शाम को उसके पास एक दीपक जरूर जलाएं। तुलसी को बहुत ही पूजनीय माना जाता है। कहते हैं कि तुलसी के पास दीपक जलाने से मां लक्ष्मी खुश होती हैं और घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती है।

रसोई घर में – रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास होता है। ऐसे में आषाढ़ अमावस्या की रात में रसोई घर में एक दीपक जलाएं। इससे घर में कभी अन्न और धन की कमी नहीं होती है। साथ ही जीवन में समृद्धि और खुशहाली आती है।

पीपल के पेड़ के नीचे – अगर आपके घर के पास कोई पीपल का पेड़ है, तो आषाढ़ अमावस्या की शाम को उसके नीचे एक दीपक जरूर जलाएं। पीपल के पेड़ में ब्रह्मा जी, भगवान विष्णु और शिव जी का वास होता है। पीपल के नीचे दीपक जलाने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

मंदिर के पास – आषाढ़ अमावस्या के दिन अपने घर के मंदिर में नौ छोटे दीपक जलाएं। ऐसा करने से देवी-देवताओं की कृपा मिलती है और घर में खुशियां और समृद्धि आती है।

जल स्थान पर – अगर आपके घर के आसपास कोई नदी, तालाब या कुआं है, तो वहां एक दीपक जरूर जलाएं। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। इसके साथ ही उनका आशीर्वाद मिलता है।

गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाई जाएगी

गुरु पूर्णिमा का पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार, अबकी बार 10 जुलाई को मनाया जाएगा। आषाढ़ मास की इस पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान करने और दान पुण्य के कार्य करने का खास महत्व शास्त्रों में बताया गया है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी की पूजा विशेष रूप से की जाती है। साथ ही इस दिन घरों में सत्य नारायण भगवान की कथा करने का खास महत्व शास्त्रों में बताया गया है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से आपको हर तरह के पाप से मुक्ति मिलती है और महापुण्य की प्राप्ति होती है। आइए आपको बताते हैं गुरु पूर्णिमा की पूजा का शुभ मुहूर्त, महत्व और पूजाविधि।

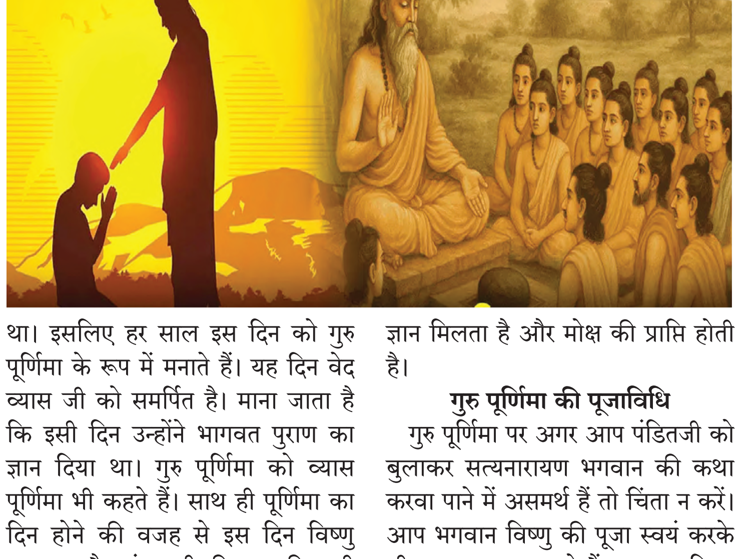

गुरु पूर्णिमा की तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार, गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि 10 जुलाई को रात 1 बजकर 36 मिनट पर शुरू होगी और यह 11 जुलाई को रात 2 बजकर 06 मिनट पर खत्म होगी। इसलिए गुरु पूर्णिमा 2025, 10 जुलाई को मनाई जाएगी।

गुरु पूर्णिमा का महत्व

पौराणिक मान्यताओं में बताया गया है कि लगभग 3000 ई.पूर्व, आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को वेद व्यास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाते हैं। यह दिन वेद व्यास जी को समर्पित है। माना जाता है कि इसी दिन उन्होंने भागवत पुराण का ज्ञान दिया था। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। साथ ही पूर्णिमा का दिन होने की वजह से इस दिन विष्णु भगवान और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस दिन गुरुओं का सम्मान किया जाता है और साथ ही उन्हें गुरु दक्षिणा भी दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गुरु और बड़ों का सम्मान करना चाहिए। जीवन में मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त करना चाहिए, गुरु पूर्णिमा पर व्रत, दान और पूजा का भी महत्व है। व्रत रखने और दान करने से ज्ञान मिलता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गुरु पूर्णिमा की पूजाविधि

गुरु पूर्णिमा पर अगर आप पंडितजी को बुलाकर सत्यनारायण भगवान की कथा करवा पाने में असमर्थ हैं तो चिंता न करें। आप भगवान विष्णु की पूजा स्वयं करके भी शुभ फल पा सकते हैं। भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी, धूप, दीप, गंध, पुष्प और पीले फल चढ़ाएं। श्रीहरि का स्मरण करें और अपनी मनोकामना बताएं। भक्ति भाव से पूजा करना जरूरी है। पूजा के बाद भगवान को अलग-अलग तरह के पकवानों का भोग लगाएं और प्रणाम करें और फिर भोग को प्रसाद के रूप में सभी लोगों में बांट दें।

संपादकीय

सर्वदलीय बैठक जरूरी

जो 'भारत-दूत' देश की नीतियों और सोच, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का संकल्प प्रस्तुत करने विदेश गए थे, वे स्वदेश लौट आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मुलाकात की और उनके अनुभवों को सुना। यह मुलाकात और संवाद ही लोकतंत्र की सच्ची विविधता है। लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद, पूर्व विदेश मंत्रियों के अलावा, वरिष्ठ राजनयिक भी विदेशों में भेजे गए थे। उन्हें 'भारतदूत' का विशेषण दिया गया, क्योंकि वे विदेश में भारत के ही चेहरे थे। उनकी यही राष्ट्रीय पहचान थी। राजनीतिक पहचान गौण हो चुकी थी। कुल 7 प्रतिनिधि मंडलों में 59 सांसद और राजनयिक थे, जिन्होंने 33 देशों का प्रवास किया। भारत ने यह कूटनीतिक प्रयोग पहली बार किया, जो अपनी बात रखने में कामयाब रहा। किसी भी देश ने भारत का विरोध नहीं किया। यह भी तथ्य सामने आया कि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से कमोबेश 100 देश ऐसे हैं, जिन्होंने भारत की तरह ही आतंकवाद का दंश झेला है। उनमें 'ग्लोबल साउथ' के अफ्रीकी देश भी हैं, जिनका आतंकवाद शेष विश्व ने साझा नहीं किया है, लिहाजा उन्होंने आतंकवाद पर भारत का नेतृत्व स्वीकार करने की बात कही। अमरीका समेत प्रमुख यूरोपीय देशों ने भारत के पक्ष का समर्थन किया, लेकिन देश में विभिन्न टीवी चैनलों के स्तर पर अलग ही व्याख्याएं की जा रही हैं। बहरहाल बुनियादी मुद्दा पाकपरस्त आतंकवाद का था, जिसके कारण 'ऑपरेशन सिंदूर' तक की नौबत आई। हालांकि भारत अब भी मानता है कि संघर्ष दो देशों और उनकी अवाम के बीच नहीं है। वह आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने का ऑपरेशन था। हमारे 'भारतदूतों' ने विदेश में राजनीतिक नेतृत्व, नागरिक समाज, थिंक टैंक, उद्योग जगत के नेतृत्व और भारतीय प्रवासी समुदाय आदि से मुलाकातें कीं। संवाद और संबोधन के जरिए विदेशों को खुलासा किया गया कि आतंकियों के अड्डे और करीब 170 आतंकियों को मौत के घाट उतारना क्यों अनिवार्य था? यदि 9-10 मई की दरमियानी रात में युद्ध जैसे हालात बने, तो उसके लिए पाकिस्तान दोषी था, क्योंकि आतंकियों पर किए गए प्रहार को उसने पाकिस्तान के अस्तित्व पर हमला मान लिया और भारत के सैन्य तथा नागरिक ठिकानों पर हवाई हमले किए। भारत को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी, नतीजतन पाकिस्तान के संवेदनशील, महत्वपूर्ण एयरबेस, रनवे, रडार एवं एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिए गए। उसके बाद कथित संघर्ष-विराम घोषित कर दिया गया। सैन्य कार्रवाई विराम को अब एक माह बीत चुका है, लेकिन विपक्ष अब भी वही सवाल रट रहा है- पहलगाम नरसंहार के आतंकी कहां फरार हो गए? वे 'अमरनाथ यात्रा' के दौरान भी हमला कर सकते हैं! मोदी सरकार की विदेश नीति नाकाम साबित हुई, लिहाजा 'भारतदूत' के रूप में विपक्षी सांसदों, नेताओं को विदेश भेजना पड़ा? संसद का मॉनसून सत्र अभी काफी दूर है, लिहाजा सरकार एक और बार सर्वदलीय बैठक क्यों नहीं बुला लेती? आतंकवाद के मोर्चे पर अमरीका भारत और पाकिस्तान को 'समान महत्व के देश' मानता है, क्या भारत इस कूटनीति को उचित मानता है? क्या अमरीका के इस रवैये का भारत को उचित, राजनयिक जवाब नहीं देना चाहिए? अमरीका की केंद्रीय कमान के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने कहा है कि कोई 'बाइनरी स्विच' नहीं हो सकता कि यदि वाशिंगटन के नई दिल्ली से संबंध हैं, तो इस्लामाबाद के साथ रिश्ता नहीं हो सकता। जनरल का मानना है कि आईएसआईएस-खुरासान अमरीका समेत अन्य देशों के खिलाफ भी साजिश रचने वाले सक्रिय आतंकी संगठनों में से एक है। पाकिस्तान उसके खिलाफ लड़ाई में मदद करता है। बहरहाल वही घिसे-पिटे सवाल करने से न तो भारत ताकतवर होगा और न ही मोदी सरकार ढह जाएगी। बेशक कुछ सवाल इतने जरूरी हैं कि उनके जवाब मिलने चाहिए और वह सरकार ही देगी, लेकिन उतावलेपन से क्या हासिल होगा? संसद सत्र आ रहा है। विपक्ष अपने सवाल और रणनीति तैयार कर ले, लेकिन ध्यान रहे कि सवालों की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मुलाकात की और उनके अनुभवों को सुना। यह मुलाकात और संवाद ही लोकतंत्र की सच्ची विविधता है। लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद, पूर्व विदेश मंत्रियों के अलावा, वरिष्ठ राजनयिक भी विदेशों में भेजे गए थे। उन्हें 'भारतदूत' का विशेषण दिया गया, क्योंकि वे विदेश में भारत के ही चेहरे थे। उनकी यही राष्ट्रीय पहचान थी। राजनीतिक पहचान गौण हो चुकी थी। कुल 7 प्रतिनिधि मंडलों में 59 सांसद और राजनयिक थे, जिन्होंने 33 देशों का प्रवास किया। भारत ने यह कूटनीतिक प्रयोग पहली बार किया, जो अपनी बात रखने में कामयाब रहा। किसी भी देश ने भारत का विरोध नहीं किया। यह भी तथ्य सामने आया कि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से कमोबेश 100 देश ऐसे हैं, जिन्होंने भारत की तरह ही आतंकवाद का दंश झेला है। उनमें 'ग्लोबल साउथ' के अफ्रीकी देश भी हैं, जिनका आतंकवाद शेष विश्व ने साझा नहीं किया है, लिहाजा उन्होंने आतंकवाद पर भारत का नेतृत्व स्वीकार करने की बात कही।

भारत की न्यायिक प्रणाली दुनिया की सबसे ईंमानदार और मजबूत संस्थाओं में शुमार हो सकती है

न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर राजनीति की आंच से बचाव, जस्टिस गवईं का साहसिक कदम

अजय वुमार

न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर राजनीति की आंच से बचाव, जस्टिस गवईं का साहसिक कदम भारत की न्यायपालिका में एक नईं और ऐतिहासिक पहल की शुरुआत हुईं है, जब देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस भूषण रामवृष्ण गवईं ने यह ऐलान किया कि वे रिटायरमेंट के बाद किसी भी सरकारी पद को स्वीकार नहीं करेंगे। इस साहसिक निर्णय ने सिर्प न्यायपालिका की गरिमा को नया सम्मान दिया है, बल्कि जनता के मन में भरोसे की उस डोर को भी मजबूत किया है जो पिछले वुछ समय से कईं घटनाओं के चलते कमजोर होती जा रही थी। यूनाइटेड किंगडम में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यांम में उन्होंने कहा कि उनके वुछ अन्य साथी न्यायाधीशों ने भी यह संकल्प लिया है कि वे भी सेवानिवृत्ति के बाद किसी सरकारी पद या राजनीतिक दल से जुड़ाव नहीं रखेंगे। चीफ जस्टिस गवईं का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं।

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा तभी कायम रह सकता है जब न्याय केवल हो ही नहीं, बल्कि होता हुआ भी दिखे और जस्टिस गवईं की तरह अगर हर न्यायाधीश यह तय कर ले कि उनका काम सिर्प न्याय करना है, किसी पुरस्कार की उम्मीद में नहीं, तब ही भारत की न्यायिक प्रणाली दुनिया की सबसे ईंमानदार और मजबूत संस्थाओं में शुमार हो सकती है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर राजनीति की आंच से बचाव, जस्टिस गवईं का साहसिक कदम भारत की न्यायपालिका में एक नईं और ऐतिहासिक पहल की शुरुआत हुईं है, जब देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस भूषण रामवृष्ण गवईं ने यह ऐलान किया कि वे रिटायरमेंट के बाद किसी भी सरकारी पद को स्वीकार नहीं करेंगे। इस साहसिक निर्णय ने सिर्प न्यायपालिका की गरिमा को नया सम्मान दिया है, बल्कि जनता के मन में भरोसे की उस डोर को भी मजबूत किया है जो पिछले वुछ समय से कईं घटनाओं के चलते कमजोर होती जा रही थी। यूनाइटेड किगडम में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यांम में उन्होंने कहा कि उनके वुछ अन्य साथी न्यायाधीशों ने भी यह संकल्प लिया है कि वे भी सेवानिवृत्ति के बाद किसी सरकारी पद या राजनीतिक दल से जुड़ाव नहीं रखेंगे। चीफ जस्टिस गवईं का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। यह बयान अप्रत्यक्ष रूप से उन घटनाओं की ओर इशारा करता है, जिनमें वुछ रिटायर्ड जजों ने सरकारी पद स्वीकार किये हैं या राजनीति में सायि भागीदारी ली है। मसलन, पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोईं को राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में नामित किया गया और हाल ही में कलकत्ता हाईंकोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय बीजेपी में शामिल होकर लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं और सांसद बन चुके हैं। जस्टिस गवईं का कहना है कि अगर कोईं जज रिटायरमेंट के बाद तुरंत कोईं सरकारी पद या राजनीतिक जिम्मेदारी स्वीकार करता है, तो इससे जनता के बीच यह संदेश जाता है कि शायद उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पैसले किसी स्वार्थ या लालच के तहत लिये थे। इससे न्यायपालिका की साख पर आंच आती है और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। वे कहते हैं, ''न्यायपालिका को केवल न्याय करना नहीं चाहिए, बल्कि ऐसा भी दिखना चाहिए कि वह पूरी तरह निष्पक्ष और ईंमानदार है। लोगों का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।'' भारत में न्यायपालिका को संविधान द्वारा स्वतंत्र और स्वायत्त घोषित किया गया है। लेकिन जब रिटायरमेंट के बाद कोईं जज राजनीतिक दल में शामिल होता है या किसी सरकारी संस्था में उच्च पद ग्रहण करता है, तो इस स्वतंत्रता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो जाते हैं। यह सवाल केवल

वर्तमान के बारे में नहीं है, बल्कि यह भविष्य के लिए भी एक खतरनाक परंपरा की शुरुआत हो सकती है, जिसमें न्यायिक पदों का राजनीतिक उपयोग होने लगे। जस्टिस गवईं का यह रुख ऐसे समय में आया है जब देश में न्यायपालिका और सरकार के बीच कईं मुद्दों को लेकर टकराव की स्थिति बनी हुईं है। हाल ही में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि नियुक्ति समिति में मुख्य न्यायाधीश या उनके प्रतिनिधि को शामिल किया जाए, लेकिन वेंद्र सरकार ने संसद से कानून पास कर इस व्यवस्था को बदल दिया और समिति से न्यायपालिका को बाहर कर दिया। इस घटनाव्राम ने फिर से न्यायपालिका की भूमिका और अधिकारों पर बहस को जन्म दे दिया। सिर्प राजनीतिक नियुक्तियों की बात नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कईं हाईं प्रोफाइल मामलों में भी सरकार की भूमिका पर सवाल उठाये हैं। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के खिलाफ एसआईंटी जांच की खबर सोशल मीडिया पर छाईं रही, लेकिन वे अब भी मंत्री पद पर बने हुए हैं। वहीं अशोका यूनिर्वसिटी के प्रोपेसर अली खान महमूदाबाद को भी एसआईंटी जांच का सामना करना पड़ा और उन्हें जेल भी जाना पड़ा। यह दोहरे मापदंड न्यायपालिका पर उठ रहे सवालों को और हवा देते हैं। इन सबके बीच, जस्टिस गवईं ने कॉलेजियम प्रणाली की भी आलोचना की, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को किसी भी हाल में खतरे में नहीं डाला जा सकता। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम में पारदर्शिता की कमी है, लेकिन कोईं भी सुधार इस तरह नहीं होना चाहिए कि जजों की नियुक्ति पर सरकार का नियंत्रण बढ़ जाए। उनका यह बयान उस चल रही बहस में एक संतुलित दृष्टिकोण लेकर आया है, जिसमें कॉलेजियम प्रणाली को खत्म कर न्यायिक नियुक्तियों में कार्यपालिका की भूमिका बढ़ाने की मांग हो रही है। आज का दौर ऐसा है जब न्यायपालिका को सिर्प निष्पक्ष न्याय देने के अलावा खुद को निष्पक्ष दिखाने की भी जिम्मेदारी उठानी होगी। जस्टिस गवईं ने यह भी सुझाव दिया कि जजों की संपत्ति सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि जनता को यह भरोसा हो कि जज किसी भी तरह के लालच या दबाव में नहीं हैं। यह विचार न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा देता है बल्कि न्यायपालिका की विश्वसनीयता को भी मजबूत करता है। इस पूरी चर्चा का एक पहलू यह भी है कि न्यायपालिका में लंबे समय से वुछ नाम ऐसे उभरे हैं, जिन्होंने सेवा के बाद ऐसे निर्णय लिये जो विवाद का कारण बने। रंजन गोगोईं का राज्यसभा में जाना उस समय सरुखियों में रहा जब उन्होंने रापेल, राम मंदिर और एनआरसी जैसे महत्वपूर्ण मामलों में पैसले दिए थे। इसी तरह, जज अभिजीत गंगोपाध्याय ने टीचर भता घोटाले से जुड़े मामलों में सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया और बाद में बीजेपी से चुनाव लड़कर संसद पहुंचे। इन घटनाओं ने यह संदेह पैदा किया कि कहीं जजों के पैसलों के पीछे भविष्य के लाभ की योजना तो नहीं छुपी होती? इस संदर्भ में, जस्टिस गवईं का निर्णय एक मिसाल बन सकता है, अगर आने वाले समय में अन्य न्यायाधीश भी इसी परंपरा का पालन करें। यह केवल एक व्यत्तिगत निर्णय नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और न्यायिक प्रणाली के लिए एक नयी दिशा और सोच का प्रतीक बन सकता है। लेकिन इस सब के बावजूद बड़ा सवाल यह है कि क्या इस तरह के व्यत्तिगत निर्णयों से पूरे सिस्टम की खामियों को दूर किया जा सकता है? कॉलेजियम सिस्टम की अपारर्दशिता, जजों की जवाबदेही की कमी, न्यायिक नियुक्तियों में भाईं-भतीजावाद, और सरकार की बढ़ती दखल जैसे मुद्दों का समाधान केवल नैतिकता के भरोसे छोड़ा जा सकता है? सिस्टम में व्यापक सुधार की आवश्यकता अब पहले से कहीं ज्यादा है। संसद और न्यायपालिका के बीच विश्वास की डोर को मजबूत करने के लिए संवैधानिक मर्यादाओं और संतुलन की पुनस्र्थापना जरूरी है। न्यायपालिका को न केवल स्वतंत्र रहना चाहिए, बल्कि स्वतंत्र दिखना भी चाहिए। जस्टिस बीआर गवईं का पैसला इसलिए अहम है क्योंकि यह न केवल न्यायपालिका की छवि सुधारने का प्रयास है, बल्कि यह जनता को यह संदेश भी देता है कि देश में अब भी ऐसे लोग हैं जो सिर्प अपने पद की गरिमा के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए भी खड़े हैं। उनकी यह पहल भारत की न्यायिक प्रणाली को नईं दिशा दे सकती है अगर इसे एक स्थायी परंपरा में बदला जाए। न्यायपालिका पर जनता का भरोसा तभी कायम रह सकता है जब न्याय केवल हो ही नहीं, बल्कि होता हुआ भी दिखे। और जस्टिस गवईं की तरह अगर हर न्यायाधीश यह तय कर ले कि उनका काम सिर्प न्याय करना है, किसी पुरस्कार की उम्मीद में नहीं, तब ही भारत की न्यायिक प्रणाली दुनिया की सबसे ईंमानदार और मजबूत संस्थाओं में शुमार हो सकती है।

देश दुनिया से

लंबी यात्रा का प्रथम पग

सप्त सिंधु के मध्यकालीन इतिहास में दशगुरु परंपरा द्वारा स्थापित उदासी पंथ, सेवा पंथ, निर्मला पंथ और खालसा पंथ का ऐतिहासिक महत्व है। इन चारों पंथों को अलग-अलग काम दिए गए। इन चारों पंथों का प्रसार देश के लगभग हर हिस्से में हुआ। उदासी पंथ का एक मंदिर तो आज भी मध्य एशिया के अजरबैजान के बाकू शहर में मिलता है, जिसे आजकल वहां की सरकार का पुरातत्व विभाग संभालता है। कल्पना की जा सकती है कि उदासी पंथ के साधु गुरुवाणी के प्रचार-प्रसार के लिए कहां-कहां यात्रा करते रहे। जिस प्रकार कभी महात्मा बुद्ध के अनुयायी मध्य एशिया और चीन तक भारतीय दर्शन के प्रसार के लिए गए थे, उसी प्रकार उदासी साधु तत्व मीमांसा के लिए दूर-दूर तक पहुंचे। इन उदासी साधुओं ने ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन इसमें मुख्य कारण इन तपस्वी साधुओं का स्वयं का आचारण भी था। सेवा पंथ धर्म की सबसे सुंदर व्याख्या प्रस्तुत करता है। दशम गुरु श्री गोविंद सिंह जी के अनुयायी एक साथ एक ही स्थान पर कार्यरत हैं। वह स्थान युद्धभूमि है। गुरु जी के सैनिक युद्धभूमि में मुगल सेना से लड़ रहे हैं। जाहिर है दोनों पक्षों के सैनिक हताहत हो रहे हैं। गुरु जी ने इसी युद्धभूमि में अपना एक दूसरा अनुयायी भी तैनात किया हुआ है। वह अनुयायी भाई कन्हैया जी हैं। उनको गुरु जी ने आहत सैनिकों को पानी पिलाने का कार्य दिया है, ताकि जितना संभव हो सके, आहत सैनिकों को बचाया जा सके। गुरु जी के अनुयायियों का एक समूह प्राणपन से विरोधी सैनिकों को मारने में लगा है और उनका दूसरा अनुयायी उनको उतनी ही शिद्दत से बचाने के काम में भी लगा हुआ है। गुरु जी के सैनिकों ने आकर गुरुजी से शिकायत की कि भाई कन्हैया मुगलों के आहत सैनिकों को भी पानी पिला-पिला कर बचाने की कोशिश करता है। गुरु जी ने दोनों पक्षों की बात सुनी। भाई कन्हैया जी ने अपना स्पष्टीकरण दिया कि उन्हें तो घायल दिखता है, किसका घायल है, इसमें मैं कैसे भेद कर सकता हूं। उसने प्रतीक रूप में कहा कि मुझे तो आपका स्वरूप ही नजर आता है। गुरु जी ने उसके उत्तर से संतुष्ट होकर उसे मरहम वगैरह कुछ औषधियां भी दे दीं ताकि वह घायलों का ध्यान और भी अच्छे तरीके से रख सके। इस घटना का भाष्य स्पष्ट है। सैनिक का धर्म मारना है। अतः गुरु जी के सैनिक अपने धर्म का पालन कर रहे हैं। चिकित्सक यानी डाक्टर का धर्म घायल को बचाना है। डाक्टर इस आधार पर तो घायल से भेदभाव नहीं कर सकता कि घायल मेरा मित्र है या शत्रु, घायल इसका है या उसका। इस प्रकार कन्हैया जी भी अपने धर्म का पालन कर रहे थे। इस घटना में मारने वाले भी गुरु जी के साथी थे और लड़ाई से घायलों को बचाने वाले भी गुरु जी के शिष्य थे। दोनों ही अपने-अपने धर्म का पालन कर रहे थे। सैनिक अपने धर्म का पालन कर रहे थे और कन्हैया जी चिकित्सक के धर्म का पालन कर रहे थे। ऊपर से देखने पर दोनों का व्यवहार या धर्म परस्पर विरोधी दिखाई देता है। लेकिन गहराई से देखने पर दोनों के व्यवहार या धर्म में कोई विरोध नहीं है। दोनों ही अपने-अपने धर्म के अनुसार व्यवहार कर रहे हैं। धर्म की इससे सुंदर व्याख्या और भला क्या हो सकती है। भारत में धर्म का यही संकल्प है। एक ही व्यक्ति के अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग धर्म हो सकते हैं। पिता के नाते उसका अलग धर्म है। बेटे के नाते उसका अलग धर्म है। पति के नाते उसका अलग धर्म है। इसीलिए कहा गया है कि सभी को अपने-अपने धर्म का पालन करना चाहिए। अपना धर्म छोडक़र, यदि कोई दूसरे के धर्म का पालन करना शुरू कर दे तो अराजकता फैल जाती है। उदाहरण के लिए यदि सैनिक, डाक्टर के धर्म का पालन करना शुरू कर दें और डाक्टर सैनिक के धर्म का पालन करना शुरू कर दें तो अराजकता फैल जाती है। कहने का अभिप्राय है कि दशगुरु परंपरा के अलग-अलग पंथों के अलग-अलग कार्यक्षेत्र हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में गुरु जी के निर्मला पंथ को समझना होगा। दशम गुरु का निर्मला पंथ शास्त्र साधना का प्रतीक था और उनका खालसा पंथ शस्त्र साधना का प्रतीक था। निर्मला पंथ का साधक संत है और खालसा पंथ का साधक सिपाही है। लेकिन गुरु जी ने दोनों को एक साथ धारण किया था। इसीलिए वे संत सिपाही कहलाए। दोनों को एक साथ धारण करना वास्तव में बहुत ही कठिन साधना है। मध्यकाल में शस्त्र और शास्त्र की समन्वित साधना का मार्ग पहली बार गुरु जी ने ही प्रशस्त किया था। गुरु गोविंद सिंह जी ज्ञान एवं शौर्य के पुंज थे। निर्मला पंथ के आश्रम देश के विभिन्न हिस्सों में मिलते हैं। गुरु जी के खालसा पंथ को यह श्रेय जाता है कि उनके समन्वित प्रयासों से विदेशी मुगल शासन का अंत करने में सहायता मिली। कालांतर में खालसा पंथ 'निहंग समाज' के रूप में स्थिर हो गया। निहंगों की टकसालें आज भी सक्रिय हैं और गुरु ग्रंथ साहिब के साथ-साथ दशम ग्रंथ का अध्ययन और अभ्यास करती हैं। गुरु जी द्वारा स्थापित खालसा पंथ की चर्चा और उसके इतिहास के बारे में तो सारे देश में चर्चा होती है, लेकिन उनके निर्मला पंथ के बारे में पंजाब से बाहर जानकारियां कम ही हैं। उदासी पंथ और सेवा पंथ के बारे में तो चर्चा और भी कम होती है।

कुछ अलग

आहत बापू के बोल...

आज हमारे बीच गांधी होते तो रंज और मलाल से अपना सिर पकड़ लेते। आज न तो उनके अनशन की पूछ होती और न ही सत्याग्रह चल पाता। घोटालों की बाढ़ में उनके कुछ भी समझ में नहीं आता कि वे क्या करें या क्या न करें? ऐसी सरकार जिसमें बेमियादी अनशन करने वालों को खुद ही अनशन तोडऩा पड़े तो गांधी बेचारे आखिर करते भी क्या? गूंगी और बहरी बनी सरकार गांधी की गलफांस बन जाती। इस नक्कारखाने में लंगोटी वाले की सुनता भी कौन? मैं खुद आहत हूं, पशोपेश में हूं। गांधी चौक पार्क में जाकर गांधी की प्रतिमा के सामने खड़ा हो गया। अपलक उन्हें देखता रहा, आवाज आई – ''क्यों बेटा क्या बात है? मुझे जिस काल में कोई देखना नहीं चाहता, ऐसे में तुम अपना आहत हृदय लेकर क्यों वक्त बरबाद कर रहे हो?'' ''बाबा, देश का क्या होगा?'' मैंने प्रश्न किया तो मुस्कान के साथ आवाज आई -''किसका देश और कौनसा देश?'' ''बापू आपका भारतवर्ष।'' मेरे यह कहने पर प्रतिमा ने उत्तर दिया -''यह तुम्हारा वहम है बेटा। भारत नहीं यह अंग्रेजों का इंडिया बन गया है फिर से। भारत होता तो उसके सिद्धांत और संस्कृति का चलन होता। भारत बहुत पीछे छूट गया है। देशभक्ति का जज्बा आज है किसमें? सब इसे बेतहाशा गति से लूट रहे हैं। अब यह सोने की चिडिय़ा नहीं रहा है। दूध-दही की नदियां नहीं बहती अब। चाय को राष्ट्रीय पेय बनाने की बहस चल रही है। बूचडख़ानों में रोज हजारों गायों की हत्याएं हो रही हैं। इसलिए दुखी होने से क्या फायदा। जाओ तुम भी इसी भीड़ में शामिल हो जाओ।'' मैं बोला -''नहीं बापू, इस देश को रास्ता दिखाओ, वरना यह तो आत्मघात की ओर बढ़ रहा है।'' ''बेटा, मैंने अन्ना नाम का एक बूढ़ा भेजा था, लोग उसे बेवकूफ बनाकर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हैं और उसकी किसने सुनी। जंतर-मंतर से वह भी चला गया। राजघाट आया तब मैंने उससे कहा था -''अन्ना, मत सिरफोड़ी करो। जाओ गांवों में गरीबों की सेवा करो। लेकिन टीम के बहाने आए लोग ही सत्ता सुख के सपने देखने लगे। उसकी दशा आज मेरी जैसी ही है। आहत होकर पड़ा है। निर्णय लेने की क्षमता इस मारामारी और आपाधापी के युग में खत्म हो गई है।'' ''तो बापू, मैं क्या करूं? मैं बहुत दुखी हूं। यहां का एक साधारण आम गरीब हूं। पेट की आग शांत करने का मार्ग सुझाओ।'' मैंने पूछा तो बापू बोले-''गरीब हो, यह मेरा और तुम्हारा दुर्भाग्य है। गरीबी हटाओ के कार्यक्रमों में तुमने देख ही लिया। नेता सब हड़प जाते हैं। गरीब रोते हैं। जिस देश का नेता भ्रष्ट हो, उसे भला कौन संभाल सकता है। जाओ अपने घर। मैं क्या बताऊं पेट की आग बुझाने का मार्ग!'' मैंने देखा बापू की प्रतिमा से दो बूंद अश्रु ढुलक पड़े। बोले -''बेटा मुझे जगह-जगह पूरे देश में खड़ा कर दिया गया है, मेरे आदर्श आज धूल चाट रहे हैं।

आप का नजरिया

आत्मनिर्भरता की कसौटियां

हिमाचल के मुख्यमंत्री राज्य की जेब में आत्मनिर्भरता का आत्मबल डालना चाहते हैं। जाहिर है आर्थिक चुनौतियों के दलदल को दरकिनार करके आगे बढऩा उस परिस्थिति में और भी मुश्किल है जब केंद्र की ओर से राज्य के अधिकार नजरअंदाज हो रहे हों। सपने और समृद्धि में हकीकत भर का अंतर है। बेशक कृषि और बागबानी क्षेत्र में नए प्रोत्साहन सामने आए हैं और ब्रांड हिमाचल के तहत मार्केटिंग के नए औजार-प्रचार इस्तेमाल हुए। गांव की मक्की अब अगर बाजार में उपभोक्ता खरीद का एक प्रतिष्ठित पैमाना है, तो प्राकृतिक खेती के मुहरबंद उत्पादों की ओर एक बड़ी संभावना का पीछा हिमाचल कर रहा है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण आर्थिकी को बढ़ावा देने के लिए अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड दिया है। ऊना में आलू प्रसंस्करण प्लांट व नादौन में स्पाइस पार्क के अलावा कृषि उत्पादों का मानकीकरण अब 'हल्दी' को भी हिमाचल के नाम से बेचेगा। वैसे हिमाचली शहद, राजमाह, ब्राउन राइस, चायपत्ती, मिर्च, लहसुन, अदरक, अनारदाना व अनेक जड़ी-बूटियां पहले ही राज्य की महक लिए हुए बिक रही हैं, लेकिन ब्रांड हिमाचल की कसौटी में अगर मार्केटिंग की श्रृंखला खड़ी हो जाए, तो राष्ट्रीय पहचान में एक बड़ा बाजार प्रतीक्षारत रहेगा। हिम ईरा पोर्टल इस दिशा में एक प्रमुख उत्प्रेरक सिद्ध हो रहा है। राज्य के भीतर हिम ईरा के बिक्री केंद्र सीधे हिमाचली उत्पादों की गारंटी दे रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल प्रदेश राज्य हस्तशिल्प और हथकरघा निगम के निदेशक मंडल की बैठक भी आश्वस्त करती है। चंडीगढ़ में निगम अपने उत्पादों के बिक्री केंद्र के जरिए उद्यमशीलता को परवान चढ़ाना चाहता है। हिमाचल की आत्मनिर्भरता के सामने पिछले कुछ दशकों का उधार बाकी है। कर्ज लेने की रफ्तार अगर एक लाख करोड़ तक पहुंच रही है, तो यह हमारे व्यवहार की अशुद्धि भी है। हमने कर्ज को कल्याणकारी-कर्मचारी राज्य बनने की खुराक मान लिया। कर्ज इसलिए बढ़ा कि हमने निजी क्षेत्र को सदा पीछे किया। हमने जरूरत से ज्यादा स्कूल-कालेज ही नहीं, बल्कि मेडिकल कालेज व विश्वविद्यालय भी बना दिए। इमारतों के खंडहर में दफन हैं आहें, यहां कभी लोगों की तालियों से खरीदे थे पत्थर। आत्मनिर्भर हिमाचल का नए सिरे से पुनर्गठन करना होगा। आत्मनिर्भर हिमाचल को फिर से बसाना होगा। कहीं छोटा, तो कहीं बड़ा दिखाना होगा। नौकरी को सरकारी नौकरी बना कर हमने रोजगार के तमाम अवसर खो दिए। अगर कायदे से राज्य में आधा दर्जन आई टी पार्क भी बसा दिए होते, तो हमारे इंजीनियर और एमबीए बच्चे आर्थिकी का संबल बन जाते। आज भी सब्जी-फ्रूट मंडियों के दुकानदार पड़ोसी राज्यों के कोल्डस्टोर में अपना सामान रखते हैं, तो क्यों न हर मंडी को नई दृष्टि से सशक्त किया जाए। चंडीगढ़ के आसपास हमसे एक संपन्न हिमाचल अलग होकर वहां की रीयल एस्टेट का सहारा बन गया, तो क्या ऊना व नूरपुर में बड़े शहर बसा कर हम इस आर्थिक क्षमता को सहेज कर अपना उत्थान नहीं कर पाते। हमारी आर्थिकी को आज भी पंजाब पुनर्गठन ने रोका है, बड़े बांधों और बड़ी विद्युत परियोजनाओं ने रौंदा है।

दृष्टि कोण

प्रदेश को क्रीड़ा संस्थान की आवश्यकता

भारत 2036 के ओलंपिक व 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर चुका है। ऐसे में देश के खिलाडियों को इन खेलों में पदक विजेता प्रदर्शन जरूरी हो जाता है। हिमाचल प्रदेश जहां यूरोप व अमेरिका की तरह जलवायु होने के कारण यहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय खेल संस्थान हो, क्योंकि बेहतर आबोहवा में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों खर्च करके हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं। देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढिय़ा प्रशिक्षण स्थल है, मगर वहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्वपटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कराने वाला संस्थान। हिमाचल प्रदेश में स्तरीय खेल ढांचे के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बन कर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश

में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी-कभी अच्छे परिणाम दे पाया हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोडक़र अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य, उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत का खेल मंत्रालय व कई राज्य भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दे रहे हैं तथा वहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व पंजाब के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमियां खोलनी होंगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए, ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही वह प्रशिक्षण सुविधा मिल सके।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत पर ग़ौर करने की ज़रूरत है। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है । एक अहम प्रोजेक्ट- जिसपर आप काफ़ी अरसे से काम कर रहे थे- टल हो सकता है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। सेमिनार आदि में भागीदारी आपके व्यावसायिक सम्पर्कों में सुधार लाएगी। शादिशुदा ज़िन्दगी के तमाम मुश्किल दिनों के बाद आप और आपका हमदम फिर प्यार को महसूस कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी- लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आ-वश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस-पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ख़ुशनसीब हैं कि आपके ऐसे सगे-संबंधी हैं। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम-काज और रुपये-पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। एक बार आप अपने हमक़दम को हासिल कर लें, तो ज़िन्दगी में किसी और की ज़रूरत नहीं होती। इस बात को आज आप गहराई से महसूस करेंगे। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंग इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी भावनाओं पर, ख़ास तौर पर गुस्से पर, क़ाबू रखें। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। अगर थोड़ी-सी कोशिश करेंगे तो जीवनसाथी के मतभेद दूर होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वयं को शांत बनाए रखें , ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 जून 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 03:34 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 01:14 तक
योग : वैधृति प्रातः 11:06 तक
करण : तैतिल सायं 03:34 तक
चन्द्रराशि : मकर दोपहर 01:10 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- पंचक आरंभ दोपहर 01:11 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रेवाड़ी को मिला तोहफा

सैनी ने पानी और सड़क परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपए की घोषणा

रेवाड़ी, 15 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ी जिले को विकास का एक बड़ा तोहफा देते हुए घोषणाओं का पिटारा खोल दिया है। मुख्यमंत्री ने पानी की आपूर्ति, सड़कों के नवीनीकरण और शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की। मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि रेवाड़ी में पानी की आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए भगवानपुर में एक अतिरिक्त वाटर स्टोरेज टैंक का निर्माण किया जाएगा, जिसके लिए 50 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की समस्या को दूर करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है।

गांव डूंगरवास में पीने के पानी के लिए बूस्टिंग स्टेशन और नई पाइप लाइन बिछाने हेतु 7 करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की गई है, वहीं गांव गोकुलपुर में वॉटर वर्क्स के निर्माण के लिए 5 करोड़ 6 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ी शहर के विकास को लेकर भी बड़ी घोषणाएं कीं। शहर में एक बड़ी लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों और आमजन को अध्ययन की बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी। इसके अतिरिक्त, रेवाड़ी की सड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए लगभग 35 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है, जिससे शहर की आंतरिक और बाहरी कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि हरियाणा सरकार हरियाणा के संतुलित विकास के संकल्प को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से रेवाड़ी जिले के लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी और उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

सरल पोर्टल बना युवाओं के अधिकारों में बाधा, सरकार तुरंत समाधान करे: सैलजा

सिरसा, 15 जून (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार का बहुचर्चित सरल पोर्टल अब युवाओं के लिए सुविधा नहीं, बल्कि संकट का कारण बनता जा रहा है। सरकार द्वारा 31 मार्च 2025 के बाद बने प्रमाण पत्रों को ही वैध मानने की शर्त पहले से बने वैध दस्तावेजों को अस्वीकार करने जैसा अन्याय है। इससे हजारों पात्र युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हजारों युवाओं ने ओबीसी, अनुसूचित जाति (एससी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन किया है, लेकिन या तो पोर्टल बार-बार क्रैश हो रहा है, ओटीपी नहीं आ रहा या फिर प्रमाण पत्रों में जाति की गलत प्रविष्टि हो रही है। यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से सामाजिक न्याय से वंचित करने की साजिश प्रतीत होती है।

सरकार द्वारा 31 मार्च 2025 के बाद बने प्रमाण पत्रों को ही वैध मानने की शर्त पहले से बने वैध दस्तावेजों को अस्वीकार करने जैसा अन्याय है। इससे हजारों पात्र युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। इतना ही नहीं जाति प्रमाण की जगह मृत्यु प्रमाण मांगा जाता है तो कभी कभी डाटा अपलोड ही नहीं होता।

सांसद ने सरकार से मांग की है कि सरल पोर्टल को तुरंत तकनीकी रूप से स्थिर और उपयोगी बनाया जाए, 31 मार्च 2025 के बाद की अनिवार्यता को हटाया जाए और पूर्व में बने वैध प्रमाण पत्रों को मान्यता दी जाए, जो जाति प्रमाण पत्र गलत छप रहे हैं, उन्हें तत्परता से संशोधित कर फिर से जारी किया जाए, अंतिम तिथि को आगे बढ़ाना केवल दिखावा न हो, बल्कि उसके पहले पोर्टल की सभी खामियाँ दूर की जाए, सामाजिक न्याय के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में होगा शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन

चंडीगढ़, 15 जून (एजेंसियां)। आगामी 3 और 4 जुलाई को आयोजित होने वाला शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन का स्थान तय हो गया है। यह सम्मेलन गुरुग्राम स्थित गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। पहले यह सम्मेलन गुरुग्राम में किसी अन्य स्थान पर प्रस्तावित था, लेकिन व्यवस्थागत सुविधाओं और समुचित अवसंरचना को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम यूनिवर्सिटी को स्थल के रूप में चुना गया है। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण इस सम्मेलन की तैयारी बड़े स्तर पर करवा रहे हैं। आयोजन को भव्य और सफल बनाने के लिए लोक सभा सचिवालय, हरियाणा विधान सभा सचिवालय, शहरी स्थानीय निकाय विभाग और गुरुग्राम जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है।

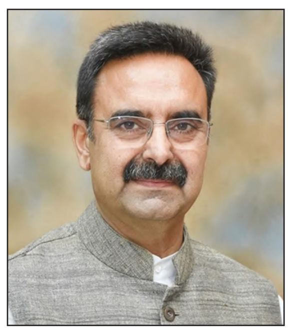

सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, नीति निर्माता, शहरी विकास के विशेषज्ञ, प्रशासक और शहरी शासन से संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करना हरियाणा विधान सभा के लिए गौरव का विषय है।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का मानना है कि इस सम्मेलन से शहरी शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे। इसलिए सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विस अध्यक्ष कल्याण स्वयं तैयारियों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने हरियाणा विधान सभा सचिवालय में आयोजित बैठक में प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए।

इससे पूर्व 5 जून को गुरुग्राम में भी तैयारियों को लेकर अहम बैठक की गई थी, जिसमें व्यवस्थाओं की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया गया। हर व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है ताकि कार्यक्रम में किसी प्रकार की कोई कमी न रह जाए। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का भी आभार प्रकट किया, जिन्होंने हरियाणा विधान सभा को इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी का अवसर प्रदान किया है।

मंडियों में पिट रही किसान की मक्का आंखें बंद कर बैठी भाजपा : हुड्डा

चंडीगढ़, 15 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि एकबार फिर मंडियों में किसान की मक्का पिट रही है और सत्ताधारी बीजेपी आंखें बंद करे बैठी है। कुरुक्षेत्र, अंबाला, करनाल, कैथल और आसपास के क्षेत्रों की मंडियों में मक्की की आवक जोरो पर है। लेकिन किसानों को 2400 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी की बजाए सिर्फ 1000 से 1400 रुपये का ही रेट मिल रहा है। पूरी तरह सूख चुकी फसल का रेट भी ज्यादा से ज्यादा 1800 रुपये ही मिल रहा है। हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सरकार सत्ता में आने के बाद से न सिर्फ मक्की, बल्कि धान, गेहूं समेत तमाम फसलों की एमएसपी के लिए किसान तरस रहे हैं। इस सरकार ने तो बाकायदा कानून लाकर एमएसपी को खत्म करने की भी प्लानिंग कर ली थी। लेकिन किसान आंदोलन के चलते उसे कानून वापिस लेने पड़े। लेकिन अब सरकार अप्रत्यक्ष तरीके से अपने मंसूबों को अंजाम दे रही है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि सरकार द्वारा लगातार किसानों पर दबाव बनाया जाता है कि धान छोड़कर मक्का की खेती करो। इसके लिए हर साल प्रोत्साहन राशि का भी ऐलान किया जाता है। लेकिन हर बार किसानों को धोखा ही हाथ लगता है। ना उन्हें प्रोत्साहन राशि मिल पाती है और ना ही एमएसपी। बीजेपी ने चुनावों से पहले वादा किया था कि सत्ता में आते ही धान को 3100 रुपये प्रति क्विंटल के रेट पर खरीदेंगे। बहकावे में आकर काफी किसानों ने बीजेपी वोट की। लेकिन सत्ता हथियाते ही उसने अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया। 3100 रुपये तो क्या, किसानों को एमएसपी तक नहीं दी गई।

हुड्डा ने बताया कि बीजेपी सरकार की नीतियों के कारण किसानों को लागत से भी कम दाम पर अपनी फसल बेचनी पड़ती है। 2025-26 विपणन सीजन के लिए गेहूं की एमएसपी 2425 रुपये प्रति क्विंटल और धान की एमएसपी 2300 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है, लेकिन ये रेट सिर्फ कागजी साबित होते हैं। क्योंकि किसानों को मंडियों में गेहूं और धान 300 से 400 रुपये कम रेट पर बेचने को मजबूर होना पड़ता है। हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी किसानों के साथ विश्वासघात करना छोड़कर सभी फसलों के लिए एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित करे, ताकि किसानों को उनकी मेहनत का उचित दाम मिल सके।

राज्यपाल कटारिया ने अहमदाबाद विमान हादसे पर जताया दुख, बोले

जांच के बाद ही सामने आएगी वजह

जोधपुर, 15 जून (एजेंसियां)। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया रविवार को जोधपुर पहुंचे, यहां उन्होंने हाल ही में अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ये हादसा पूरे विश्व को झकझोरने वाला था। जोधपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कटारिया ने कहा, यह पूरे विश्व का पहला ऐसा हादसा है, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया। इस त्रासदी ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया को दहला दिया है। इस हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। हादसे का सटीक कारण तो जांच के बाद ही सामने आएगा, लेकिन मेरी जानकारी में यह पहला ऐसा हादसा है, जिसने इतना बड़ा प्रभाव छोड़ा। पीड़ित परिवारों के प्रति मैं अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और इस दुख की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है। इस तरह की त्रासदियों से सबक लेना जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

जोधपुर में अपने दौरे के बारे में जानकारी साझा करते हुए कटारिया ने कहा कि वे सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए नित्यानंद राय को मिले पद्म श्री सम्मान के अवसर पर आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में भाग लेने आए हैं। नित्यानंद महाराज ने समाज सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया है। उनके इस सम्मान से न केवल जोधपुर, बल्कि पूरे राजस्थान का गौरव बढ़ा है। मैं इस समारोह में शामिल होकर गर्व महसूस कर रहा हूं। इसके अलावा कटारिया ने जोधपुर में निर्माणाधीन धर्मशाला के दौरे की भी योजना बनाई है। उन्होंने कहा, यह धर्मशाला सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। इसका निर्माण जोधपुर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्थानीय समुदाय को एकजुट करने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

राजसमंद में राइजिंग स्टार्स का सम्मान: ये प्रतिभाएं राजस्थान का गौरव : खेल मंत्री राठौड़

राजसमंद, 15 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के युवा एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज राजसमंद में आयोजित 'राइजिंग स्टार्स ऑफ राजसमंद' सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और अनुशासन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, राजसमंद की प्रतिभाएं न केवल जिले का बल्कि समूचे राजस्थान और देश का गौरव हैं। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे आयोजन छात्रों को आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। राठौड़ ने शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि आज का यंग इंडिया हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। 'राइजिंग स्टार्स ऑफ राजसमंद' सम्मान समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने की। उन्होंने बताया कि यह मंच स्वर्गीय किरण माहेश्वरी जी के सपनों को साकार करने का एक माध्यम है, जो शिक्षा और युवा विकास के प्रति समर्पित थीं। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'राइजिंग राजस्थान' विजन को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

कर्नल राठौड़ ने किया राजसमंद स्टेडियम का निरीक्षण

राजसमंद, 15 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज राजसमंद जिले में स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों से मुलाकात की और क्षेत्र में खेलों की वर्तमान स्थिति तथा उपलब्ध सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर खेल प्रशिक्षण सुविधाओं को बेहतर बनाने और नई प्रतिभाओं को खोजने पर विशेष जोर दे रही हैं।

केदारनाथ हेलिकॉप्टर क्रैश में जयपुर के पायलट की मौत

जयपुर/गौरीकुंड, 15 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के गौरीकुंड के पास रविवार सुबह हुए दर्दनाक हेलिकॉप्टर हादसे ने सात परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया। इस भीषण दुर्घटना में जयपुर के रहने वाले पायलट राजवीर सिंह (37) भी शामिल थे, जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। सेना से लेफ्टिनेंट कर्नल के पद से रिटायर होने के बाद राजवीर ने सिविल एविएशन में उड़ान भरी थी, लेकिन यह उड़ान आखिरी साबित हुई।

राजवीर का आखिरी संदेश : सुबह लगभग 5:20 बजे, राजवीर ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को आखिरी बार मैसेज किया-लेफ्ट टर्न ले रहा हूं कुछ ही क्षणों बाद उनका हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के जंगलों में क्रैश हो गया। तीन हेलिकॉप्टरों का जत्था उड़ान पर था। दो सुरक्षित लैंड कर गए, लेकिन तीसरे-जिसे राजवीर उड़ा रहे थे काली खाई में अपना संतुलन खो दिया।

राजवीर के पिता गोविंद सिंह, जो बीएसएनएल से रिटायर्ड हैं, ने भरे गले से बताया-हमें सुबह 7:30 बजे फोन आया, कि हादसा हो गया है। अफसरों ने बताया कि राजवीर ने लैंडिंग से ऐन पहले 'लेफ्ट टर्न' की सूचना दी थी... फिर कोई संपर्क नहीं रहा।

आखिरी मैसेज था - लेफ्ट टर्न ले रहा हूं, फिर हुआ हादसा

अभी 4 महीने पहले ही जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ था। परिवार जलवा पूजन की तैयारियों में लगा था। घर में खुशियों की लहर थी, लेकिन एक ही सुबह में सब कुछ थम गया। राजवीर सिंह ने करीब 14 वर्षों तक भारतीय सेना में सेवा दी। वहां से लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में रिटायर होने के बाद उन्होंने आर्यन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड में पायलट के रूप में करियर शुरू किया। पिछले 9 महीनों से केदारनाथ रूट पर हवाई सेवा दे रहे थे।

उनकी पत्नी दीपिका चौहान भी लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। दोनों ने 14 साल पहले विवाह किया था। इस साल मार्च में ही वे माता-पिता बने थे। अब वह परिवार, जिसमें अभी जीवन ने करवट ली थी, शोक की स्याही में डूब चुका है।

राजवीर एक अनुशासित सैन्य परिवार से थे। उनकी दृढ़ता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण थे वे। उनके पिता ने कहा-हमने कभी नहीं सोचा था कि हेलिकॉप्टर उड़ाना इतना जोखिम भरा होगा। सेना से लौटने के बाद तो सोचा था कि अब जीवन थोड़ा शांत होगा... पर भगवान को कुछ और ही मंजूर था।

गढ़वाल रेंज के आईजी (इंस्पेक्टर जनरल) के अनुसार, हादसा इतना भीषण था कि डेड बॉडी की पहचान मुश्किल हो रही है। शवों को ऊछ- जांच के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। टीम को जंगल में दुर्घटनास्थल तक पहुंचने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी।राज्य सरकार ने दुर्घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। आर्यन एविएशन ने भी जांच में पूरा सहयोग देने की बात कही है।

राजवीर के बड़े भाई ने मीडिया से कहा-छोटे भाई की मौत की सूचना के बाद मैं खुद टूट गया हूं... राजवीर से आखिरी बात दो दिन पहले हुई थी। वह बहुत खुश था। बच्चों की तस्वीरें भेजी थी। कभी सोचा नहीं था कि अब वो सिर्फ तस्वीरों में ही रहेगा।

पारिवारिक और राष्ट्रीय क्षति : यह केवल एक पायलट की मौत नहीं है। यह एक पिता, एक पति, एक बेटे और एक देशभक्त का दुखद अंत है। केवल जयपुर नहीं, पूरा राजस्थान और पूरा देश इस दर्द को महसूस कर रहा है।

नरम आवाज में गोविंद सिंह का अंतिम वाक्य...मेरा बेटा ड्यूटी कर रहा था देश की सेवा कर रहा था मुझे उस पर गर्व है लेकिन मेरे पोतों के माथे से पिता का साया उठ गया यही सोचकर आंखें रुकती नहीं हैं।

60,244 पुलिसकर्मियों के नियुक्ति-पत्र वितरण में शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री

यूपी में परिवर्तनकारी युग लेकर आया योगी का शासनकाल : अमित शाह

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में रविवार को लखनऊ के वृंदावन योजना, सेक्टर 18 स्थित डिफेंस एक्स्पो ग्राउंड में आयोजित एक भव्य समारोह में 60,244 नवनियुक्त पुलिस कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। अपने संबोधन में अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारदर्शी और समावेशी भर्ती प्रक्रिया के लिए जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस ने न केवल भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और योग्यता आधारित बनाया, बल्कि हर जाति, जिले और तहसील के युवाओं को अवसर प्रदान कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। शाह ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि इन नियुक्तियों में न खर्च, न पर्ची, न सिफारिश और न ही जाति के आधार पर कोई भेदभाव हुआ, बल्कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता के आधार पर सम्पन्न हुई।

अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश का सबसे बड़ा पुलिसबल है और आज 60,244 युवा इसके अभिन्न अंग बन रहे हैं। उन्होंने इस दिन को नवनियुक्त कार्मिकों के जीवन का सबसे शुभ दिन करार देते हुए कहा कि यह गौरव का क्षण है। शाह ने बताया कि इनमें 12 हजार से अधिक बेटियां भी शामिल हैं, जिनके चेहरों पर खुशी देखकर उन्हें अपार सुकून मिला। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षित पदों का शत-प्रतिशत लाभ उत्तर प्रदेश में सुनिश्चित किया गया है, जो योगी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। शाह ने उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद आए बदलावों की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद से उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती रही थी, लेकिन 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के बाद यूपी पुलिस ने नई बुलंदियों को छूना शुरू किया। उन्होंने कहा कि योगी ने औद्योगिक विकास, शिक्षा, कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचा, बिजली और नल से जल जैसी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर एक परिवर्तनकारी युग की शुरुआत की है। शाह ने रेखांकित करते हुए कहा कि यूपी अब दंगों का गढ़ नहीं रहा, बल्कि दंगामुक्त हो चुका है, और गुंडों का फरमान अब नहीं चलता। उन्होंने नवनियुक्त कार्मिकों से इस परंपरा को और मजबूत करने का आह्वान किया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग, जैसे कि कैमरे, कंट्रोल रूम, कमांड सेंटर, पी-सीआर वैन और 150 से अधिक ऑन-व्हील फॉरेंसिक साइंस लैब वैन ने इस प्रक्रिया को और निष्पक्ष बनाया है।

शाह ने दावा किया कि 60,244 युवाओं में से किसी को भी एक पाई की रिश्वत नहीं देनी पड़ी, जो किसी भी शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह भर्ती प्रक्रिया न केवल पारदर्शी थी, बल्कि इसमें हर वर्ग और क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पुलिसबल के आधुनिकीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, और भारतीय साक्ष्य संहिता जैसे नए कानूनों के लागू होने से अगले पांच वर्षों में देश में ऐसी व्यवस्था बनेगी, जिसमें किसी भी एफआईआर से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का न्याय तीन साल के भीतर मिल सकेगा। इसके अलावा, सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स), आईसीजेएस (इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) और फॉरेंसिक साइंस जैसी तकनीकों ने पुलिस व्यवस्था को और मजबूत किया है।

अमित शाह ने अपने संबोधन में देश के आर्थिक और सामाजिक प्रगति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और 60 करोड़ लोगों को गैस सिलेंडर, शौचालय, नल से जल, मुफ्त इलाज और किसानों को आर्थिक सहायता जैसी योजनाओं का लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि 2014 में भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन आज यह चौथे स्थान पर है और 2027 तक यह तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 143 से अधिक शहरों में मेट्रो ट्रेन, 150 से अधिक हवाई अड्डे, और नई शिक्षा नीति जैसे कदमों से हर युवा को अवसर प्रदान किए हैं।

शाह ने नक्सलवाद और आतंकवाद के खिलाफ सरकार की सख्त नीति की भी चर्चा की। उ

न्होंने कहा कि 11 राज्यों में फैला नक्सलवाद अब केवल तीन जिलों तक सीमित रह गया है, और 31 मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ भी मोदी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। शाह ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा तीन बार आतंकी हमलों का प्रयास किया गया, लेकिन भारत ने हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया और आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना ने आतंकियों के मुख्यालयों को चूर-चूर कर दिया।

अमित शाह ने नवनियुक्त कार्मिकों से कहा कि वे अमृत काल में यूपी पुलिस का हिस्सा बन रहे हैं और 2047 तक जब भारत विश्व में सर्वप्रथम स्थान पर होगा, तब यूपी का योगदान सबसे बड़ा होगा। उन्होंने युवाओं से सुरक्षा, सेवा और संवेदनशीलता के मंत्र के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। शाह ने कहा कि यूपी पुलिस का डर गुंडों और माफियाओं पर सख्त होना चाहिए, लेकिन गरीब, पिछड़े, और आदिवासी समुदायों के लिए पुलिस को मसीहा के रूप में दिखना चाहिए। शाह ने अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, काशी में विश्वनाथ धाम के पुनरुद्धार, ट्रिपल तलाक की समाप्ति और नए वक्फ कानून जैसे सांस्कृतिक और सामाजिक सुधारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचकर इतिहास रचा और उस स्थान को शिव शक्ति नाम दिया गया।

ट्रेनिंग में जितना पसीना बहाएंगे, जीवन में उतना ही कम खून बहेगा: योगी

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। वर्दीधारी ट्रेनिंग में जितना पसीना बहाएंगे, जीवन में उतना ही कम खून बहेगा। महाकुंभ में पुलिस की भूमिका एक मिसाल थी। यहां आने वाले हर इंसान ने पुलिस के व्यवहार की प्रशंसा की। अगर हम वहां कर सकते हैं, तो हर जगह कर सकते हैं। पुलिस बल केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का प्रतीक बन रहा है। यूपी पुलिस में 60,244 पुलिसकर्मियों की भर्ती एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष के कार्यकाल ने नए भारत के रूप में प्रत्येक भारतीय के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60,244 नवनियुक्त पुलिसकर्मियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 60,244 नवनियुक्त पुलिसकर्मियों का नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम देश के सबसे बड़े सिविल पुलिस बल में अब तक का सबसे बड़ा नियुक्ति कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि यह महज एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के स्मार्ट पुलिसिंग विजन को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार हावी था। पैसे और सिफारिश के बिना नौकरी मिलना असंभव था, लेकिन अब यह सब बीते जमाने की बात हो चुकी है। हमने संविधान प्रदत्त आरक्षण का पालन करते हुए पूरी प्रक्रिया को मेरिट और पारदर्शिता के आधार पर सम्पन्न किया। सीएम ने कहा कि भर्ती में किसी भी जाति, धर्म, वर्ग या क्षेत्र के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया। प्रदेश में भर्तियों में दलित, पिछड़े, जनजातीय, गरीब, बेटियों सबको समान अवसर मिला है। यह नया उत्तर प्रदेश है, जहां मेरिट के आधार पर हर युवा को न्याय मिल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में प्रदेश के युवाओं को साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गईं है। वहीं अकेले यूपी पुलिस में करीब सवा दो लाख भर्तियां की गई हैं। यह केवल संख्या नहीं, बल्कि प्रदेश को दंगा मुक्त, भयमुक्त और निवेश समर्थ प्रदेश बनाने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसी के साथ डबल इंजन की सरकार ने परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता क्या होती है, इसका उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि इस भर्ती में गरीब से गरीब परिवार का बेटा भी शामिल हुआ है। अब वह भी सिपाही बनकर प्रदेश की जनता की सेवा में योगदान दे पाएगा। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मार्ट पुलिसिंग के सूत्र स्ट्रिक्ट एंड सेंसिटिव, मॉर्डन एंड मोबाइल, अलर्ट एवं अकाउंटेबल, रिलायबल एंड रिस्पांसिबल और टेक्न-ोसैवी एंड ट्रेंड का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने इन सिद्धांतों को जमीनी हकीकत बना दिया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि वर्ष 2017 में जब हमने भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी, तब केंद्रीय गृह मंत्री ने पैरामिलिट्री और मिलिट्री ट्रेनिंग संसाधन उपलब्ध कराने में बड़ी भूमिका निभाई थी। अब हमने राज्य में ही 60,000 से अधिक पुलिस ट्रेनिंग की क्षमता विकसित कर ली है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में फॉरेंसिक क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है।

ईमानदार भर्ती प्रणाली से बदली हजारों परिवारों की तकदीर

60,244 युवाओं को एक साथ मिला नियुक्ति पत्र, पारदर्शिता की मिसाल

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। राजधानी लखनऊ के वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड रविवार को एक ऐतिहासिक दृश्य का साक्षी बना, जब पहली बार राज्य में एक साथ 60,244 नव चयनित आरक्षियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इस विशाल नियुक्ति समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में हजारों नव नियुक्त आरक्षियों की आंखें खुशी से नम थीं, क्योंकि इनमें से हजारों की संख्या में नियुक्त आरक्षी अपने-अपने परिवार की पहली पीढ़ी के सरकारी कर्मचारी हैं।

फिरोजाबाद जिले के हरदासपुर की रौशनी उन हजारों युवाओं में से एक हैं, जिन्होंने आज अपने परिवार की पहली सरकारी नौकरी का गौरव हासिल किया। रौशनी के पिता अमीर सिंह किसान हैं और मां मीरा देवी गृहणी। दो भाइयों की अकेली बहन रौशनी ने बताया कि हमारे परिवार में पहले कोई भी सरकारी नौकरी में नहीं था। दादा-चाचा सभी खेती-किसानी करते हैं। आज मैंने नियुक्ति पत्र लिया, यह मेरे लिए गर्व का पल है। रौशनी ने योगी सरकार की पारदर्शी प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि फॉर्म भरने से लेकर चयन तक किसी को एक भी पैसा नहीं देना पड़ा।

इसी तरह बांदा के मरका गांव की प्रीति यादव ने भी अपने परिवार में पहली सरकारी नौकरी पाने का इतिहास रचा। प्रीति यादव ने जब अपने परिवार को बताया कि उनका चयन यूपी पुलिस में हो गया है, तो घर में जैसे त्यौहार मन गया। प्रीति तीन भाइयों में अकेली बहन हैं और पहली सदस्य हैं जो सरकारी नौकरी में जा रही हैं। तीन भाइयों की अकेली बहन प्रीति के पिता दिनेश यादव प्राइवेट नौकरी करते हैं और मां राजपति गृहणी हैं। प्रीति ने कहा, मैं मुख्यमंत्री योगी जी को धन्यवाद देती हूं, जिन्होंने बिना किसी भ्रष्टाचार के यह मौका दिया। पहले लोग कहते थे कि बिना पैसे सरकारी नौकरी नहीं मिलती, लेकिन आज यह धारणा टूट गई।

देवरिया के आशीष गौतम की कहानी भी प्रेरणादायक है। दलित समुदाय से आने वाले आशीष के माता-पिता मजदूरी करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार सीएम योगी को कहते सुना था कि अब भ्रष्टाचार नहीं होगा। मुख्यमंत्री योगी के भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती के वादे पर भरोसा किया, उनके भरोसे पर मैंने मेहनत की और आज यूपी पुलिस में आरक्षी बन गया। आशीष ने बताया कि उनके परिवार में दो भाई और तीन बहनें हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में अब प्रतिभा के आगे कोई भेदभाव नहीं टिकता। अब वे ईमानदारी से नौकरी कर अपने परिवार की जिम्मेदारी संभालेंगे।

देवरिया के ही हरिरामपुर गांव के राजकुमार यादव की आंखें खुशी से नम थीं। उनके पिता राम अधार यादव अब इस दुनिया में नहीं हैं।

पिता को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आज पिताजी होते तो बहुत खुश होते। पांच भाइयों और तीन बहनों में चौथे नंबर के राजकुमार ने योगी सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की तारीफ की और कहा कि पहले कहा जाता था कि सरकारी नौकरी के लिए खेत तक बिक जाते हैं, लेकिन आज बिना एक पैसे दिए यह मौका मिला, यूपी में अब सरकारी नौकरी पाने में खेत नहीं बेचने होंगे। योगी सरकार प्रतिभा को सम्मान दे रही है।

श्रावस्ती के अवधेश प्रसाद, महोबा के सुखदेव वर्मा, अमेठी के अखिलेश यादव जैसे हजारों युवा आज अपने चेहरे पर मुस्कान लिए नियुक्ति पत्र लेने पहुंचे। इनमें से ज्यादातर अपने परिवार में पहली बार सरकारी नौकरी पाने वाले हैं। यह भर्ती न केवल रोजगार का अवसर दे रही है, बल्कि शिक्षा और सामाजिक बदलाव की नई कहानी भी लिख रही है। यह भर्ती सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को साकार करती है। इस प्रक्रिया में हाईटेक तकनीक का उपयोग, बायोमेट्रिक सत्यापन और सीसीटीवी निगरानी ने पारदर्शिता सुनिश्चित की।

यूपी पुलिस के लिए चयनित लड़कियों ने कहा

योगी की निष्पक्ष नीति से बनीं देश की सिपाही

12 हजार से अधिक बेटियों को मिला रोजगार का अवसर

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार पुलिस विभाग में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को एक साथ नियुक्ति पत्र सौंपे गए। गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60,244 नव चयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस नियुक्ति प्रक्रिया में 12 हजार से अधिक लड़कियों को भी रोजगार का अवसर मिला है। जिससे प्रदेश भर में खासकर युवतियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। नव चयनित अभ्यर्थियों ने एक सुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की सराहना की।

बरेली की लवी चौहान ने कहा कि हमें मेहनत का फल मिला है। सीएम योगी की वजह से ईमानद-ारी से भर्ती संभव हो सकी है। एक भी रुपए कहीं देने की जरूरत नहीं पड़ी। वहीं, बरेली की इजमा बी ने कहा कि पहली बार योग्यता के आधार पर इतनी बड़ी संख्या में नौकरी मिली है। वहीं प्रीति अपने खानदान की पहली सरकारी नौकरी पाने वाली युवती बन गई हैं। उन्होंने कहा, यह सब सीएम योगी की नीतियों की वजह से संभव हो पाया है। फिरोजाबाद की नीति यादव और बरेली की राधा पाल ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब बेटियों को बराबरी का अवसर मिल रहा है। योगी सरकार की ईमानदार व्यवस्था से हजारों युवाओं के घरों में रोजगार का उजाला पहुंचा है। यह ऐतिहासिक भर्ती अभियान योगी सरकार की सुशासन और पारदर्शिता की मिसाल बनकर उभरा है। जहां एक ओर युवाओं को रोजगार मिला, वहीं दूसरी ओर लड़कियों को भी सम्मान और आत्मनिर्भरता की राह मिली।

प्रयागराज के अनुराग शर्मा ने बताया कि पहले की सरकार के दौरान पैसे वालों को ही नौकरी मिलती थी, लेकिन अब मेहनत करने वालों को मौका मिल रहा है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था का परिणाम है। अमेठी के निवासी अखिलेश यादव ने बताया कि वे अपने परिवार के पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें सरकारी नौकरी मिली है। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त नीतियों के कारण ही संभव हो पाया है।

रोजगार के महाकुंभ में अनुशासन और सुव्यवस्था का संगम

18 मंडलों से आए अभ्यर्थियों के बैठने की थी समुचित व्यवस्था

भीषण गर्मी में पानी और चिकित्सा इंतजाम से खुश थे अभ्यर्थी

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। रविवार को जब सूर्य उदय हुआ तो 60,244 से अधिक युवाओं के सपनों को पंख लग गए। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक तरफ प्रयागराज महाकुंभ में जहां 66 करोड़ श्रद्धालु उमड़े तो वहीं रविवार को 60,244 अभ्यर्थी एक साथ रोजगार के महाकुंभ में नियुक्ति पत्र लेने पहुंचे। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ पहुंचे अभ्यर्थियों के बावजूद यहां अनुशासन और सुव्यवस्था का जो संगम दिखा, सभी ने मुक्तकंठ से इसकी प्रशंसा की। प्रतिकूल मौसम में अनुकूल व्यवस्था पाकर अभ्यर्थियों ने योगी सरकार का आभार जताया।

60,244 से अधिक अभ्यर्थियों के साथ ही सुरक्षा और व्यवस्था में तैनात अधिकारी/कर्मचारी, फिर भी अनुशासन ऐसा कि जिसने भी देखा, मुरीद हो गया। बसों से आये नवचयनित अभ्यर्थी आयोजन स्थल पर एक साथ पंक्ति में जाकर बैठे। खाकी पैंट, सफेद शर्ट, सफेद टोपी पहने पुरुष अभ्यर्थी व सलवार सूट/साड़ी में 12000 से अधिक महिला अभ्यर्थियों का अनुशासन देखते ही बन रहा था। विपरीत मौसम भी ऐतिहासिक नियुक्ति पत्र वितरण में आए अभ्यर्थियों का हौसला न डिगा पाया। यहां अभ्यर्थी अपने जनपद से आए अधिकारियों के साथ अपने मंडल को निर्धारित ब्लॉक में जाकर बैठ गए। वहीं उन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आयोजन स्थल का निरीक्षण किया था। उन्होंने व्यवस्थाओं के निमित्त कई निर्देश भी दिए थे। आयोजन स्थल पर भीषण गर्मी को देखते हुए पानी की समुचित व्यवस्था की गई थी। वहीं मेडिकल टीम भी पूरी तरह से मुस्तैद रही। यहां आए लोगों के लिए फर्स्ट एड समेत अन्य व्यवस्था की गई थी। सभी 18 मंडल से आए अभ्यर्थियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए छह ब्लॉक में अभ्यर्थियों की व्यवस्था की गई। ए से एफ तक मंडल के अनुसार बैठने, नियुक्ति पत्र वितरण की समुचित व्यवस्था की गई थी।

मालदीव और भारत के बीच 40 करोड़ डॉलर अदला-बदली से विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

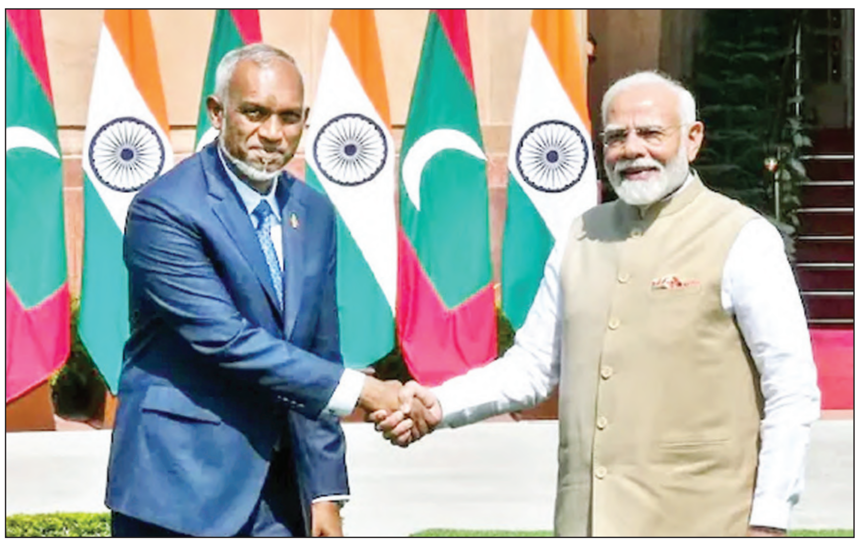

माले, 15 जून (एजेंसियां)।

मालदीव में एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जो विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है। भारत और मालदीव के बीच हुई 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मुद्रा अदला-बदली के बाद सरकार ने इसे स्वीकार किया है।

इस समझौते ने मालदीव की सीसी रेटिंग की पुष्टि कर दी है। भारतीय उच्चायोग ने इस समझौते की सराहना करते हुए कहा कि यह मालदीव के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि लाने में सहायक साबित होगा।

इस अनुबंध के तहत 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लेन-देन हुआ, जिससे मालदीव को आर्थिक मजबूती मिल सकती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण (एमएमए) के बीच इस मुद्रा अदला-बदली के बारे में अक्टूबर 2024 को एक समझौता हुआ था। यह अनुबंध मालदीव के लिए फिच क्रेडिट रेटिंग द्वारा उल्लिखित बाहरी नकदी तनाव को कम कर सकता है।

इस समझौते के माध्यम से, भारत और मालदीव के बाहरी भंडारों में सुधार होने की संभावना है, जिससे दोनों देशों को आर्थिक सुरक्षा मिल सकती है। यह समझौता भारत और मालदीव के बीच मजबूत आर्थिक मित्रता का संकेत हो सकता है।

अमेरिका में बिकने वाले 97 फीसदी आईफोन भारत में बने

नई दिल्ली। एपल ने अमेरिका में बिकने वाले अपने आईफोन की विपरीत स्थिति में सततता बनाए रखने के लिए भारत में नेटवर्क को मजबूत कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च से मई 2025 के बीच, भारत से जितने भी आईफोन एक्सपोर्ट किए गए, उनमें से 97 फीसदी अमेरिका को भेजे गए हैं। एपल ने इन आईफोन को अमेरिका के लिए भारत में बनाने का निर्णय लिया है। मई महीने में ही भारत से क़रीब 1 बिलियन डॉलर के आईफोन अमेरिका भेजे गए ताजा आंकड़ों के अनुसार सिर्फ मई महीने में ही भारत से क़रीब 1 बिलियन डॉलर के आईफोन अमेरिका भेजे गए हैं। इससे पता चलता है कि एपल अब अमेरिकी बाजार के लिए भारत में आईफोन की मानवाहन कर रही है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 23 मई को कहा था कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाती, तो उस पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

हीरो फिनकॉर्प ने आईपीओ पूर्व दोर में 260 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प की वित्तीय सेवा इकाई हीरो फिनकॉर्प ने अपने नए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पूर्व नियोजन दौर में 260 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे नए निर्गम का आकार 2,100 करोड़ रुपये से घटकर 1,840 करोड़ रुपये रह गया है। अब कुल आईपीओ 3,408 करोड़ रुपये है। इसमें मौजूदा निवेशकों की ओर से 1,568 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। पहले आईपीओ का कुल आकार 3,668 करोड़ रुपये था। कंपनी को मई में आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिली थी। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी का पूंजी आधार बढ़ाने के लिए किया जाएगा, ताकि भविष्य की कर्ज गतिविधियों के लिए कोष की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

अमेरिका ने आव्रजन नीतियां ठीक से लागू नहीं कीं : जेपी मॉर्गन

न्यूयॉर्क। जेपी मॉर्गन चेस के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेमी डिमन ने योग्यता आधारित आव्रजन के लिए समर्थन जताते हुए कहा है कि अमेरिका ने आव्रजन नीतियों को ठीक से लागू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपरिहार्य है। यह अपरिहार्य नहीं है क्योंकि हम बेहतर हैं। यह अपरिहार्य है क्योंकि हमारे पास दुनिया की सबसे अच्छी सेना है, दुनिया का सबसे समृद्ध राष्ट्र है, दुनिया की सबसे अच्छी अर्थव्यवस्था है, सबसे अच्छी प्रौद्योगिकी है, उस प्रौद्योगिकी की जड़ें हैं, हमारे पास जो आजादी हैं। यही वह है जो लोगों को यहां खींच कर लाया है। उनकी टिप्पणी पिछले सप्ताह सैन फ्रांसिस्को में डेटा प्लस एआई समिट-2025 में डेटाब्रिक्स के सीईओ और सह-संस्थापक अली घोडसी के साथ बातचीत के दौरान आई। डिमन ने कहा कि अमेरिका की भूमिका अपरिहार्य है। वह भूमिका आर्थिक है, वह सैन्य है, वह शिक्षा है, वह लोगों को यहां आने, यहां रहने की इच्छा रखने, और अधिक योग्यता की अनुमति दे रही है। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।

बोइंग ने अहमदाबाद विमान हादसे के बाद चीन को 787-9 विमान दिया

वाशिंगटन । अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के दो दिन बाद अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने चीन को एक नया 787-9 विमान सौंपा। इससे पहले अहमदाबाद में बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें 275 लोगों की मौत हुई थी। चीनी मीडिया के अनुसार बोइंग और जुनयाओ एयरलाइंस ने इस डिलीवरी पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। इसके बाद 9 जून को शियामेन एयरलाइंस के लिए भी एक बोइंग 737 मैक्स विमान चीन पहुंचा। मई में चीन ने विमान खरीदी पर लगाई थी रोक एक महीने पहले चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए थे। बोइंग और जुनयाओ एयरलाइंस ने इस डिलीवरी पर टिप्पणी करने से किया इनकार चीनी सरकार ने यह आदेश अमेरिका के 145 फीसदी टैरिफ के जवाब में दिया था। अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स की खरीद रोकने का आदेश भी दिया था। हाल ही में दोनों देशों के बीच लंदन में दो दिन की बातचीत हुई, जिसमें टैरिफ दरों पर एक समझौता हुआ। बोइंग के लिए चीन एक महत्वपूर्ण बाजार कोरोना महामारी से पहले, बोइंग के लगभग एक तिहाई 737 विमान देश में डिलीवर किए जा रहे थे। बोइंग के अनुमान के अनुसार अगले दो दशकों में चीन ग्लोबल एयरप्लेन डिमांड का 20 फीसदी हिस्सा होगा।

ब्याज दरों में कटौती के बाद हुआ निवेशकों का भरोसा मजबूत

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)।

विदेशी निवेशकों का भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद भरोसा मजबूत हुआ। यही वजह हैक कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346.94 करोड़ रुपए का निवेश किया।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई सप्ताह के पहले तीन कारोबारी सत्रों, 9 जून से 13 जून के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में सक्रिय खरीदार रहे। बाजार में सकारात्मक माहौल मुख्य रूप से आरबीआई द्वारा रेपो दर को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत करने के फैसले से जुड़ा था, जिसे कई लोगों ने आर्थिक विकास को समर्थन देने और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि ब्याज दरों में इस आश्चर्यजनक कटौती ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने में बड़ी भूमिका निभाई है, क्योंकि यह केंद्रीय बैंक के विकास समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

6 जून को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के निर्णय का निवेशकों ने स्वागत किया है। निवेशकों ने इसे अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कॉर्पोरेट आय में सुधार के लिए समय पर उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना। एक ओर जहां वैश्विक कारक बाजार की गतिविधियों को प्रभावित करना जारी रखते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत अपनी मजबूत बुनियादी बातों, नीति समर्थन और बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है।

विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय शेयर बाजार में 19,860 करोड़ रुपए निवेश किए, जिससे यह विदेशी निवेश के लिए साल का अब तक का सबसे अच्छा महीना बन गया। इस बीच, बाजार विश्लेषकों के अनुसार, इस सप्ताह भारतीय इक्विटी बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया और यह आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर समाप्त हुआ। हालांकि सप्ताह की शुरुआत अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के कारण सकारात्मक रही, लेकिन इजरायल द्वारा ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर हमले करने के बाद यह आशावाद जल्दी ही खत्म हो गया। इस घटना ने वैश्विक निवेशकों के बीच सतर्कता की लहर पैदा कर दी, जिससे वे सोने और अमेरिकी बॉन्ड जैसी सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ गए।

भारत में विदेशी निवेश के मोर्चे पर सिंगापुर का दबदबा

नई दिल्ली। भारत में सिंगापुर द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के बढ़ते मोर्चे पर एक नजर खींची जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सिंगापुर ने भारत में कुल 14.94 अरब डॉलर का एफडीआई किया, जो कुल विदेशी निवेश का लगभग 19 फीसदी है। यह सिंगापुर को भारत में सबसे बड़ा एफडीआई निवेशक बनाता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस वित्तीय वर्ष में कुल एफडीआई 14 फीसदी की वृद्धि से 81.04 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सिंगापुर ने भारत में कुल 14.94 अरब डॉलर का एफडीआई किया यह निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था के सकारात्मक संकेत के रूप में खड़ा है और देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सिंगापुर ने वर्ष 2018-19 से ही भारत में एफडीआई का बड़ा स्रोत बनाया है और 2023-24 में निवेश में 27 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। माना जा रहा है कि सरकारी नीतियों का असर भी इस में दिख रहा है। स्पष्ट रूप से, एफडीआई से सिंगापुर की भरोसेमंद भूमिका का महत्वपूर्ण हिस्सा है और निवेशकों के भरोसे को सुनिश्चित करता है।

भारत के पर्यटन उद्योग विकास में तेजी से विदेशी मुद्रा आय में भी वृद्धि की संभावना: रिपोर्ट

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)।

भारतीय पर्यटन उद्योग के विकास में तेजी से बढ़ोतरी के साथ-साथ विदेशी मुद्रा आय में भी काफी वृद्धि की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में विदेशी मुद्रा आय दर बढ़ी है और यह दर 2030 तक 4.5 लाख करोड़ को पार कर सकती है। इस बढ़ती दर से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन का हिस्सा भी सात प्रतिशत से अधिक हो सकता है।

भारत में पर्यटन के विकास से न केवल रोजगार की स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार भारतीय पर्यटन शीर्ष देशों में एक प्रमुख स्थान हासिल कर रहा है और मानव समृद्धि विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के पर्यटन क्षेत्र के इस विकास से ग्राहक और उद्योग दोनों ही फायदा उठा रहे हैं।

भारत एक प्रीमियम वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है

आगामी वर्षों में इस क्षेत्र में नए यात्रा रुझान उभरकर आ रहे हैं, जो इनोवेटिव ट्रैवल बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही, सरकार के पर्यटकों के समर्थन के प्रयास से भारत एक प्रीमियम वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।

साथ ही पर्यटन उद्योग में प्रौद्योगिकी के संचालन से ग्राहकों को अधिक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे उनकी संतुष्टि में वृद्धि हो रही है। आने वाले समय में सभी सेवाएं पूरी तरह से बहाल होने से पर्यटन क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में और भी सुधार हो सकता है।

बुखारेस्ट में लिंक एंड कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों को देखते हुए लोग

रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में लिंक एंड कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों को देखते हुए लोग। इस टेक एक्सो में नये उत्पाद पेश किये जाते हैं।

वैश्विक बाजारों में सुधार से घरेलू तेल तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद

नई दिल्ली,15 जून (एजेंसियां)।

वैश्विक बाजारों में खाने के तेल के भाव में तेजी देखने को मिल रही है, जिसका सीधा असर घरेलू तेल-तिलहन बाजार में देखा जा रहा है। पिछले सप्ताह सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहनों की कीमतें पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार के साथ बंद हुए।

शिकॉगो एक्सचेंज में 13 जून को सोयाबीन डीगम तेल के भाव में 56 डॉलर प्रति टन की बढ़ोतरी होने के बाद वहां बाजार में ऊपरी सर्किट लगाना पड़ा। इसके बाद डीगम के दाम में हुई बढ़ोतरी के असर से बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम में तेजी देखी गई। घरेलू बाजार में भी सोयाबीन के दाम में मजबूती आई है, इसके अलावा सरसों, मूंगफली जैसे अन्य तेल-तिलहन के दाम भी मजबूत हो गए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,725-6,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 250 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,485-2,585 रुपये और 2,485-2,620 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। इसके साथ ही सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन के भाव मजबूत बंद हुए हैं। सीपीओ तेल का दाम भी मजबूती के साथ 14,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसमें पामोलीन, पामोलीन एक्स कांडला तेल, बिनौला तेल के भाव भी बढ़े हैं। सूत्रों के मुताबिक इसमें सोयाबीन, मूंगफली और अन्य तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बदलाव देखने को मिल रहा है।

सरसों दादरी तेल का थोक भाव 250 रुपए बढ़कर 14,150 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने लॉन्च किया एक नया वैरिएंट स्कॉर्पियो-एन जेड4

जेड4 पेट्रोल ऑटोमेटिक की कीमत 17.39 लाख रुपए

नई दिल्ली,15 जून (एजेंसियां)।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी प्रसिद्ध एसयूवी, स्कॉर्पियो-एन का एक नया वर्शन, जेड4 ऑटोमेटिक लॉन्च किया है। यह नया वैरिएंट जेड2 के ऊपर प्रस्थापित किया गया है और इसके आने से स्कॉर्पियो-एन की ऑटोमैटिक वेरिएंट की कीमत में कमी आई है। जेड4 मॉडल में पहले सिर्फ मैनुअल गियरबॉक्स उपलब्ध था, लेकिन अब इसमें पेट्रोल और डीजल इंजन ऑप्शन के साथ 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन भी शामिल है। जेड4 पेट्रोल ऑटोमेटिक की कीमत 17.39 लाख रुपये है, जबकि डीजल ऑटोमेटिक की कीमत 17.86 लाख रुपये है। इस अपडेट से पहले स्कॉर्पियो-एन में ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन डीजल में जेड6 वेरिएंट और पेट्रोल में जेड8 सेलेक्ट वैरिएंट में था। नए जेड4 ऑटोमेटिक मॉडल की कीमत में दोनों वर्जनों में भारी कटौती हुई है। भारतीय बाजार में इसकी प्रतियोगिता है टाटा हैरियर और सफारी, जबकि इस कीमत में ह्युंडई क्रेटा और किया सेल्टोस भी शामिल है। स्कॉर्पियो-एन की पेट्रोल वेरिएंट में टर्बोचार्ज्ड इंजन है जो 203 एचपी पावर और 370 एनएम पीक टॉर्क उत्पन्न करता है।

एसबीआई कंजम्पशन ऑपर्च्युनिटीज फंड: अच्छे रिटर्न के साथ सर्वश्रेष्ठ फंडों में से एक

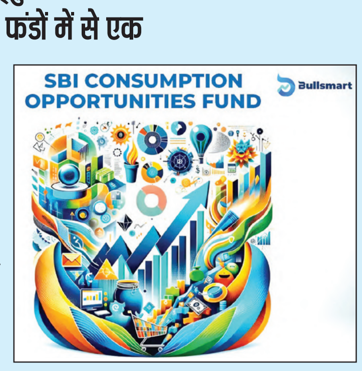

मुंबई। एसबीआई कंजम्पशन ऑपर्च्युनिटीज फंड, जिसे पहले एसबीआई एफएमसीजी फंड के नाम से जाना जाता था, ने विभिन्न अवधियों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिष्ठिता सिद्ध की है। इस फंड ने पिछले 26 वर्षों में 15.5 फीसदी का औसत वार्षिक रिटर्न देकर निवेशकों को खुश किया है। फंड का मुख्य उद्देश्य लॉन्ग टर्म कैपिटल ग्रोथ हासिल करना है और इस में भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी, जुबिलेंट फूडवर्क्स, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, और गणेश इकोस्पायर जैसे टॉप होल्डिंग्स हैं। फंड का सेक्टोरल एलोकेशन भी दृढ़ है, जिसमें उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्रों में 46 फीसदी का निवेश किया जाता है। इसके बारे में अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए एसबीआई कंजम्पशन ऑपर्च्युनिटीज फंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विश्वसनीयता भी बढ़ाती है। फंड ने लंबी अवधि में निवेशकों के लिए सुविधाजनक रिटर्न प्रदान किया है और उन्हें अच्छा मुनाफा उठाने का अवसर दिया है। निवेशकों के लिए यह एक विकल्प हो सकता है जो दुनियाभर में उपभोक्ता गुड्स और सर्विसेज सेगमेंट में निवेश करना चाहते हैं।

युवा अक्षत रघुवंशी की बल्लेबाजी के फैन हुए वेंकटेश अय्यर, बांधे तारीफों के पुल

ग्वालियर, 15 जून (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश टी20 लीग (एमपीएल) 2025 के पांचवें मुकाबले में इंदौर पिंक पैंथर्स ने जबलपुर रॉयल लायंस को 6 रन से हराकर सीजन की शानदार शुरुआत की। मैच के बाद टीम के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने युवा बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी की जमकर तारीफ की।

अय्यर ने कहा कि का असली हीरो अक्षत है। जिस तरह से उसने पूरे मैदान में शॉट्स लगाए, वह काबिले-तारीफ है। 21 साल की उम्र में मैंने इससे बेहतर टैलेंट नहीं देखा। मैं उसकी तरक्की के लिए दुआ करता हूं, भविष्य में वह बहुत आगे जाएगा।

अक्षत रघुवंशी ने मैच में 46 गेंदों पर 76 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी ने इंदौर को 20 ओवर में सात विकेट पर 183 रन तक पहुंचाया। जवाब में जबलपुर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 177 रन बना सकी। सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ पाटीदार ने 40, धर्मेश पटेल ने 55 रन और राहुल बाथम ने 58 रन बनाए। इनके अलावा अन्यकोई बल्लेबाज प्रभाव नहीं छोड़ सका इंदौर पिंक पैंथर्स की ओर से स्पिनर मिहिर हिरवानी ने 3 विकेट लिए। कप्तान वेंकटेश अय्यर ने भी गेंदबाजी में योगदान देते दो विकेट लिए। कुलवंत खेजरोलिया और पी. निरवानी ने एक-एक विकेट लिए।

अय्यर ने आगे कहा, मेरे लिए की सबसे बड़ी बात मेरी गेंदबाजी थी। काफी समय बाद गेंद डाली, अनुभव अच्छा रहा। टूर्नामेंट की अहमियत पर अय्यर ने कहा कि एमपीएल मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है। पिछली बार भी यहां से खिलाड़ी आईपीएल तक पहुंचे। ये सिर्फ एक मौका नहीं, बल्कि ज़िंदगी बदलने वाला मंच है। एमपीएल को इस बेहतरीन टूर्नामेंट के आयोजन का पूरा श्रेय जाता है। यह सिर्फ युवाओं के लिए नहीं, हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए भी एक अच्छा अभ्यास का मौका है। अंत में उन्होंने कहा, मैं नजर नहीं लगाना चाहता, लेकिन अक्षत और अर्पित से मुझे बहुत उम्मीदें हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद के चार खिलाड़ी झारखंड के लिए रवाना

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के चार रोल बॉल खिलाड़ी 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए रविवार को झारखंड के लिए रवाना हो गए। जिला रोल बॉल संघ के सचिव शाहवेज़ अली ने रविवार को बताया कि मुरादाबाद के शिवओम सैनी, गोविंद गौर, सचिन सैनी और खेतान सैनी 16 जून से 21 जून तक झारखंड के रांची के स्टेडियम में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर रोल बॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। शाहवेज़ अली ने आगे बताया कि 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता में देशभर से टॉप 10 राज्यों की टीमें प्रतिभाग करेंगी, जिसमे उत्तर प्रदेश,महाराष्ट्र, राजस्थान, केरल, कर्नाटक, झारखंड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, उड़ीसा, चंडीगढ़ की टीमें शामिल है। इस अवसर पर जिला रोलबॉल संघ के अध्यक्ष गौरव गुप्ता, डॉ विनोद कुमार, डॉ जी कुमार, डॉ अजय शर्मा, डॉ गरिमा शर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और बेहतर प्रदर्शन करने की कामना की।

विमान हादसे के कारण एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का अनावरण स्थगित

लंदन। अहमदाबाद में हुए एयरइंडिया विमान हादसे के कारण भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का अनावरण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। इस ट्रॉफी का अनावरण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीस) फाइनल के दौरान किया जाना था पर इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से बातचीत के बाद इसे स्थगित कर दिया। ईसीबी के एक अधिकारी ने कहा, भारत में हुई दुखद घटना को देखते हुए नई तारिख की घोषणा में कुछ समय लग सकता है। भारतीय बोर्ड इसके लिए सही समय का इंतजार करेगा। गौरतलब है कि पहले ये ट्रॉफी पटौदी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। इसका नाम तेंदुलकर-एंडरसन के नाम पर इसलिए रखा गया ताकि इन दोनो ही खिलाड़ियों के प्रति सम्मान प्रकट किया जा सके। जहां तेंदुलकर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलना और सबसे ज्यादा 15,921 टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड है। वहीं एंडरसन ने पिछले साल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। एंडरसन दूसरे सबसे ज्यादा 188 टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वे टेस्ट में तीसरे सबसे ज्यादा 704 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच 20 जून से लीड्स में 20 जून को खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने रणजी सहित घरेलू टूर्नामेंटों के प्रारुप में बदलाव किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी सहित सभी टूर्नामेंटो को अधिक

प्रतिस्पर्धी बनाने इसमें बदलाव किये हैं। बोर्ड की अपेक्स काउंसिल ने इस बदलाव के तहत ही अगले सत्र से इस टूर्नामेंट में एक-एक टीमों को प्रमोट करने के साथ ही रेलीगेट करने की भी घोषणा की है। ये बदलाव बोर्ड के सभी उम्र समूहों पर लागू होंगे। बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा है कि सभी एक से अधिक दिनों वाले मल्टी-डे मेंस टूर्नामेंट (सीनियर और जूनियर) में अगले साल 2026-27 सत्र से एक टीम को प्रमोट किया जाएगा। वहीं एक टीम को रेलीगेट किया जाएगा। अभी तक रणजी के हर सत्र के बाद 2 टीमों को प्लेट से एलीट ग्रुप में प्रमोट किया जाता था जबकि सबसे निचले स्थान पर रहने वाली 2 टीमों को एलीट से प्लेट ग्रुप में रेलीगेट किया जाता है। रणजी ट्रॉफी सत्र 2025-26 15 अक्टूबर से 28 फरवरी तक दो दौर में खेला जाएगा। रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 15 अक्टूबर से 19 नवंबर तक जबकि दूसरा चरण 22 जनवरी से एक फरवरी तक चलेगा। वहीं नॉकआउट मुकाबले छह से 28 फरवरी तक होंगे। दूसरी ओर दलीप ट्रॉफी को जोनल प्रारुप में शामिल किया गया है। यह इस सत्र का पहला टूर्नामेंट होगा। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से 15 सितंबर तक खेला जाएगा। वहीं ईरानी कप एक से पांच अक्टूबर तक होगा। टीम का चयन पहले की तरह ही क्षेत्रीय चयन समिति करेंगी। इसके अलावा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 टूर्नामेंट को सभी एकदिवसीय टूर्नामेंट में प्लेट डिवीजन को फिर से शामिल किया गया है। अब तक नॉकआउट चरण में टीमें क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेलती थीं पर इस सत्र से शीर्ष टीमों को सुपर लीग में तीन और मैच खेलने होंग। वहीं ग्रुप ए और बी की शीर्ष टीमें फाइनल में पहुंचेगी। इसके अलावा (बॉटम) नीचे की 6 टीमें प्लेट ग्रुप में शामिल होंगी जबकि एसएमएटी 26 नवंबर से 18 दिसंबर तक खेला जाएगा।

12 सेमीफाइनल हारने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम को मिली सफलता

जोहांसबर्ग, 15 जून (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम की मेहनत आंखिरकर रंग लायी और 12 सेमीफाइनल हारने के बाद उसे आईसीसी खिताब जीतने में सफलता मिल ही गयी। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने आईपीसी विश्वटेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) में ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब अपने नाम किया है। इस जीत में कप्तान टेम्बा बावुमा, बैटर ऐडन मार्करम और पेसर कगिसो रबाडा ने अहम भूमिका निभाई। अफ्रीकी टीम को करीब तीन दशक के बाद आईसीसी खिताब जीता है। इससे पहले उनने 1988 में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। साल 1991 में 22 साल प्रतिबंध के बाद विश्व क्रिकेट में वापसी करने वाली दक्षिण अफ्रीका इससे पहले तीनों प्रारुपों के अलग-अलग विश्व कप में एक फाइनल और सात सेमीफाइनल हारी थी। साल 1970 तक अफ्रीकी क्रिकेट टीम में सिर्फ श्वेत खिलाड़ियों को मौका मिलता था। दक्षिण अफ्रीका उन टीमों के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलता था जिनमें एक भी अश्वेत खिलाड़ी हो। इसलिए वह भारत, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान जैसी टीमों से नहीं खेलता था। दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति का भारत और वेस्टइंडीज ने कड़ा विरोध किया और अफ्रीका पर 22 साल का प्रतिंध लग गया था। यह बैन 1991 में तय समय से करीब एक साल पहले हटा। इसके बाद अफ्रीकी टीम सबसे पहले भारत दौरे पर पहुंची थी।

1992 में अफ्रीकी टीम ने पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। तब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की मेजबानी में हुए एकदिवसीय विश्वकप में दक्षिण अफ्रीकी टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। आईसीस टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत के बाद 1996 से 2015 तक टीम 6 में 5 बार नॉकआउट राउंड में पहुंची पर उसे यहां हार झेलनी पड़ी। टीम कभी क्वार्टर फाइनल तो कभी सेमीफाइनल हारकर बाहर हो गई। 2003 और 2019 में टीम नॉकआउट राउंड में भी नहीं पहुंच पायी।2023 में टीम ने फिर वापसी की पर वह सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गयी। इसके अलावा वह 2 बार न्यूजीलैंड और एक-एक बार वेस्टइंडीज और इंग्लैंड से भी नॉकआउट हारी। टीम ने एकमात्र नॉकआउट मैच 2015 में जीता, तब दक्षिण अफ्रीका ने क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका को हराया था।

भारत ए ने सरफराज के शतक से बनाये 6 विकेट पर 299 रन

बेकनहम। इंग्लैंड दौरे पर गयी भारतीय टीम अभ्यास के लिए भारत ए टीम से मैच खेल रही है। इस मैच के दूसरे दिन भारत ए के सरफराज खान ने शानदार शतक लगाया। सरफराज ने 76 गेंदों पर ही तेजी से खेलते हुए 101 रन बना दिया। सरफराज की अच्छी बल्लेबाजी से दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने 6 विकेट प 299 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय ईशान किशन 45 रन और

शार्दुल ठाकुर 19 रनों पर खेल रहे थ। सरफराज ने इस मैच में शतक लगाकर पहले टेस्ट के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। सरफराज ने इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में भी 92 रन बनाए थे। वहीं ऋतुराज गायकवाड़ इस मैच में असफल रहे और 2 गेंद ही खेल पाये। इसके बाद अभिमन्यु ईश्वरन ने 39 और साई सुदर्शन ने 38 रन बनाए। ये दोनों ही टेस्ट टीम में शामिल है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिए। वहीं नितीश कुमार रेड्डी ने एक खिलाड़ी को आउट किया। इस मैच में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह प्रभाव असफल रहे और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। वहीं इस मैच में भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने अर्धशतक लगाये हैं।

बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज के लिए कार्यक्रम घोषित किया

मुंबई, 15 जून (एजेंसियां)।

भारतीय टीम अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड से 5 टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी सीरीज के लिए कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। तय कार्यक्रम के अनुसार न्यूजीलैंड की टीम भारत से 11 जनवरी से 18 जनवरी तक तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। उसके बाद 21 जनवरी से 31 जनवरी तक 5 टी-20 मैच खेले जाएंगे। बोर्ड ने इन मैचों के लिए 8 स्थलों की घोषणा की है। एकदिवसीय मैच बड़ौदा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे जबकि नागपुर, रायपुर, गुवाहाटी, वाईजैक, त्रिवेंद्रम में टी-20 मैच खेले जाएंगे।

आठ स्थलों पर खेले जाएंगे मुकाबले

इस सीरीज के बाद भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से टी-20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे। ऐसे में कीवी टीम का ये दौरा भारतीय टीम की तैयारियों के लिए अहम रहेगा। इसमें भारतीय टीम को अपनी तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा भारतीय टीम ने पिछे टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर टी20 विश्वकप जीता था।

इस सीरीज के अलावा भारतीय टीम को इस सत्र मे वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम का वेस्टइंडीज से 2 टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया में सीमित ओवरों की सीरीज और दक्षिण अफ्रीका से तीनों प्रारुपों की सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम अभी इंग्लैंड दौरे पर है जहां उसे 20 जून से मेजबान टीम से पांच मैचों की सीरीज खेलनी है। वहां से वापसी के बाद भारतीय टीम को बांग्लादेश वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलना है इसके बीच में एशिया कप भी होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

25 से ज्यादा...

जब पुल का एक हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। यह हादसा अचानक हुआ और लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुल की हालत लंबे समय से खराब थी और इसकी शिकायतें प्रशासन तक पहले भी पहुंची थीं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। बीते कुछ दिनों से पुणे और उसके आसपास के क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही थी, जिससे इंद्रायणी नदी का जलस्तर बढ़ गया था और बहाव तेज था। इसी तेज बहाव और पुल की जर्जर हालत ने मिलकर इस हादसे को जन्म दिया। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस ने कहा कि फिलहाल मौके पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। पुलिस, प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों की मदद से लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

हैदराबाद के 5...

युवकों को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं था। नदी किनारे मौजूद परिवार के अन्य सदस्यों ने शोर मचाया। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिन्होंने विशेषज्ञ तैराकों की मदद से शवों को बाहर निकाला। हाल ही में ऊपरी इलाकों में हुई बारिश के कारण नदी में पानी का बहाव बढ़ गया था। शवों को भैंसा के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। गोदा-वरी घाट पर इस तरह की घटनाओं की एक श्रृंखला को देखते हुए, स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से पर्याप्त सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना में पांच युवकों की मौत की खबर से उन्हें दुख हुआ है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।मंत्री ने नदियों और सिंचाई परियोजनाओं पर जाने वाले लोगों को सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को जलाशयों, नदियों और परियोजनाओं पर लोगों को गहराई के बारे में सावधान करने के लिए बोर्ड लगाने का भी निर्देश दिया। प्रभाकर ने बताया कि जनवरी में हैदराबाद के पांच युवक कोंडापोचम्मा जलाशय में डूब गए थे। हैदराबाद के छात्र सेल्फी लेने के प्रयास में गहरे पानी में चले गए थे।

मंत्री ने कहा कि एक सप्ताह पहले जयशंकर भूपालपल्ली जिले के मेदिगड्डा बैराज में छह युवक डूब गए थे।

विजय रूपाणी...

शवों को रखने के लिए 170 ताबूत बनाने का ऑर्डर दिया गया है। इनमें से करीब 100 ताबूत वडोदरा से अहमदाबाद लाए गए हैं। बाकी के ताबूत बनाने का काम जारी है।अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर राहत आयुक्त एवं राजस्व विभाग के सचिव आलोक कुमार पांडेय ने कहा, 'मृतकों के परिजनों की सहायता के लिए 230 टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें परिजन को उनके गांव तक ले जाएंगी और अंतिम संस्कार तक उनके साथ बनी रहेंगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा ना हो।'विमान कंपनी बोइंग की रविवार को एक टीम अहमदाबाद प्लेन क्रैश साइट पर पहुंची। 12 जून को टेकऑफ के कुछ ही समय बाद ही बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

अहमदाबाद प्लेन...

पहला इलेक्ट्रिकल फेल्योर दूसरा दोनों ईंजन फेल या फिर तीसरा हाइड्रोलिक फेल्योर। स्टीव ने इस हादसे के एकमात्र सर्वाइवर विश्वास के बयान का भी सहारा लिया है। कैप्टन स्टीव ने पहली संभावना दोनों इंजन के एक साथ फेल होना बताया है, इसका मतलब ये हादसा लिफ्ट लॉस यानि जहाज के पंखों से पर्याप्त हवा न मिलने की वजह से हुआ हो सकता है। सटीव के मुताबिक विमान में पर्याप्त ताकत नहीं थी, जो उसे ऊपर की ओर उठाए रख सके। अगर ऐसा हुआ है तो विमान किसी बड़े पक्षियों के झुंड से टकराया होगा, जिस कारण दोनों इंजन खराब हो गए होंगे।पायलट फ्लैप्स लगाना भूल गए होंगे!दूसरा कारण ये हो सकता है कि विमान के टेकऑफ से पहले कुछ विशेष तकनीकी सेटिंग्स की जरूरत होती है, जिनमें मुख्य होता है फ्लैप्स को नीचे करना। फ्लैप्स जहाज के पंखों के वो हिस्से होते हैं, जो टेक ऑफ के दौरान लिफ्ट बढ़ाते हैं। कैप्टन स्टीव के मुताबिक अगर पायलट फ्लैप्स लगाना भूल गए होंगे, तो विमान हवा में टिक नहीं पाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा होने के भी चांस इसलिए कम हैं क्योंकि 787 जैसे आधुनिक विमान में अगर फ्लैप्स सेट नहीं होते, तो कॉकपिट में जोर-जोर से अलार्म बजने लगते हैं और स्क्रीन पर वॉर्निंग भी आती है। तीसरी संभावना ये हो सकती है कि पायलट ने गलती से गलत लीवर खींच दिया हो। स्टीव के मुताबिक विमान जैसे ही टेकऑफ करता है तो को-पायलट कहता है विमान हवा में उठ चुका है। इसके बाद पायलट कहता है कि गियर अप। हो सकता है कि को-पायलट ने गलती से गियर की बजाए फ्लैप्स वाला हैंडल खींच दिया हो। इसका मतलब, विमान से वो हिस्से हट जाए जो उसे हवा में टिकाए रखने में मदद करते हैं। आखिर में एक्सपर्ट इसी निष्कर्ष पर पहुंचते दिखते हैं कि दोनों ईंजन फेल होने की वजह से ये हादसा हुआ होगा। हालांकि, भारत में इस मामले की जांच अभी जारी है।

मोदी तीन देशों ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस में पहुंच गए हैं। गहरे ऐतिहासिक संबंधों को प्रतिबिंबित करने वाले एक विशेष संकेत के रूप में राष्ट्रपति क्रिस्टोडोलिड्स और विदेश मंत्री कॉन्स्टेंटीनोस कॉम्बोस ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया । द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए व्यापक चर्चाएं होनी हैं।श्री मोदी तीन देशों के दौरे पर हैं। साइप्रस के बाद वह 16-17 जून को कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और वापसी में क्रोएशिया का भी दौरा करेंगे।

उत्तराखंड में ...

स्थान पर पहुँचे जहाँ तलाश और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि हादसे का शिकार लोगों के शव बुरी तरह से जल गए हैं।श्री रजवार ने बताया कि हेलीकाप्टर में कुल सात लोग सवार थे। जिनमें पायलट सहित 06 वयस्क और 01 बच्चा हैं। सभी की हादसे में मृत्यु हो गई। मृतकों की पहचान कैप्टन राजबीर सिंह चौहान, पायलट, निवासी जयपुर, विक्रम रावत, कर्मचारी, बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति, निवासी रासी ऊखीमठ, (45), विनोद देवी, निवासी उत्तर प्रदेश, (66) , तृष्टि सिंह उत्तर प्रदेश, (19) , राजकुमार पुत्र सुरेश जायसवाल, निवासी महाराष्ट्र, (41) , श्रद्धा पत्नी राजकुमार जायसवाल, निवासी महाराष्ट्र, (35) , काशी पुत्री राजकुमार, निवासी महाराष्ट्र, बालिका (02) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है। फारेंसिक टीम तथा डीएनए सेंपलिंग टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है।श्री रजवार ने बताया कि प्रभावितों के परिवार के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं। इसके लिए राज्य आपातकालीन प्रचालन केन्द्र 0135-2710334, 9058441404 1070 (टोल फी) तथा रूद्रप्रयाग हेल्पलाइन नम्बर- 8958757335, 01364-233727 जारी किए गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में पुलिस ...

पुलिस ने बताया कि कुंदी ने गिरफ्तारी के दौरान हाथापाई करने की कोशिश की और वह नशे में था। पुलिस के मुताबिक, कुंदी और उनकी पत्नी के बीच कथित तौर पर बहस हो रही थी और वहां से गुजर रहे पुलिस के एक गश्ती दल ने इस घटना को घरेलू हिंसा समझ लिया। कौर ने कहा कि उनके पति बस नशे में थे और शोर मचा रहे थे, लेकिन उन्होंने किसी प्रकार की हिंसक गतिविधि नहीं की। इस बीच, दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई पुलिस आयुक्त ग्रांट स्टीवंस ने 'एबीसी रेडियो एडिलेड' को बताया कि वह आंतरिक जांच अनुभाग द्वारा की जाने वाली जांच के अलावा घटना की तहकीकात करेंगे। जांच के दौरान घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने के संबंध में प्रशिक्षण सहित पुलिस की नीतियों, तौर-तरीकों, प्रक्रियाओं की समीक्षा की जाएगी। पुलिस ने बताया कि किसी को गोली नहीं मारी गयी और घटनास्थल पर कोई 'टेजर' नहीं मिला। 'टेजर' एक प्रकार का बंदूक नुमा विद्युत हथियार है, जिसका उपयोग कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किसी व्यक्ति को बिजली का तेज झटका देने के लिए किया जाता है।

जम्मू कश्मीर के...

श्रीनगर के सिविल लाइंस क्षेत्र की निवासी अलीना जान ने कहा, इस बार सेवा प्रदाता स्थानीय लोगों के प्रति अधिक मित्रवत हैं। पिछले वर्षों में ऐसा नहीं था, जब बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते थे।अधिकांश स्थानीय पर्यटक इस बात से खुश हैं कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम में पार्क खोलने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इससे इस स्थान पर अधिक लोग आकर्षित होंगे।एक 'टूरिस्ट हट' के मालिक मोहम्मद इशाक ने कहा, 'मौखिक प्रचार से बेहतर कोई विज्ञापन नहीं है। कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से लोग ईद के तुरंत बाद यहां आना शुरू हो गए थे, लेकिन संख्या में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई, क्योंकि सभी पार्क बंद होने के कारण उनके पास बैठने के लिए कोई जगह नहीं थी। हमें उम्मीद है कि अब इसमें बदलाव आएगा, क्योंकि उपराज्यपाल ने शनिवार को घोषणा की है कि पार्क फिर से खोले जाएंगे।' इशाक ने कहा कि पिछले 10 दिनों में अन्य राज्यों से भी कुछ पर्यटक पहलगाम पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि उनमें से अधिकतर पंजाब से आए पर्यटक थे और वे निराश थे, क्योंकि वे पहलगाम की सुंदरता का आनंद नहीं ले पाए, जिसके लिए यह प्रसिद्ध है।एक खच्चर वाले मोहम्मद रमजान ने कहा कि उनके समुदाय को उम्मीद है कि पहलगाम में पर्यटकों की बढ़ती संख्या जारी रहेगी।उन्होंने कहा, 'हमारी कमाई का मुख्य वक्त बीत गया है।...लेकिन हमें उम्मीद है कि सर्दियों के शुरू होने से पहले अगले कुछ महीनों में अधिक स्थानीय लोग (कश्मीरी) हमारे पास आएंगे। इससे कुछ नुकसान की भरपाई हो सकती है।'

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 16 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

संगीतमय सुन्दरकाण्ड व श्री श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में श्री राज-ारामजी कमल काबरा व काबरा परिवार द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड व श्री श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें सुन्दरकाण्ड का पाठ पुणे (महाराष्ट्र) से पधारे पूज्य कमलेशजी महाराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर बतौर विशेष अतिथि के रूप में प्रयाग से पधारे श्री बटुक महाराज उपस्थित थे।श्री श्याम संकीर्तन में प्रमुख भजन गायक मयंक अग्रवाल (सोनीपत), अनुराग भूतडा (हैदराबाद), सागर व्यास (हैदराबाद) ने अपने सुमधुर भजन प्रस्तुत किये।इस अवसर पर समाज के गणमान्य व इतर गणमान्य लोगों ने भारी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढाई। इस अवसर पर विभिन्न व्यंजनों द्वारा प्रसादी की व्यवस्था की गई। कमल काबरा द्वारा सभी उपस्थित भक्तों व समाज के गण्यमान्यों का आभार व धन्यवाद प्रकट किया गया।

रक्तदान शिविर का आयोजन

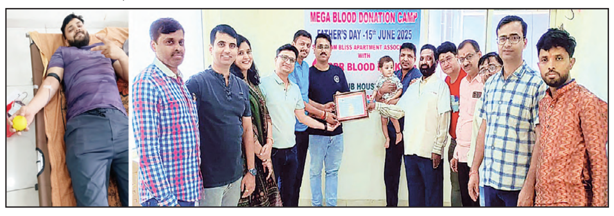

हैदराबाद, 15 जून (शुभ ली ब्यूरो)। शिकारा ब्लिस अपार्टमेंट के क्लब हाउस में रविवार दि. 15 जून 2025 को मनीष अग्रवाल, अंकुर बंसल, बीबीआर ब्लड बैंक के सहयोग से मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

प्रणव अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिविर में अपार्टमेंट के पुरुष सदस्यों,महिला सदस्यों और बाहर के साथियों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान शिविर में हिस्सा लिया और रक्तदान किया।कैंप को सफल बनाने में अमित गुप्ता, प्रणव अग्रवाल, गजानन गुप्ता, अमित वर्मा, प्रमोद सिंगोदिया, विपिन जैन, विशाल सोमानी, विकास केडिया, राहुल, यूगेन्दर, गोकुल, साकेत सराफ, मनीष अग्रवाल, अंकुर बंसल, अक्षय अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, योगिता अग्रवाल, लक्ष्मी भण्डारी, सुप्रिया गुप्ता व अन्य सदस्यों ने अपना पूरा सहयोग दिया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल,भगतराम गोयल,ई जगन (चंपापेट),दिनेश गोयल,कुसुम गोयल,रोहित अग्रवाल,मायारामजी अग्रवाल,गोपाल गोयल,बिमल किशोर सांघी,नयन संघी,प्रीतिका अग्रवाल, सत्यनारायण वकील साहब एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल नारी शक्ति द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल नारी शक्ति द्वारा रविवार दि. 15 जून को अग्रवाल बैंकट हॉल पैराडाइज में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रमुख अतिथि डॉ अनिल जैन द्वारा जीवन शैली को कैसे बदला जा सकता है उस पर बड़े ही सरल शब्दों में लोगों को समझाया।

हार्ट अटैक, बैक पेन, कैंसर जैसी बीमारियों पर सिर्फ अपनी जीवन शैली को बदल कर काबू पाने का मंत्र बताया गया।

कार्यक्रम में संयोजक महिला समिति के रिंकू गर्ग, बीना चांदगोटिया, दीपा भालोटिया, रानी मित्तल, शीतल रुन्गटा, आरती अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, शिल्पा खेतान का बहुत सहयोग सराहनीय रहा ।

इस अवसर पर ओमप्रकाश जी ने डॉ. अनिल जैन का सम्मान किया और स्वास्थ्य को अतिआवश्यक बताया और ऑनेस्टी इस द बेस्ट पॉलिसी को अपनाने पर जोर दिया । मनोज मित्तल ने अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल का सम्मान किया। अंजनी कुमार अग्रवाल द्वारा समाज के वरिष्ठ सदस्य कुकटपल्ली शाखा के वास-ुदेव खेतान का सम्मान किया ।सूरुचि भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर नारी शक्ति टीम सीमा जैन, शीतल अग्रवाल, आरती अग्रवाल, दीपा अग्रवाल सुमन अग्रवाल, शिल्पा केसान, नीतिजी, बबीता जिंदल, रानी मित्तल, निर्मला जी, पुष्पा मित्तल, वर्षा, दीपमाला, सुनीता, रेनू, सरिता शराफ, गौरी धनी, मोनिका अग्रवाल आदि का बहुत-बहुत सहयोग रहा। वासुदेव खेतान,अशोक धानी, नवीन अग्रवाल, रोहित जैन, जगदीश सराफ, महेश कनोडिया, संतोष जी, सुशील जेजानी, आनंद प्रकाश गुप्ता, प्रवीण जैन, सुरेश अग्रवाल, मनोज मित्तल शामिल हुए। रिंकू गर्ग और बीना ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के चुनाव हेतु समाज कार्यालय में टीम एके पैनल के सदस्यों की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें टीम एके पैनल के उम्मीदवारों की घोषणा की गई। वर्ष 2025-27 की केंद्रीय कार्यकारिणी के लिए अध्यक्ष के रूप में अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष- रूपेश अग्रवाल, महासचिव- विकास केशान, सह-सचिव- डॉ. सीमा जैन एवं कोषाध्यक्ष- अछल गुप्ता को उम्मीदवार बनाया गया। इस अवसर टीम एके पैनल के उम्मीदवारों ने अपने दो वर्ष के विजन का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस अवसर मनीष अग्रवाल, अंजनी कुमार अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

सिखवाल ब्राह्मण समाज नागौर पट्टी क्षेत्रीय की श्रावण की सैर 20 जुलाई को

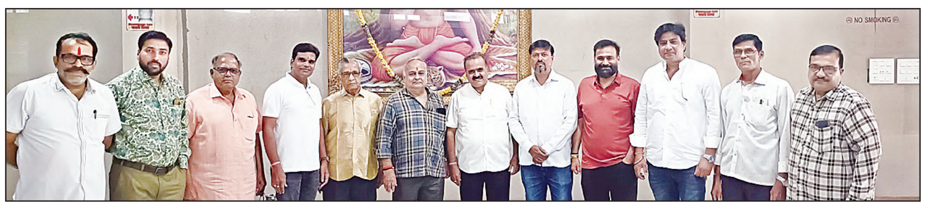

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज नागौर पट्टी क्षेत्रीय की रविवार 15/6/2025 को श्रंग ऋषि भवन पर अध्यक्ष अनिल जायलवाल की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्रृंग वन्दना के पश्चात महा सचीव राजेंद्र ओझा ने श्रावण मास के सैर के बारे में प्रस्ताव रखा। जिसे सभी ने आपसी विचार विर्मश कर आगामी माह 20-7-2025 को कौतुर के समीप नाइन टेम्पल मे श्रावण की सैर करने का निर्णय लिया। निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में सैर की व्यवस्था, संयोजक मण्डल व कार्यक्रम की रूपरेखा का बनाई जाएगी । उक्त बैठक में राधेश्याम तिवारी, बजरंग पण्डीत, कांतिलाल नागाला तिवारी, अजय पण्डीत, संदीप जायलवाल, गोपाल कृष्ण तिवाडी, वरुण पण्डीत, सन्दीप पंडित, श्रीनिवास नागाला तिवारी, सुनील जायलवाल, श्याम ओझा आदि उपस्थीत थे। सन्दीप जायलवाल के धन्यवाद के साथ बैठक का समापन हुआ।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पितृ दिवस के अवसर पर गगन पहाड़ स्थित सत्यम शिवम् सुंदरम गौशाला में गौसेवा की गई। जिसके लाभार्थी अमेरिका निवासी बेबी केशवी थी। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, प्रचार प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल अन्य सदस्यों में अशोक कुमार तायल, राजेश कुमार अग्रवाल, उमा तायल, नमिता अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, लक्ष्मी दत्त, श्यामूली पूर्कित आदि उपस्थित थे।

मूल्यों के बिना जीवन का आधार नहीं : मनमोहन वैद्य

भारतीय शिक्षण मंडल की त्रिदिवसीय अ. भा. प्रान्त प्रमुख बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय प्रान्त प्रमुख बैठक के समापन सत्र में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह एवं अखिल भारतीय कार्यकारणी सदस्य डॉ0 मनमोहन वैद्य ने कहा कि जीवन में मूल्य बहुत आवश्यक है, मूल्य ही वह गूढ़ तत्व है जो मनुष्य को मनुष्य बनाता है । शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मूल्यपरक समाज का निर्माण करना है जिससे समृद्ध एवं सशक्त भारत को दिशा दी जा सके । वर्तमान जीवन में प्रशिक्षण का महत्त्व है परन्तु यह तभी सकारात्मक परिणाम दे सकता है जब उसके साथ मूल्यों का समावेश हो । कौशलयुक्त व्यक्ति लोगों को आकर्षित करता है जबकि मूल्ययुक्त व्यक्ति लोगों को प्रेरित करके उनके जीवन में बदलाव लाता है । डॉ0 वैद्य ने आगे कहा कि जीवन में थोड़ा ठहराव जरुरी है, यह आत्मचिंतन के लिए आवश्यक है, इससे जीवन को समझने और कार्य को गति देने में मदद मिलती है । उन्होंने आगे कहा कि हम

समाज से जितना लेते हैं उससे अधिक देने का भाव भारतीय मूल्यों के साथ ही संभव है । मूल्यों पर अडिग रहकर हम समाज को प्रेरित कर सकते हैं । राष्ट्र के प्रति यदि समर्पण है और जीवन में यदि मूल्य है तो राष्ट्र-कार्य के लिए समय निकालना बहुत आसान है । भारतीयता आधारित शिक्षा के वैचारिक अधिष्ठान को प्रतिस्थापित करने हेतु प्रतिबद्ध संगठन भारतीय शिक्षण मंडल की त्रिदिवसीय अखिल भारतीय प्रान्त प्रमुख बैठक का सफल आयोजन 13 से 15 जून 2025 तक तेलंगाना प्रान्त के कान्हा शांति वनम, भाग्यनगर (हैदराबाद) में सम्पन्न हुआ । इस बैठक का उद्घाटन त्रिपुरा के राज्यपाल माननीय श्री इंद्रसेना रेड्डी जी द्वारा किया गया, वहीं समापन सत्र को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य माननीय श्री मनमोहन वैद्य जी ने संबोधित किया । बैठक में देशभर के सभी राज्यों से भारतीय शिक्षण मंडल के 313 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। इसके अतिरिक्त, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 30 से अधिक कुलगुरु, तथा राष्ट्रीय महत्त्व के शैक्षिक संस्थानों के निदेशक भी इस अवसर पर उपस्थित रहे । बैठक का उद्देश्य भारत की शिक्षा प्रणाली को मूल्यनिष्ठ, चरित्र निर्माण पर आधारित और भारतीय संस्कृति से पोषित बनाना था । इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु इन तीन दिनों में विभिन्न बौद्धिक सत्रों, संवाद कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया । इन सत्रों में शिक्षा के भारतीय दृष्टिकोण, शैक्षिक-नीति में भारतीयता का समावेश, मूल्यपरक शिक्षा की आवश्यकता, और विश्वविद्यालयों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विमर्श हुआ । भारतीय शिक्षण मंडल का यह प्रयास भारत के शैक्षिक परिदृश्य को मौलिक रूप से भारतीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आने वाली पीढ़ियाँ न केवल ज्ञानवान हों, बल्कि सांस्कृतिक रूप से सजग, नैतिक और जिम्मेदार नागरिक भी बन सकें । इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष सुहास पेडनेकर, महामंत्री डॉ0 भरत शरण सिंह, एवं संगठनमंत्री श्री बी आर शंकरानंद सहित अखिल भारतीय कार्यकारणी के सभी सदस्य उपस्थित रहे ।

सिखवाल ब्राह्मण समाज हैदराबाद द्वारा रविवार दि. 15 जून को दोपहर में फिलखाना स्थित आर्यन स्पोर्टस क्लब के पास राहगीरों में अन्नदान किया गया। जिसका सैकडों राहगीरों ने ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजनकर्ता युवा समिति के सदस्य व स्वजाति बन्धु उपस्थीत थे।

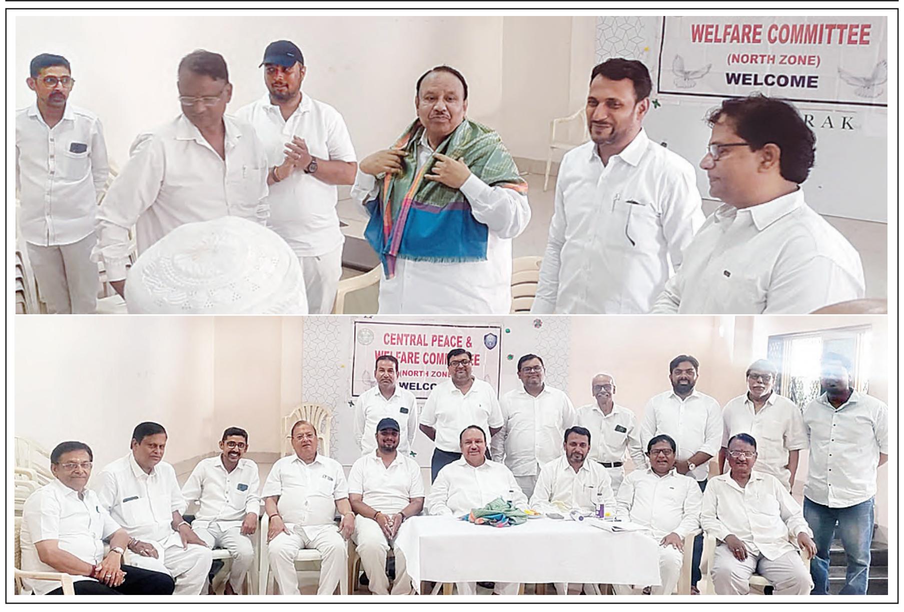

रविवार, दि. 15 जून को सेंट्रली पीस एवं वेल्फेयर कमेटी नॉर्थ जोन की मासिक बैठक आर. उमेंद्र कुमार की अध्यक्षता में सिलवर जूबली सोसायटी में आयोजित की गई। जिसमें आगामी त्यौहारों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 189वां नि:शुल्क नेत्र जांच और दन्त परिक्षण शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच का 189वां विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का शुभारंभ श्री अग्रसेन महाराज जी एवं भारत माता की पूजा अर्चना से हुआ । गुरुद्वारा श्री रामदास साहिब के प्रबंधक भागेंद्र सिंह और मंच के मुख्य संयोजक विनोद अग्रवाल ने भारत माता और श्री अग्रसेन महाराज के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर दीपक प्रज्जवलित किया । मंच के साथ प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, संयोजक उमाशंकर गोयनका सहसंयोजक अजय गुप्ता,अरुण विजय वर्गीय, गुरुद्वारा श्री रामदास, युसुफगुड्डा प्रबंधक श्री नागेन्द्र सिंह के नेतृत्व में प्रबंधक कमेटी के अन्य सदस्य और एम एम सी सी टेलेंट स्कूल के प्रबंधक लक्ष्मी नारायण और कर्मचारी आर एस एस के अधिकारी श्ररमेश जी और अन्य स्वयं सेवकों ने अपनी से शिविर को सफल बनाया ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस शिविर में स्वरुप आई सेंटर अबीडस और बंजारा हिल्स, हैदराबाद के नेत्र विशेषज्ञों ने रोगियों का परिक्षण करके नेत्र संबंधित समस्याओं का निदान किया। 20 रोगियों का मोतियाबिंद के लिए चिन्हित किया गया उनका निशुल्क: मोतियाबिंद ऑपरेशन संघन परिक्षण के बाद स्वरुप आई केयर सेंटर, अबीडस, हैदराबाद में किया जायेगा। इस शिविर में एन के डेंटल क्लिनिक के डॉ नितिन तोशनीवाल ने दंत रोगीयों को सेवा प्रदान की। इस भव्य स्वास्थ्य जांच शिविर में 167 स्थानीय लोगों ने नेत्र जांच सेवा का लाभ उठाया। एम एम सी सी टेलेंट स्कूल के प्रबंधक लक्ष्मीनारायण एवं गुरुद्वारा प्रबंधक भागेंद्र सिंह के कुशल नेतृत्व में कर्मीगणों के सहरानीय सहयोग देकर शिविर को सफल बनाया । समापन में मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने शिविर के सफल आयोजन के लिए जूडे सभी संबंधित पक्षों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

तेलंगाना कांग्रेस सरकार में मुस्लिम नेताओं को नजरअंदाज किया जाना जारी है : मतीन अहमद

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के 16 महीने हो चुके हैं, लेकिन यहक्ष कहना दुखद है कि आज तक राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री के पद पर कोई मुस्लिम अल्पसंख्यक नेता नहीं दिया गया है।यह संयुक्त आंध्र प्रदेश के इतिहास में पहली बार है और तेलंगाना ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल के लिए कोई मुस्लिम नहीं चुना गया है। यह मुस्लिमों के खिलाफ पूर्वाग्रह का एक बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा इस क़दम ने तेलंगाना में मुसलमानों के बीच गुस्से की लहर को उकसाया है। इन विचारों को तेलंगाना तेलुगु देशम पार्टी अल्पसंख्यक नेता सैयद मतीन अहमद द्वारा व्यक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम अल्पसंख्यक के वोटों के साथ सत्ता प्राप्त की, लेकिन आज उन्हीं मुसलमानों को नजरअंदाज किया जा रहा है।राहुल गांधी के शब्द जनसंख्या के रूप में ज्य़ादा, उतना ही अधिकार एक मात्र नारा बन गये हैं, जिसे लागू नहीं किया जा रहा है। मुस्लिम तेलंगाना में 14% आबादी का गठन करते हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें अपने वैध

राजनीतिक अधिकार नहीं दिये हैं। अधिकार के साथ मुस्लिम तेलंगाना में 14% आबादी का गठन करते हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें अपने वैध राजनीतिक अधिकार नहीं दिये हैं। मुस्लिम अल्पसंख्यक की सरकार की पूर्ण उपेक्षा अफ़सोसजनक है। सैयद मतीन अहमद ने मांग की कि कांग्रेस सरकार ने तुरंत एक प्रतिभाशाली मुस्लिम नेता को कैबिनेट में शामिल किया ताकि मुस्लिमों के साथ न्याय किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी भारत कांग्रेस समिति के नेताओं के मुसलमानों से किये गये सभी वादे राहुल गांधी, सोनिया गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री, सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी एनडीए गठबंधन का हिस्सा है, लेकिन इसके बावजूद, एक मुस्लिम को वहां एक मंत्री बनाया गया है, जबकि कांग्रेस पार्टी इंडिया एलायंस का हिस्सा है और यहां तेलंगाना में किसी भी मुस्लिम नेता को मंत्री नहीं बनाया गया है। विधानसभा चुनावों में मुसलमानों ने कांग्रेस पार्टी के लिए भारी मतदान किया और इसे सत्ता में लाया, लेकिन 16 महीने के बीत जाने के बावजूद, न तो किसी भी मंत्री को नियुक्त किया गया था और न ही नामांकित पदों को कोई पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया गया था।

राकेश जयसवाल पार्षद भाजपा जामबाग मंडल ने रविवार को केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी के जन्मदिन के अवसर पर ईएनटी अस्पताल कोठी, हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर मरीजों में फल एवं अल्पहार वितरित करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल और भाजपा कार्यकर्ता।

अग्रमंच के 129वें अंक का लोकार्पण करते हुए जीएसटी विभाग के सहायक आयुक्त बी. बूज्ञी बाबु (आईआरएस)। साथ में हैं अग्रमंच प्रकाशन समूह के प्रमुख डॉ. दिलीप पंसारी और कार्यकारी संपादक डॉ सुमन सराफ ।

प्रेरणा संस्था द्वारा अन्न प्रसाद एनटीआर स्टेडियम के समीप किया गया। कार्यक्रम में प्रेरणा संस्था की संस्थापिका एवं संचालिका श्रीमती पूजा गुप्ता, संयोजक अक्षत गुप्ता, सत्नारायण गुप्ता, राम कुमार, कविता, रमा, आशीष, प्रेक्षा आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक रविवार दि. 15 जून को बाबई एक्सप्रेस (लकड़ी का पुल) में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष श्रीमती सीमा मोदी ने की। सभी नवगठित पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं केंद्रीय समिति सदस्य इस बैठक में उपस्थित रहे।बैठक में मुख्य रूप से आगामी कार्यक्रम सावन की सैर को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। यह तय किया गया कि सावन माह में दो सैरों का आयोजन होगा - एक स्थानीय भ्रमण और दूसरी बाहर की यात्रा अग्रोहा धाम के लिए। इन कार्यक्रमों की तिथियाँ और विवरण शीघ्र ही समाज के सदस्यों को सूचित किए जाएंगे।

सीमा मोदी ,पीयूष अग्रवाल, सतीश गुप्ता, संजय मोदी, सौरभ अग्रवाल, रमेश गुप्ता, सुनील मोदी ,नवीन अग्रवाल,रमेश अग्रवाल, आनंद चौधरी , संजय गुप्ता ,भगवती प्रसाद अग्रवाल, पराग केसरेवाल, रजनीश गोयल, संदीप गुप्ता, निखिल अग्रवाल, संजय एम अग्रवाल, रचित अग्रवाल, कोमल अग्रवाल, अलका अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, वंदना चौधरी, सरोज गुप्ता, बैठक में उपस्थित रहे।उक्त बैठक में समाज की सक्रियता बढ़ाने और नए सदस्यों को जोड़ने पर भी विशेष बल दिया गया। सभी पदाधिकारियों ने समाज सेवा में तन, मन, धन से योगदान देने का संकल्प लिया।

भागवताचार्य श्री बटुक जी महाराज (प्रयागराज) के नगरागमन पर राधाकृष्ण तोषनीवाल के निवास स्थान पर उनका सम्मान करते हुए राधाकृष्ण तोषनीवाल, राधेश्याम राठी, दिनेश सरडा, पन्ना महेश्वरी, विष्णु शर्मा, राधाकृष्ण लोया, रमाकांत करवा, संपत तोषनीवाल, पूजा सरडा एवं अन्य।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF DOB
I, KALPANA SINGH Spouse of Service No. JC 774600K Sub AJAY KUMAR SINGH, R/o.Vill:Ajaynagar, PO:Kakore, Teh:Sikandrbad, Dist:Bulandshahr, Uttar Pradesh - 203203 have changed my Date of Birth from 18-05-1978 to 15-09-1977 vide affidavit dt:14-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, POONKODHAI UDHAYAKUMAR Mother of Service No 2612641H Nk U SAMIKANNU, R/o.MuthaiahKovil Street, Main Road, Vill:KDuraiSwamyPuram, Post:Kuchanur, Teh:Uthamapalayam, Dist:Theni, Tamilnadu-625515 have changed my name and DOB from POOCATHAI, DOB:09-06-1973 to POONKODHAI UDHAYAKUMAR, 29-07-1970 vide affidavit dt:14-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, SUNDARAMURTHY VADIVEL Father of Service No. 2612617M L/Hav S.SAKTHIVEL, R/o.51, Raja Street, Vill and P.O:Paramanandal, Chengam, Dist:Tiruvannamalai, Tamilnadu-606710 have changed my name and DOB from SUNDRAMOORTHY, DOB:01-07-1953 to SUNDARAMURTHY VADIVEL, DOB:06-10-1955 vide affidavit dt:14-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, BODDEPALLI AMMANAMMA Mother of Service No. JC 442086Y Sub RAM MOHANA RAO B, R/o.Vill and Post:Cheemalavalasa, Teh:Amadalavalasa, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532185 have changed my name and DOB from AMMA NAMMA, DOB:28-06-1952 to BODDEPALLI AMMANAMMA, DOB:01-01-1946 vide Affidavit dt:14-06-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, UDHAYAKUMAR LAKSHMANAN Father of Service No 2612641H Nk U SAMIKANNU, R/o.MuthaiahKovil Street, Main Road, Vill:KDuraiSwamyPuram, Post:Kuchanur, Teh:Uthamapalayam, Dist:Theni, Tamilnadu-625515 have changed my name and DOB from L UDHAYAKUMAR, DOB:07-08-1968 to UDHAYAKUMAR LAKSHMANAN, 22-03-1962 vide affidavit dt:14-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, LAKSHMI DEVI Spouse of Service No. 14649527M Hav DAMI REDDY V ANANTHA REDDY, R/o.Vill and PO:Edamakallu, Teh:Komarollu, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh--523369 have changed my name and DOB from LAKSHMI DEVI, DOB:05-12-1992 to DAMIREDDY LAKSHMI DEVI, DOB:21-11-1992 vide affidavit dt:14-6-2025 before I Special Metropolitan Magistrate, Cyberabad at LB Nagar.

CHANGE OF NAME
I, M BHARATHI is legally wedded spouse of Army No.JC 731046W Sub P Muni Kannaiah R/o. Vill:Natham, Post:Koramanhalam, Teh:Tiruttani, Dist:Tiruvellur, Tamil Nadu-631205 have changed my name from M BHARATHI to BHARATHI M vide affidavit dt:14/06/2025 before C.Sameul, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, BODDEPALLI NEELAYYA Father of Service No. JC 442086Y Sub RAM MOHANA RAO B, R/o.Vill and Post:Cheemalavalasa, Teh:Amadalavalasa, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532185 have changed my name and DOB from NEELAIAH, DOB:28-06-1950 to BODDEPALLI NEELAYYA, DOB:01-01-1949 vide Affidavit dt:14-06-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

आदिवासियों का विरोध प्रदर्शन जारी कवाल टाइगर रिजर्व में छठे दिन भी डटे रहे

मंचेरियाल,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिले के मैसामपेट और रामपुर से विस्थापित आदिवासियों ने शनिवार को लगातार छठे दिन कवाल टाइगर रिजर्व (केटीआर) के अंदर एक गांव पर फिर से कब्जा करना जारी रखा वे वादा किए गए पुनर्वास पैकेज प्राप्त करने में अत्यधिक देरी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे है दोनों गांवों के करीब 140 आदिवासी कड्डमपेद्दुर मंडल के कोट्टामड्डीपडागा गांव के पास 12

एकड़ में स्थापित पुनर्वास और पुनर्वास कॉलोनी में लौट आए उन्होंने अस्थायी झोपड़ियाँ बना लीं और अधिकारियों द्वारा उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए लगातार परामर्श और बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद वे साइट पर ही बने हुए हैं।आदिवासियों ने कॉलोनी में बुनियादी ढांचे की कमी पर चिंता जताई उन्होंने कहा कि पुनर्वास पैकेज के तहत उन्हें आवंटित कृषि भूमि अविकसित रह गई है कॉलोनी में बच्चों के लिए स्कूल और बोरवेल और बिजली जैसी आवश्यक सुविधाओं का अभाव है उन्होंने दो बोरवेल इलेक्ट्रिक मोटर और दो हाई-मास्ट लाइट लगाने की मांग की अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने दावा किया कि पात्र लाभार्थियों को वादा किए गए समर्थन से वंचित किया जा रहा है उन्होंने अधिकारियों से 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें शामिल करने तथा वित्तीय मुआवज़ा लेने वालों के खातों में 15 लाख रुपये जमा करने का आग्रह किया अधिकारियों ने बताया कि कवाल टाइगर रिजर्व के मुख्य क्षेत्र में स्थित रामपुर और मैसामपेट के 142 परिवारों को चरणबद्ध तरीके से नई कॉलोनी में स्थानांतरित किया गया है इनमें से 48 परिवारों ने वित्तीय मुआवज़ा चुना जबकि शेष 94 परिवारों ने पुनर्वास योजना के तहत भूमि आवंटन का विकल्प चुना

अशोक मोहरलेकर सम्मानित

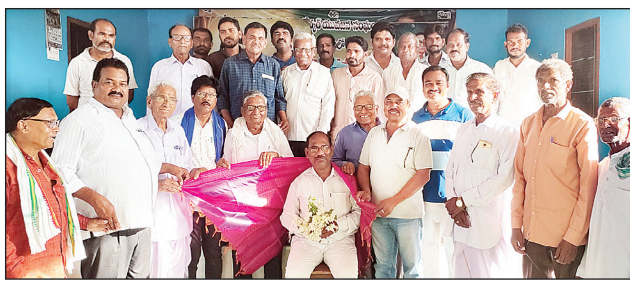

कुमरमभीम/आसिफाबाद,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । संत कबीर दास 2025 राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार विजेता भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष अशोक माहुलकर का रविवार को जेतवन बुद्ध विहार, वानकीडी में भारतीय बौद्ध महासभा डॉ बाबासाहेब आंबेडकर युवजन संगम और सिद्धार्थ युवजन संगम के तत्वावधान में अभिनंदन किया गया। यानि संत कबीर दास को दलित समुदाय को जागृत करने के उनके निरंतर कार्य के लिए इसी महीने की 12 तारीख को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था और समुदाय के बुजुर्गों को समुदाय के उत्थान के लिए काम करना चाहिए, यह बात समता सैनिक दल के जिला अध्यक्ष दुर्गम संदीप और भारतीय बौद्ध महासभा वानकीडी मंडल अध्यक्ष जयराम उपरे ने कही। सीपीआई के राज्य नेता गोपीनाथ ने कहा कि बुद्ध और आंबेडकर को उनके सपनों को साकार करने के लिए काम करना चाहिए। बौद्ध श्रद्धालु पांडू जाड़े ने कहा कि आंबेडकर ने तथागत भगवान बुद्ध, संत कबीर दास, संत गाडगे बाबा और ज्योति भा फुले को अपना गुरु माना बाद में, अंबेडकर यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गम दुर्गाजी पटवारी, महासचिव उपरे, विजय, पूर्व महासचिव दुर्गम सुनील कुमार, उपाध्यक्ष हंस राज, सोसायटी के अध्यक्ष राजेश्वर, दुर्गम श्याम राव, पूर्व अध्यक्ष विलास और राजेंद्र प्रसाद, सचिव प्रताप, नेता रोशन और अरुण, पूर्व एमपीटीसी तूफान और अन्य ने भाग लिया।

आवासीय स्कूल के छात्रों को उनके माता-पिता से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट मित्रा शुरू

मंचेरियाल,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । आवासीय स्कूल के छात्रों को तनाव प्रबंधन और पारिवारिक संबंध बनाए रखने में मदद करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तेलंगाना सरकार ने राज्य भर के सामाजिक कल्याण आवासीय स्कूलों में एआई-सक्षम संचार पहल 'प्रोजेक्ट मित्र' शुरू की है इस पहल के तहत प्रत्येक स्कूल में एआई-समर्थित टेलीफोन बूथ लगाए जा रहे है जिसमें छात्र संख्या के आधार पर सात से 10 बूथ आवंटित किए जाएंगे। चार छात्रों के प्रत्येक समूह को एक स्मार्ट कार्ड मिलेगा जो एक ही फोन नंबर से जुड़ा होगा - आमतौर पर माता-पिता का नंबर - जिससे छात्र केवल उसी नंबर पर कॉल कर सकेंगे प्रत्येक छात्र को प्रतिदिन 25 मिनट तक बात करने की अनुमति होगी अपने अभिभावकों से बात करने के अलावा विद्यार्थी इन बूथों का उपयोग कर अपने स्कूल में किसी भी समस्या की रिपोर्ट करने के लिए एक टोल-फ्री नंबर डायल कर सकते हैं जो उन्हें सीधे गुरुकुल सोसायटी के वरिष्ठ अधिकारियों से जोड़ता है वर्तमान में छात्रों को स्कूल के आधार पर हर दो सप्ताह या महीने में एक बार ही अपने परिवार से बात करने की अनुमति है कई मामलों में कक्षा शिक्षक छात्रों को उनके परिवारों से संवाद करने में मदद करने के लिए अपने निजी मोबाइल फोन का उपयोग कर रहे हैं।

सरकार को तुरंत टाइगर कंजर्वेशन रिजर्व एक्ट वापस लेना चाहिए : हरीश बाबू

मंचेरियाल,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । सिरपुर विधायक डॉ.पलवई हरी श बाबू ने मांग की है कि राज्य सरकार कुमारमभीम टाइगर कंजर्वेशन रिजर्व को तुरंत वापस ले उन्होंने रविवार को विधायक निवास पर मीडिया से बात की उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने बिना किसी परामर्श और जनप्रतिनिधियों को सूचित किए बिना एकतरफा तरीके से जीओ नंबर 49 जारी कर दिया उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि जीवो ने जिले के किसानों आदिवासियों और गैर आदिवासियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है उन्होंने कहा कि

आसिफाबाद और सिरपुर विधानसभा क्षेत्र में करीब 4 लाख एकड़ वन क्षेत्र को कंजर्वेशन रिजर्व घोषित करने से विकास पूरी तरह बाधित हो जाएगा और लोग आवागमन नहीं कर पाएंगे उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि पंचायत राज और आरएंडबी सड़कों की मरम्मत न होने से लोग पहले ही मुश्किलों का सामना कर रहे हैं और अब ऐसी स्थिति नहीं आएगी कि कंजर्वेशन रिजर्व के नाम पर वन परमिट जारी किए जाए उन्होंने इस स्थिति की आलोचना की कि गांवों में सीसी सड़कें नहीं बनाई जा सकतीं और वन अधिकारी पीने के पानी के लिए बोरिंग नहीं कर रहे है उन्होंने वन अधिकारियों पर टाइगर कंजर्वेशन रिजर्व के नाम पर लोगों की जान से खेलने का भी आरोप लगाया जबकि आदिवासी समूह जीवीओ नंबर 49 के खिलाफ विरोध कर रहे हैं यह अनुचित है कि आदिवासी प्रभारी मंत्री सीथक्का ने एक शब्द भी जवाब नहीं दिया है उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए गांवों में आने वाले कांग्रेस नेताओं को रोकने और रोकने का आह्वान किया उन्होंने बताया कि कल से भाजपा के तत्वावधान में तहसील कार्यालयों के सामने जीवीओ नंबर 49 की प्रतियां जलाई जाएंगी इस कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष धोनी श्रीशैलम नगर अध्यक्ष शिवा, पूर्व एमपीपी कोप्पुला शंकर, मंडल अध्यक्ष पुल्ला अशोक, पूर्व एमपीटीसी गणपति, तिरुपति, गजला लक्ष्मण, तिरुपति गौड़, महेश, चिलुकैया और अन्य शामिल हुए ।

अकुला संतोष को विश्व हिंदू परिषद आसिफाबाद का सचिव नियुक्त किया गया

कुमरमभीम/आसिफाबाद,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । विश्व हिंदू परिषद मंचेरियल जिला की बैठक रविवार को स्थानीय शिशु मंदिर बेल्लमपल्ली में हुई। बैठक में बोलते हुए मुख्य अतिथि धनुंजय ने कहा कि आने वाले दिनों में हिंदू समाज में छुआछूत को दूर करने और निचले वर्ग में जागरूकता लाने के लिए सामाजिक समरसता रथयात्रा निकाली जायेगी. बैठक में अकुला संतोष को जनगांव (आसिफाबाद) जोनल सचिव और मुरुमुर वार राजू को सहकारी दर्शी नियुक्त किया गया।

बैठक में परिषद विभाग के सचिव अयोध्या रविंदर, जिला अध्यक्ष रेवल्ली राजलिंगा, जिला उपाध्यक्ष गोट्टीपर्थी कनकथरा, जिला सचिव वेमुला रमेश, विपिन लोढ़ा, रापरथी नवीन, वैभव, सिम्हाद्रि, बजरंग दल के जिला संयोजक मुरली मनोहर, बेल्लमपल्ली शहर सचिव मिट्टा श्रीनिवास और अन्य उपस्थित थे।

संस्कृति मंडल व मराठी भाषा विभाग के माध्यम से प्रचार-प्रसार बड़े पैमाने पर किया गया

किनवट,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मराठी साहित्य का प्रचार - प्रसार व संवर्धन होना चाहिए इसके लिए महाराष्ट्र सरकार विभिन्न स्तर पर से प्रयास जारी है महाराष्ट्र राज्य साहित्य और संस्कृति मंडल व मराठी भाषा विभाग के माध्यम से यह प्रचार -प्रसार बडे पैमाने पर किया जाता है।

इस कडी मे जिला साहित्य संमेलन की योजना बनाई ग ई है इस वित्त वर्ष मे अन्य मराठी साहित्य संमेलन योजना बदल कर दो लाख रुपये अनुदान से बढाकर अब पाच लाख रुपये अनुदान किया गया यहा से अब 36 जिले 36 मराठी साहित्य संमेलन की संकल्पना इसके लिए 15 जुन से 15 जुलाई 2025 इस दरम्यान साहित्य संस्था द्वारा अनुदान हेतू आवेदन मागवाए है साहित्य संमेलन अनुषंगान से सरकार की जानकारी व जनसंपर्क महासंचालनालय मुंबई की ओर से 13 जून 2025 को इस संबंध मे विज्ञापन प्रकाशित किया गया है इच्छुक साहित्य संस्था ओने दिए ग ए समय में सरकार के नियमानुसार जिला साहित्य संमेलन आयोजन संदर्भ मे राज्य सरकार की ओर अपना प्रस्ताव तयार करके भेजना ऐसी अपील किनवट निवासी तथा महाराष्ट्र राज्य साहित्य और संस्कृति मंडल सदस्य प्रोफेसर डॉ मार्तंड कुलकर्णी ने किया है।

विश्व रक्तदान दिवस मनाया

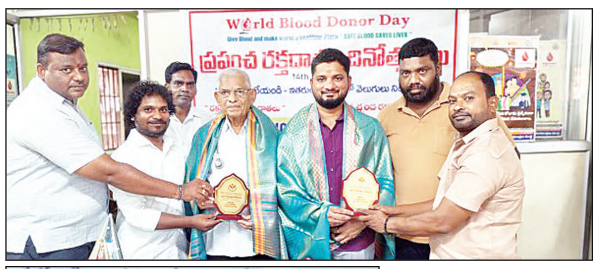

मंचेरियाल,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया मंचेरियल कस्बे के स्थानीय जननी स्वैच्छिक रक्त केंद्र में को आयोजकों ने विश्व रक्तदाता दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चिकित्सा अधिकारी सूर्या राव और डॉक्टर्स महेंद्र रेड्डी मौजूद थे। सबसे पहले केक काटा गया और शुभकामनाएं दी गईं। बाद में कई रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी सूर्या राव और डॉक्टर्स महेंद्र रेड्डी ने लोगों से रक्तदान कर जीवनदाता बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने के लिए पुरुष और महिला में कोई अंतर नहीं है और 18 वर्ष से अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर कस्बे की मौनिका नामक महिला ने कहा कि रक्तदान करना बहुत बड़ी बात है। उन्होंने महिलाओं से रक्तदान के लिए आगे आने का आग्रह किया। जननी स्वैच्छिक रक्त बैंक के आयोजकों ने रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किय।

श्रीरामपुर गौतम सिंगरेनी निदेशक (पीए) के रूप में गौतम ने सिंगरेनी के निदेशक (कार्मिक, प्रशासन एवं कल्याण) का कार्यभार संभाला। उन्होंने हैदराबाद स्थित ।

जंगली हाथी के हमले में एक की मौत, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

चंद्रपुर /आसिफाबाद,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । चंद्रपुर जिले की सिंदेवाही तहसील के जाटलापुर गाँव में आज सुबह एक दर्दनाक घटना घटी, जिसमें एक ग्रामीण की जंगली हाथी के हमले में मौत हो गई। मृतक का नाम मारोती कवडू मसराम (65) बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मारोती मसराम आज सुबह गाँव के कुछ अन्य लोगों के साथ गाँव से लगे खेतों की ओर गया था। इसी दौरान वह शौच के लिए खेत के पास गया और तभी वहाँ पर अचानक जंगली हाथियों का झुंड आ पहुँचा। हाथियों ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुँची और स्थिति का जायजा लिया।

राधाकृष्ण ने 34 बार रक्तदान किया

कागजनगर/आसिफाबाद,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर राधाकृष्ण नामक युवक ने जीवन धारा ब्लड बैंक में रक्तदान किया।

कागजनगर मंडल के भट्टुपल्ली गांव निवासी राधाकृष्ण 34वीं बार रक्तदान कर सबके लिए आदर्श बन गए। इस अवसर पर बोलते हुए राधाकृष्ण ने कहा कि उनके जीवन का लक्ष्य सौ बार रक्तदान करना है। उन्होंने कहा कि सभी को रक्तदान करना चाहिए और वे अब तक 34 बार रक्तदान कर चुके हैं। रक्तदान कर कई लोगों की मदद कर रहे राधाकृष्ण की मित्र और अन्य लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

स्कूटर दुर्घटना में एससीसीएल अधिकारी की मौत

मंचेरियाल,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के एक अधिकारी की शनिवार को गोदा-वरीखानी में 8 इनक्लाइन कॉलोनी में एक लड़की को टक्कर मारने से बचाने के प्रयास में स्कूटर के सड़क डिवाइडर से टकराने से मौत हो गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक रमेश बाबू रामगुंडम-खखख क्षेत्र में ओपनकास्ट-2 कोयला खदान में अंडर मैनेजर के पद पर कार्यरत थे यह दुर्घटना

पोस्ट ऑफिस रोड पर हुई जहाँ उनके सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई उनके परिवार में उनकी पत्नी और बेटी है सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया मामला दर्ज किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया ।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन

मंचेरियाल,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । पुलिस विभाग द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को पुलिस विभाग की ओर से मंचेरियाल स्थित भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन डीसीपी ए. भास्कर ने किया और 55 लोगों ने रक्तदान किया। बाद में डीसीपी ने रक्तदाताओं को

प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में ट्रैफिक सीआई सत्यनारायण, एएसआई नंदय्या और रेडक्रॉस जिला सचिव महेंद्र ने भाग लिए।

लक्षेट्टीपेट सरकारी हाई स्कूल के अधिकारियों ने शिक्षकों और छात्रों के अभिभावकों के साथ समीक्षा बैठक

मंचेरियाल,15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने लक्षेट्टीपेट सरकारी हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज भवन में संबंधित अधिकारियों शिक्षकों और छात्रों के अभिभावकों के साथ समीक्षा बैठक की इस अवसर पर विधायक प्रेम सागर राव

ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से बात करते हुए कहा कि स्कूल-कॉलेजों को अपने घर की तरह साफ-सुथरा रखना चाहिए उन्होंने कहा कि यदि आपको कोई समस्या है तो मुझे बताएं मैं तुरंत उसका समाधान करूंगा इस बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी यदय्या, अधिकारीगण, शिक्षकगण, अभिभावकगण, विद्यार्थीगण एवं अन्य लोग शामिल हुए।

रयतू नेस्तनम के अंतर्गत किसान भवन में बैठक आयोजित

मदनूर, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानिक एग्रीकल्चर अधिकारी राजू ने एक प्रेस विज्ञापन में बताए की प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री 16 जून (सोमवार) को सायं 4:00 बजे किसानों से रूब-रूब कार्यक्रम करेंगे।यह कार्यक्रम राज्य भर में 1031 रायथु नेस्थम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग केंद्रों के माध्यम से लाइव प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताए कि हमारा विनम्र अन-ुरोध है कि प्रत्येक मंडल के सभी गांवों से किसान, जनप्रतिनिधि, पत्रकार मित्र तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा सहित नव स्थापित किसान मंच इस कार्यक्रम में अवश्य भाग ले दिनांक 16-06-2025 सोमवार को माननीय मुख्यमंत्री जी शाम 4 बजे मदनूर, बड़ा एकलारा और बड़ा तडागुर गांव में किसानों से रूबरू कार्यक्रम करेंगे। यह कार्यक्रम रायथू नेस्टहम वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लाइव प्रसारित किया जाएगा। इसलिए, मंडल जनप्रतिनिधियों और मंडल कृषि अधिकारी राजू ने किसानों से मदनूर, बड़ा एकलारा और बड़ा तडागुर के किसान मंच में श्याम 4 बजे उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

तेलंगाना में जल्द होंगे स्थानीय निकाय चुनाव : श्रीनिवास रेड्डी

खम्मम (तेलंगाना), 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने रविवार को घोषणा की कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मैदान तैयार है।

श्री रेड्डी ने कहा कि चुनाव के लिए अधिसूचना जून के अंत तक जारी होने की उम्मीद है। कार्यक्रम पर कैबिनेट का फैसला 16 जून को लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सबसे पहले मंडल परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (एमपीटीसी) और जिला परिषद क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र (जेडपीटीसी) चुनाव होंगे, उसके बाद सरपंच और नगरपालिका चुनाव होंगे। खम्मम जिले के कुसुमांची विधायक शिविर कार्यालय में पार्टी नेताओं से बात करते हुए श्री रेड्डा ने स्थानीय नेताओं के बीच एकता की आवश्यकता पर जोर दिया और उनसे सार्वजनिक मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों का चयन आरक्षण और उनकी जीत की संभावनाओं के आधार पर किया जाएगा। पलेरू निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यक्रमों के एक भाग के रूप में, मंत्री ने इरुवाका (खेती की शुरुआत) समारोह में भाग लिया और किसानों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इंदिराम्मा सरकार की योजना के तहत, सभी पात्र किसानों को 16 जून से प्रति एकड़ 12,000 रुपये का रायथु भरोसा (निवेश सहायता) मिलेगा, जो पहले 10,000 रुपये था। उन्होंने यह भी कहा कि 21,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ किए गए हैं, जो पिछली सरकार द्वारा की गई 17,000 करोड़ रुपये की माफी से अधिक है।

पोंगुलेटी ने आश्वासन दिया कि कल से तीसरी बार रायथु भरोसा प्रदान किया जाएगा और किसानों को मुफ्त बिजली, गुणवत्ता वाले बीज और उर्वरक देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने सीताराम और कालेश्वरम जैसी सिंचाई परियोजनाओं को छोड़ने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की और कसम खाई कि वर्तमान प्रशासन हर एकड़ के लिए पानी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पूरा करेगा।

तेलंगाना सरकार ने भूमि संबंधी मुद्दों के समाधान में तेजी लाई

मंत्री पोंगुलेटी ने 15 अगस्त तक की समयसीमा तय की

खम्मम, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को हैदराबाद जिले को छोड़कर पूरे राज्य में चल रही राजस्व बैठकों के दौरान किसानों द्वारा दायर भूमि संबंधी आ-वेदनों का समाधान करने का निर्देश दिया है।3 जून से आयोजित इन बैठकों में 561 मंडलों के 7,578 गांवों को शामिल किया गया है और 4.61 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह पहल 20 जून तक जारी रहेगी।

रविवार को प्रगति की समीक्षा करते हुए, मंत्री ने आवेदनों के समाधान में मानवीय दृष्टिकोण पर जोर दिया और शीघ्र निवारण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा सरकार ने 15 अगस्त, भारत के स्वतंत्रता दिवस तक सभी भूमि विवादों को हल करने का लक्ष्य रखा है और क्षेत्र स्तर के अधिकारियों से तदनुसार काम करने का आग्रह किया है, एक आधिकारिक बयान में कहा गया है।पिछले एक दशक में भूमि संबंधी मुद्दों के अनसुलझे होने के कारण किसानों की कठिनाइयों पर चिंता व्यक्त करते हुए, मंत्री रेड्डी ने पिछले भूमि अधिनियम की आलोचना की, जिसमें किसानों को बिना किसी गलती के कानूनी लड़ाई में मजबूर किया गया।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में हाल ही में पेश किए गए भू भारती अधिनियम का उद्देश्य इन समस्याओं का स्थायी समाधान प्रदान करना है और इसे क्षेत्र में सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। लंबे समय से उपेक्षित नक्शा गांवों- सर्वेक्षण रिकॉर्ड के बिना क्षेत्रों को संबोधित करने के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पांच पायलट गांवों में भूमि सर्वेक्षण तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब तक, सालार नगर (महबूबनगर), कोम्मनपल्ली (जगीतियाल), मुलुगुमाडा (खम्मम), नुगुरु (मुलुगु) और शाहिदनगर (संगारेड्डी) के गांवों में 2,988 एकड़ में से 1,591 एकड़ में सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। मंत्री ने अधिकारियों को दस दिनों के भीतर शेष काम पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि विवादों से बचने और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए किसानों की उपस्थिति में सर्वेक्षण किए जा रहे हैं, जिससे भूमि स्वामित्व में पारदर्शिता और स्पष्टता आएगी जिससे ग्रामीण भूमिधारकों को काफी लाभ होगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत ने कुल 1,93,439 मामलों का निपटारा किया

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित लोक अदालत ने कुल 1,93,439 मामलों का निपटारा किया जिनमें 6,294 साइबर धोखाधड़ी के मामले शामिल थे। पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से रविवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गयी। तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (टीएसएलएसए) की ओर से जिला न्यायाधीशों, पुलिस अधिकारियों और साइबर सुरक्षा ब्यूरो के सहयोग से आयोजित लोक अदालत में प्राथमिकी, आपदा प्रबंधन उल्लंघन, मामूली अपराध और मोटर वाहन अधिनियम जैसे मामलों का समाधान किया गया। मार्च 2025 की, पिछली लोक अदालत की तुलना में इस बार मामलों के निपटारे में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी।

नियमित कानूनी मामलों के अलावा, लोक अदालत के इस संस्करण का एक महत्वपूर्ण पहलू साइबर अपराध के पीड़ितों को धन की वापसी थी। तेलंगाना भर में कई पुलिस इकाइयों ने साइबर धोखाधड़ी के मामलों में रोकी गई राशि को वापस करने पर सक्रिय रूप से काम किया। हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा, टीजीसीएसबी और संगारेड्डी साइबर अपराध से संबंधित रिफंड की सुविधा देने वाली शीर्ष प्रदर्शन करने वाली इकाइयों में से थे, जिनकी सामूहिक राशि 45 करोड़ रुपये से अधिक थी। इस प्रयास ने न केवल वित्तीय न्याय सुनिश्चित किया, बल्कि कानूनी और पुलिस व्यवस्था में जनता का विश्वास भी बहाल किया। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र ने एससीआरबी के डीआईजी और डीएसपी के साथ-साथ एससीआरबी टीम की सुश्री चारु सिन्हा, एडीजीपी, सीआईडी की प्रत्यक्ष देखरेख में इकाई अधिकारियों के साथ उनके समर्पित समन्वय के लिए सराहना की। उन्होंने लोक अदालत के दौरान अपनी टीमों के असाधारण प्रदर्शन के लिए सभी पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को भी बधाई दी। इस पहल की सफलता कानूनी और कानून प्रवर्तन प्रणालियों के बीच प्रभावी सहयोग का प्रमाण है, जिसने नागरिकों को विवादों को शीघ्र और शांतिपूर्ण तरीके से हल करने के लिए एक बहुत जरूरी मंच प्रदान किया। डीजीपी कार्यालय की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि अधिकारियों ने जनता से भविष्य में भी राष्ट्रीय लोक अदालत तंत्र का पूरा उपयोग करने का आग्रह किया है। उन्होंने अदालती बोझ को कम करने, समय और खर्च की बचत करने और सभी संबंधित पक्षों को समय पर समाधान और मानसिक शांति प्रदान करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया है।

तेलंगाना के सिंचाई मंत्री को हरीश राव का समर्थन

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व मंत्री एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी को पत्र लिख कर आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित गोदा-वरी-बनकाचेरला लिंक परियोजना से संबंधित प्रारंभिक रिपोर्ट को केन्द्र की मंजूरी का विरोध करने के लिए उनका समर्थन किया है और उन्हें बधाई दी है।

श्री राव ने रविवार को बताया कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के प्रावधानों के तहत किसी भी नयी सिंचाई परियोजना को पहले गोदावरी और कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्डों और फिर शीर्ष परिषद से मंजूरी लेनी होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश सरकार तेलंगाना या वैधानिक बोर्डों को सूचित किए बिना परियोजना पर एकतरफा आगे बढ़ रही है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आवश्यक प्रक्रियाओं और हितधारक परामर्शों को दरकिनार करते हुए परियोजना के लिए निविदाएं जल्द ही बुलाई जा सकती हैं। उन्होंने इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप का आग्रह करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तुरंत शीर्ष परिषद की बैठक बुलाने की अपील की।

पवन कल्याण ने बहादुर जवान के परिवार को 25 लाख दान किए

विजयवाड़ा, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जन सेना प्रमुख और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवान मुरली नायक के परिवार को अपने निजी कोष से 25 लाख रुपए दिए हैं। तिरुपति के विधायक अरानी श्रीनिवासुलु और पालकोंडा के विधायक जयकृष्ण ने शनिवार को श्री सत्य साईं जिले के गोरंटला मंडल के कल्लिटांडा में रहने वाले जवान के माता-पिता श्रीराम नायक और ज्योति से मुलाकात की और उन्हें चेक सौंपा। उन्होंने कहा कि मुरली नायक के परिवार को अपने निजी कोष से धन देना पवन की नेकनीयती का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वादे के मुताबिक 50 लाख रुपए, एक घर और कृषि भूमि पहले ही दे दी है। पूर्व मंत्री पल्लेराघुनाथ रेड्डी और जन सेना के कई नेता इस मौके पर मौजूद थे।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

शिक्षा को मिशन मोड में संचालित किया जाना चाहिए, जिसमें छात्र विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिए : जयंत चौधरी

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा प्रणाली को मिशन मोड में संचालित किया जाना चाहिए, जिसमें छात्र विकास को केंद्र में रखा जाना चाहिए।राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के अपने दौरे के दौरान, चौधरी ने व्यावहारिक कक्षा सेटिंग में डीआईईटी और एससीईआरटी के शोध और निष्कर्षों को लागू करने के महत्व को रेखांकित किया।उन्होंने इन संस्थानों से शिक्षा के लिए परिणाम-उन्मुख और विकास-संचालित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। रणनीतिक योजना की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों शैक्षिक लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए और उनका लगन से पालन किया जाना चाहिए।वैश्विक आईटी हब के रूप में तेलंगाना की स्थिति को स्वीकार करते हुए, मंत्री ने शिक्षण प्रक्रिया में आधुनिक प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने दो-हराया कि शिक्षा एक सामाजिक प्रक्रिया है और अपनाई जाने वाली शिक्षा पद्धति को स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र की जरूरतों और वास्तविकताओं के साथ निकटता से जोड़ा जाना चाहिए। चौधरी ने दोहराया कि शिक्षा में सार्थक प्रगति लाने के लिए मिशन-मोड दृष्टिकोण आवश्यक है, जिसका केन्द्र बिन्दु छात्रों का विकास हो। स्कूल शिक्षा निदेशक गरिया ने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि नए शिक्षकों की भर्ती की गई है, तथा पदोन्नति और स्थानांतरण भी किए गए हैं। इसके अलावा, सभी शिक्षकों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण दिया जाएगा, तथा छात्रों को निःशुल्क नोटबुक प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षण और सीखने के परिणामों को बढ़ाने के लिए जल्द ही कक्षाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण पेश किए जाएंगे। इससे पहले, मंत्री ने गोदावरी ऑडिटोरियम में एक व्यापक फोटो प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें जिलों के स्कूलों की शैक्षिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में शिक्षक प्रशिक्षण सत्र, पीएम श्री और केजीबीवी स्कूलों में पहल, कक्षा शिक्षण सहायक सामग्री, बड़ी बाता कार्यक्रम और ग्रीष्मकालीन शिविरों के दृश्य शामिल थे। चौधरी ने एससीईआरटी द्वारा विकसित मॉड्यूल और हैंडआउट्स के साथ-साथ सरकार द्वारा प्रदान की गई पाठ्यपुस्तकों, नोटबुक और छात्र वर्दी की भी समीक्षा की। उन्होंने बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता पहल, एफएलएन-ए आई (एक्सएल) के कार्यान्वयन का अवलोकन किया, जिसे बुनियादी शिक्षण परिणामों को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कक्षा के दौरे के दौरान, मंत्री ने तेलुगु, अंग्रेजी और गणित पढ़ने वाले छात्रों के साथ बातचीत की और उनकी प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने हैदराबाद, करीमनगर और निजामाबाद के डीआईईटी के प्रिंसिपलों के साथ भी चर्चा की और उनकी शैक्षणिक गतिविधियों और संस्थागत लक्ष्यों के बारे में जानकारी हासिल की। बैठक में केंद्रीय शिक्षा विभाग के अधिकारी, एससीईआरटी संकाय, शिक्षक और छात्र शामिल हुए।

जयंत चौधरी ने रेवंत रेड्डी से मुलाकात की

हैदराबाद, 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर मुलाकात की।दोनों नेताओं ने राज्य में कौशल विकास को बढ़ाने से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा देने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कौशल विकास कार्यक्रमों को उद्योग की जरूरतों के साथ जोड़ने के उद्देश्य से की गई पहलों पर प्रकाश डाला।केंद्रीय मंत्री ने समर्पित कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना पर राज्य सरकार को बधाई दी और इसे युवाओं को सशक्त बनाने और कार्यबल को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने तेलंगाना में कौशल विकास को आगे बढ़ाने में केंद्र के पूर्ण सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया।एक बयान में कहा गया कि मंत्री जयंत चौधरी कल आयोजित होने वाले कौशल मंडन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हैदराबाद में हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.